हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 11.12.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 136 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

डीजीसीए का इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को समन

नयी दिल्ली : देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट के बाद अब नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कंपनी के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। डीजीसीए ने इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीईओ पीटर एल्बर्स को गुरुवार दोपहर 3 बजे पेश होने के लिए तलब किया है। विमानन नियामक डीजीसीए ने बुधवार को जारी एक आदेश में एयरलाइन के सीईओ पीटर एल्बर्स को 11 दिसंबर को दोपहर 3 बजे तक विस्तृत रिपोर्ट के साथ पेश होने का निर्देश दिया है। इंडिगो के सीईओ ने इससे पहले डीजीसीए से एक दिन का अतिरिक्त वक्त मांगा था, जिसे मंजूर करते हुए डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि अब किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीजीसीए ने साफ कर दिया है कि इंडिगो की आंतरिक गड़बड़ी जैसे कि क्रू-मेंबर की कमी, गलत रोस्टरिंग, फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन की गड़बड़ी, यात्रियों को समय पर सूचना न देना और लैगेज मिसमैनेजमेंट ने लोगों को भारी मुसीबत में डाला है। इसलिए अब एयरलाइन कंपनी को इन तमाम मुद्दों पर विस्तृत स्पष्टीकरण देना होगा।

लूथरा ब्रदर्स की अग्रिम जमानत पर सुनवाई आज

गोवा : गोवा के रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा बुधवार को दिल्ली की एक अदालत से अंतरिम राहत पाने में नाकाम रहे। अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले दिन के लिए टाल दी। अतरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना ने दोनों भाइयों द्वारा दायर अग्रिम जमानत पर गोवा सरकार से जवाब मांगा और अगली सुनवाई की तारीख गुरुवार तय की। भाइयों ने चार हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी है ताकि थाईलैंड से दिल्ली लौटने के बाद उन्हें तुरंत गिरफ्तार न किया जाए। उन्होंने गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा भी मांगी है। थाइलैंड भाग चुके लूथरा ब्रदर्स ने अग्रिम याचिका में खुद पीड़ित बताया है। दावा किया कि उन्हें बिना आधार आरोपी बनाया जा रहा है। सुनवाई के दौरान आरोपी सौरभ लूथरा की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने मेडिकल कारणों का हवाला देते हुए आरोपी सौरभ लूथरा की सेहत की स्थिति बताई, जिसे मिर्गी और हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारी है।

सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड के निदेशक पर्षद की मुख्यमंत्री ने की अध्यक्षता

योजनाओं में पारदर्शिता ही झारखंड के किसानों की सशक्तता की कुंजी : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को झारखंड विधानसभा में सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धकोफेड) के निदेशक मण्डल की चतुर्थ बैठक आयोजित हुई। बैठक में कृषि एवं वनोपज क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण, किसानों की आय वृद्धि, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने तथा प्रशिक्षण एवं विपणन तंत्र को सशक्त बनाने से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और कई प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड राज्य में कृषि एवं वनोपज क्षेत्र में अत्यधिक संभावनाएं हैं। किसानों को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

फसलों का मूल्य समय पर मिले, किसानों का मनोबल बढ़े

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों को खेती के प्रत्येक चरण–उत्पादन, भंडारण, प्रसंस्करण से लेकर विपणन तक–पूर्ण सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई की बेहतर सुविधा और बाजार तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि किसानों को उनकी फसलों के उचित मूल्य का भुगतान समय पर मिलना चाहिए, ताकि उनका मनोबल बढ़े, वे आर्थिक रूप से सशक्त हों और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए किसानों की समृद्धि ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जलस्रोतों के संरक्षण और चेक डैमों की मरम्मत एवं देखरेख की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि इन जल संरचनाओं की देखरेख की जिम्मेदारी किसानों के समूहों या जलसहिया समितियों को सौंपी जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर स्वामित्व और जवाबदेही दोनों सुनिश्चित हो सकें। इस पहल से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण आजीविका को भी स्थायी आधार प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए स्पेशल मोबाइल ऐप एवं कृषि पोर्टल विकसित करने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों के हित में एक विशेष मोबाइल एप्लीकेशन विकसित किया जाए। इस एप के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों के किसान अपनी फसलों, आवश्यक कृषि सामग्रियों, विपणन स्थिति और बाजार संबंधी जानकारी को सीधे डिजिटल माध्यम से साझा कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस डिजिटल पहल से किसानों को न केवल अपने उत्पादों के बेहतर मूल्य निर्धारण में सहायता मिलेगी, बल्कि उन्हें बाजार की वास्तविक स्थिति की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त होगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कृषि विभाग का एक स्थानीय पोर्टल विकसित किया जाए, जिसके माध्यम से उपभोक्ता सीधे किसानों से जुड़कर कृषि उत्पादों की खरीद कर सकें। इस व्यवस्था से किसानों और उपभोक्ताओं के बीच एक पारदर्शी एवं लाभकारी संपर्क स्थापित होगा, जिससे बिचौलियों की भूमिका घटेगी और किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में लाह, इमली, कोदो, कुटकी, चिरौंजी, महुआ, करंज, रेशम और तसर जैसे झारखंड के विशिष्ट वनोपजों के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस दिशा में कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि राज्य के किसानों और वनोपज संग्राहकों को इसका सीधा आर्थिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि कृषि एवं वनोपज आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार राज्य के वनोपज उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए ठोस एवं निर्णायक पहल कर रही है।

सूचना आयोग सहित कुछ सरकारी पदों के लिए अहम बैठक, राहुल गांधी ने जताई असहमति

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के साथ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) सहित महत्वपूर्ण नियुक्तियों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक की। संसद भवन में लगभग डेढ घंटे चली इस बैठक में इन पदों पर सुझाए गए नामों पर सहमति नहीं बन पाई। सूत्रों के अनुसार सीवीसी, सीआईसी एवं अन्य महत्वपूर्ण पदों के लिए कुछ नाम सुझाए गए थे, लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उन नामों का विरोध जताया। उन्होंने इस मुद्दे पर लिखित रूप से असहमति जताई है।

उल्लेखनीय है कि इस महत्वपूर्ण बैठक का उद्देश्य मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्त और केन्द्रीय सतर्कता आयोग के सर्तकता आयुक्त के नाम पर सहमति बनानी थी। इन पदों के चयन के लिए तीन सदस्य होते हैं जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता, और गृह मंत्री शामिल हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में, राहुल गांधी इन निगरानी निकायों के प्रमुखों की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार चयन समितियों के वैधानिक सदस्य हैं। राहुल गांधी ने लगातार यह चिंता जताई है कि सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए गठित संस्थानों की स्वायत्तता और स्वतंत्रता को कमजोर करने के प्रयास कर रही है।

टाटा कमांड एरिया में संपत्ति की रजिस्ट्री बंद होने की शिकायत पर होगी कार्रवाई : मंत्री

रांची : टाटा कमांड एरिया में संपत्ति की रजिस्ट्रीं बंद होने की सामुहिक शिकायत मिलने पर सरकार जरूर कार्रवाई करेगी। यह मामला लीज से संबंधित है। इसलिए जब तक विभाग को मामले को लेकर शिकायत नहीं मिलेगी कार्रवाई करना संभव नहीं होगा। झारखंड के राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दीपक बिरूवा ने शीताकलीन सत्र के दौरान बुधवार को ये बातें विधानसभा में कही। मंत्री ने जमशेदपुर पूर्वी की भाजपा विधायक पूर्णिमा साहु के तारांकित प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि इस संबंध में विभाग के पास कोई शिकायत नहीं मिली है ऐसे में कैसे कार्रवाई की जा सकती है। इसपर विधायक पूर्णिमा साहु ने कहा कि मामले में जो उन्हें उत्तर प्राप्त हुआ है, उसमें अस्वीकारात्मक लिखा है। इसका अर्थ है कि संपति की रजिस्ट्री बंद नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि टाटा कमांड एरिया में पिछले 60-70 वर्षों से संपत्ति की रजिस्ट्री हो रही थी, लेकिन बताया जा रहा है कि अब रजिस्ट्री नहीं हो रही है। विधायक ने कहा कि इससे राजस्व की हानि हो रही है। उन्होंने मंत्री से मामले की जांच कराने की मांग की।

मप्र : भीषण सड़क हादसे में मुरैना बम स्क्वॉड के चार जवानों की गई जान

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के सागर जिले में मंगलवार तड़के करीब 4 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाँदरी और मालथौन के बीच भीषण सड़क हादसे में मुरैना बम डिस्पोजल एवं डॉग स्क्वॉड के चार जवानों की जान चली गई। एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसका भोपाल में इलाज जारी है। दुर्घटना में पुलिस वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मुरैना से विशेष ड्यूटी पर निकली बम डिस्पोजल एवं डॉग स्क्वॉड की टीम का वाहन सागर की ओर जा रहा था। तड़के घना अंधेरा और हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के बीच यह पुलिस वाहन सामने से आ रहे एक कंटेनर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए और चार जवानों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दी। बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर घायल जवान को वाहन से निकालकर तत्काल उपचार के लिए भेजा।

हादसे में जिन जवानों की जान गई है उनमें आरक्षक प्रद्युमन दीक्षित, आरक्षक अमन कौरव, चालक परमलाल तोमर और डॉग मास्टर विनोद शर्मा शामिल हैं। हादसे में घायल आरक्षक राजीव चौहान की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्हें प्रारंभिक उपचार के बाद भोपाल के बंसल अस्पताल रेफर किया गया। दुर्घटना के समय वाहन में मौजूद डॉग स्क्वॉड का प्रशिक्षित डॉग पूरी तरह सुरक्षित है। स्थानीय पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार या अचानक सामने से आए वाहन के कारण पुलिस कार अनियंत्रित हुई और कंटेनर से जा टकराई।

विधानसभा सत्र : अबुआ आवास योजना के लाभुकों को दो किस्तों में राशि देने पर सरकार करेगी विचार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार 'अबुआ आवास योजना' के तहत लाभुकों को दो किस्तों में राशि देने पर विचार कर रही है। यह जानकारी राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में दी। मंत्री भाजपा के विधायक शत्रुघ्न महतो के अल्पसूचित प्रश्न का जवाब दे रही थीं। विधानसभा में विधायक ने बताया कि हजारों लाभुकों को योजना की पहली किस्त मिल गई है, लेकिन दूसरी किस्त जारी नहीं होने से आवास निर्माण अधूरा है। इसके कारण लोग कड़ाके की ठंड में खुले में रात बिताने को मजबूर हैं।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक बार फंड मिला था, लेकिन उसके बाद धनराशि नहीं मिली। इसी वजह से राज्य सरकार अबुआ आवास की दूसरी किस्त जारी करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने बताया कि सरकार को 24 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं और तीन हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जिसमें से 12 अरब रुपये जिलों को वितरित किए जा चुके हैं।

विधानसभा से झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन (संशोधन) विधेयक पास

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन बुधवार को दोपहर की कार्यवाही महत्वपूर्ण रही। सदन ने चार निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित पुराने विधेयक वापस लिए और बहुचर्चित झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन (संशोधन) विधेयक-2025 को बहस के बाद पास कर दिया। सदन को बताया गया कि निजी विश्वविद्यालय स्थापना मापदंडों और प्रक्रियाओं में हुए व्यापक बदलाव की पृष्ठभूमि में यह फैसला लिया गया है। राज्य सरकार की ओर से वापस लिए गए विधेयकों में दो अगस्त 2023 को विधानसभा की ओर से पारित सी. वी. रमण ग्लोबल विश्वविद्यालय विधेयक-2023 और आरोग्यम इंटरनेशनल विश्वविद्यालय विधेयक-2023 हैं। इसके अलावे 21 मार्च 2023 को पारित जैन विश्वविद्यालय विधेयक-2023 और 20 दिसंबर 2023 को पारित शाईन नेशनल विश्वविद्यालय विधेयक-2023 के नाम शामिल हैं। वापस लिए गए इन सभी विधेयकों को सरकार अब नई प्रक्रिया के अनुरूप फिर से तैयार करना चाहती है। विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने बताया कि पांच दिसंबर से अबतक बारह निवेदन स्वीकृत हुए हैं, जिन्हें संबंधित विभागों को भेजा जाएगा।

घुसपैठिए तय नहीं करेंगे देश में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कौन बनेगा : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा में बुधवार को चुनाव सुधार पर चर्चा क्लाइमेक्स पर पहुंची नजर आई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार शाम पांच बजे चर्चा का जवाब दिया। सदन में उस वक्त राहुल गांधी भी मौजूद थे। शाह के भाषण के दौरान राहुल उन्हें चुनौती देते नजर आए, तो शाह ने भी जमकर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर पर झूठ फैलाया जा रहा है। हम किसी भी चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अंदर चुनाव आयोग का गठन उसकी शक्तियां, चुनावी प्रक्रिया मतदान की परिभाषा के बारे में स्पष्ट प्रावधान है। प्रावधान जब किए गए तब हमारी पार्टी नहीं बनी थी। हमारी पार्टी के अलावा जो लोग हैं, इन लोगों ने संविधान सभा में चर्चा करके इसे बनाया गया।

▶ एसआईआर चुनाव को पवित्र रखने की प्रक्रिया

▶ एसआईआर से घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा

शाह ने कहा कि इस सदन में एसआईआर पर चर्चा नहीं होनी चाहिए, ये चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। ये भारत सरकार के तहत काम नहीं करते हैं। जब उन्होंने कहा कि हम चुनाव सुधार पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं तो हम तुरंत मान गए। एसआईआर पर एकतरफा चार महीने से झूठ फैलाया जा रहा है। देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया। मैंने एसआईआर की प्रक्रिया का इससे जुड़े हुए संवैधानिक अनुबंधों का और भूतकाल में जो एसआईआर हुए हैं उसका गहन अध्ययन किया है। जो झूठ विशेषकर कांग्रेस पार्टी द्वारा फैलाया गया उसका तर्कों के हिसाब से जवाब देना चाहता हूं। अमित शाह ने कहा कि एसआईआर आज क्यों हो रहा है, इतिहास बताते हैं तो नाराज हो जाते हैं। कोई भी देश इतिहास को छोड़कर कैसे आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि आज जो हो रहा है दोनों के बीच अंतर क्या और आरोप क्या है, इसका जवाब देता हूं। फ्री एंड फेयर इलेक्शन कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है।

अनुच्छेद 324 में चुनाव आयोग के गठन, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का प्रावधान है।अमित शाह ने कहा कि ऐसा नहीं है पहली बार एसआईआर हो रहा है। पहले भी एसआईआर हुआ है। मनमोहन सिंह के समय मे भी यह हुआ था। यह चुनाव को पवित्र रखने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि 2004 के बाद 2024 में एसआईआर हो रहा है। यह प्रक्रिया कांग्रेस के शासनकाल में कई बार हो चुकी है। पहला एसआईआर 1952 में हुआ था, तब कांग्रेस की सरकार थी। इस प्रक्रिया से घुसपैठियों को देश से बाहर किया जाएगा। सीएम और पीएम कौन होगा, ये घुसपैठिए तय नहीं करेगे। एसआईआर चुनाव को स्वच्छ रखने की प्रक्रिया है। अमित शाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एसआईआर हुआ। चुनाव आयोग की ड्यूटी है यह तय करना कि कौन मतदाता है और कौन नहीं। सबसे पहली शर्त यह है कि मतदाता भारत का नागरिक होना चाहिए।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 82 लाख के 11 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बुधवार को 11 नक्सलियों पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला की मौजूदगी में आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें डिवीजनल कमेटी के सदस्य, प्लाटून कमेटी के सदस्य, एरिया कमेटी के सदस्य जैसे उच्च पदस्थ नक्सली शामिल थे और इन सभी पर 82 लाख रुपये का इनाम था। इनमें से चार माओवादी हथियारों के साथ और पूरी वर्दी में मौजूद थे। कार्यक्रम में कड़ी सुरक्षा रखी गई थी।

पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि नागपुर में नक्सलवादियों के आत्मसमर्पण के लिए गढ़चिरौली में पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला की अध्यक्षता में एकलव्य हाल में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें रमेश उर्फ भीमा, भीमा उर्फ सीटू उर्फ, पोरीये उर्फ लकी अदामा गोटा, रतन उर्फ सन्ना मासु ओयाम, कमला उर्फ रागो, पोरीये उर्फ कुमारी भीमा, रामजी उर्फ मुरा लच्छू, सोनू पोडियाम उर्फ अजय, प्रकाश उर्फ पांडू पुंगाटी, सीता उर्फ जैनी टोंडे पालो और साईनाथ शंकर माडे 11 इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

इससे पहले 15 अक्टूबर, 2025 को माओवादी आंदोलन के सबसे सीनियर नेताओं में से एक भूपति उर्फ सोनू मल्लोजुला वेणुगोपाल राव ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में 61 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया था। जिले में चर्चा है कि इस आत्मसमर्पण से दंडक वन में माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। पुलिस महानिदेशक शुक्ला ने नक्सलवादियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने लिए सी-60 स्क्वाड के काम की तारीफ की।

एक नजर

जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में द्वितीय जांच परीक्षा शुरू

बड़कागांव : प्रखंड में संचालित जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में 2025 – 26 में होने वाले मैट्रिक परीक्षा की तैयारी को लेकर विद्यालय में द्वितीय जांच परीक्षा चल रही है। जिसमें केंद्र अधीक्षक विद्यालय प्रधानाध्यापक राम लखन महतो एवं परीक्षा नियंत्रक कुलदीप कुमार को बनाया गया है। वहीं विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षिका विमली कुमारी के नेतृत्व में परीक्षा कदाचार मुक्त लिया जा रहा है। परीक्षा भवन में वीक्षक के रूप में शिक्षक अशोक कुमार, अख्तर हुसैन, शोभा कुमारी, शंकर कुमार महतो, शंकर कुमार राणा, मीना वर्मा, जितेंद्र कुमार, प्रमिला देवी एवं अर्जुन सिंह शामिल हैं।

अवैध परिवहन पर प्रशासन का शिकंजा, महुदी मोड़ से दो वाहन सीज

चौपारण : महुदी मोड़ के पास सड़क निर्माण कंपनी द्वारा कानून के विरुद्ध किए जा रहे अवैध परिवहन को लेकर बड़ी कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार, अंचलअधिकारी संजय यादव के नेतृत्व में जांच की गई, जिसमें दो वाहनों को अवैध परिवहन में लिप्त पाए जाने पर जप्त कर थाना को सुपुर्द किया गया। कार्रवाई के बाद संपूर्ण मामले को आगे की कानूनी प्रक्रिया हेतु डीटीओ (जिला परिवहन पदाधिकारी) को भेज दिया गया है।स्थानीय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क निर्माण सामग्री अथवा किसी भी प्रकार के माल का परिवहन बिना वैध कागजात और नियमों के विरुद्ध पाए जाने पर ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सुदेश 14 को जाएंगे हजारीबाग

हजारीबाग : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो 14 दिसंबर को हजारीबाग जाएंगे। सुदेश हजारीबाग के नगर भवन में पार्टी के मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अन्य दलों के नेता, कार्यकर्ता और युवा पार्टी से जुड़ेंगे। मिलन समारोह में पार्टी सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, मांडू के विधायक निर्मल महतो, प्रमंडल प्रभारी और पूर्व विधायक लंबोदर महतो, प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, केंद्रीय महासचिव संजय मेहता सहित कई नेता उपस्थित रहेंगे। वहीं कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बुधवार को हजारीबाग परिसदन भवन में आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष परमेश्वर महतो की अध्यक्षता में जिला समिति की बैठक हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी संजय मेहता उपस्थित थे। बैठक में केंद्रीय सदस्य विजय वर्मा, सुहानी एक्का,संगीता बारला, संदीप कुशवाहा, प्रदीप मेहता, सिदार्थ शंकर राय सहित अन्य मौजूद थे।

रोटरी रामगढ़ सिटी ने किया नि:शुल्क ई-रिक्शा का वितरण

रामगढ़ : रोटरी रामगढ़ सिटी ने बुधवार को जरूरतमंदों के सशक्तिकरण के लिए रामगढ़ कुंदन को नि:शुल्क ई–रिक्शा प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी मुकेश तनेजा ने कहा कि यह प्रोजेक्ट समाज में वास्तविक बदलाव लाने वाला है। यह पहल लोगों के जीवन में सकारात्मक असर डालती है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में रीजनल डायरेक्टर विवेक अग्रवाल और पूर्व असिस्टेंट विवेक अजमेरा उपस्थित थे। क्लब के अध्यक्ष आदर्श चौधरी ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

कांग्रेस के संगठन को मजबूत कर कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाए : कमलेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी एवं वार्ड कांग्रेस कमेटी के गठन, बूथ लेवल एजेंट चयन तथा फॉर्म-2 भरने की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया । आयोजित बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने की । मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संगठन सुदृढ़ीकरण के लिए बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय करने, समयबद्ध तरीके से कमेटियों के गठन को पूरा करने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाना हम सभी कांग्रेसियों का कर्तव्य है । उन्होंने कहा कि संगठन सृजन 2025 में संगठन को युद्ध स्तर पर मजबूत कर आने वाले लोकसभा के चुनाव में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना कांग्रेस पार्टी का लक्ष्य है । और ये लक्ष्य तब ही पुरा हो सकता है जब हम सभी भेद-भाव को भूला कर ईमानदारी से कांग्रेस पार्टी का कार्य करते रहें । उन्होंने कहा की जिस तरह से हमारे प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी तमाम तथ्यों के साथ वोट चोरी का उजागर किया है हमें वोट चोर गद्दी छोड़ दिल्ली की रैली में शामिल होकर राम लीला मैदान को भर देना है । कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने किया । मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह जिला प्रभारी जलेश्वर महतो प्रदेश से आए पदाधिकारी अमूल निरज खलको, सुर्य कांत शुक्ला विशिष्ट रूप से उपस्थित हुए । जिला कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा प्रदेश सचिव अवधेश कुमार सिंह, बिनोद सिंह, शशि मोहन सिंह पूर्व सदर विधानसभा के प्रत्याशी मुन्ना सिंह एससी सेल प्रदेश अध्यक्ष केदार पासवान वरिष्ठ कांग्रेसजन महिला कांग्रेस युवा कांग्रेस एनएसयुआई कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्षगण नगर अध्यक्ष प्रखंड अध्यक्षगण प्रकोष्ठ और मंच मोर्चा के अध्यक्षगण जिला कांग्रेस के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता सैकडों की संख्या में उपस्थित थे ।

साइबर ठगी से बचाव को लेकर जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा आयोजित जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार को बाबूगांव स्थित आईस्टीन कोचिंग में छात्रों के बीच साइबर सुरक्षा एवं साइबर ठगी से बचाव पर एक विस्तृत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में बढ़ती ठगी की घटनाओं से अवगत कराना एवं सुरक्षित उपयोग की दिशा में प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रांत उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता तथा सह सचिव अरविंद राणा उपस्थित रहे। इस अवसर पर कोचिंग के संचालक एवं शिक्षक राजेंद्र यादव को ग्राहक पंचायत की ओर से पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन भी यादव द्वारा किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रांत उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि देशभर में साइबर अपराध लगातार बढ़ रहा है और अपराधी तकनीकी ज्ञान की कमी का फायदा उठाकर युवाओं एवं सामान्य उपभोक्ताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने छात्रों को बताया कि ठगी का शिकार होने पर सबसे पहले 1930 टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें, साथ ही निकटवर्ती साइबर थाना में लिखित आवेदन और संबंधित बैंक को तुरंत जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि खाते से निकली राशि को रोका जा सके और आगे की कानूनी कार्रवाई प्रारंभ की जा सके। उन्होंने हजारीबाग में पिछले एक वर्ष में सामने आए दर्जनों मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि ठग अक्सर बैंक अधिकारी, सरकारी एजेंसी या लोन-योजना प्रदाताओं के नाम पर लोगों से संपर्क करते हैं। कई मामलों में लोग आकर्षक रिटर्न, लोन स्वीकृति, सरकारी लाभ, ऑनलाइन शॉपिंग ऑफर या पुरस्कार के झांसे में आकर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा कर देते हैं, जिससे खाते खाली हो जाते हैं।

चौपारण में विज्ञान का उत्सव, सुरेखा प्रकाश भाई स्कूल की प्रदर्शनी में दिखे 50+ इनोवेशन

एआई से वेस्ट मैनेजमेंट तक छात्रों ने दिखाया वैज्ञानिक कौशल, एसडीओ–बीडीओ ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : नवभारत जागृति केंद्र द्वारा संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी हर्षोल्लास के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन बरही एसडीओ जोहन टुडू, चौपारण बीडीओ नितेश भास्कर एवं सीओ संजय यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। विद्यालय के सचिव गिरिजा सतीश, प्रबंधक गन्धर्व गौरव और प्राचार्या रीना पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शनी में छात्रों ने नवाचार और विज्ञान के प्रति अपनी उत्सुकता का शानदार परिचय दिया। प्रदर्शनी में 50 से अधिक मॉडल प्रस्तुत किए गए, जिनमें एआई वॉयस कंट्रोल रिमोट, वेस्ट मैनेजमेंट एवं रीसाइक्लिंग, एयर प्यूरिफायर सहित कई आकर्षक और उपयोगी प्रोजेक्ट शामिल थे। विज्ञान प्रदर्शनी के साथ-साथ विद्यार्थियों ने पाक कला (फूड स्टॉल) का भी शानदार आयोजन किया, जिसे आगंतुकों ने खूब सराहा। मुख्य अतिथियों ने बच्चों की वैज्ञानिक सोच, मेहनत और रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में अभिभावकों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और बच्चों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों की प्रशंसा की।

ओबीसी आरक्षण बढ़ोतरी की मांग पर कुशवाहा समाज ने किया धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड कुशवाहा महासभा द्वारा आयोजित ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत पुनः लागु करने को लेकर (राजभवन) लोकभवन के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन में केन्द्रीय कुशवाहा समाज कर्णपुरा क्षेत्र के अध्यक्ष सोहनलाल मेहता के नेतृत्व में बड़कागांव एवं केरेडारी से हजारों की संख्या में कुशवाहा बन्धु शामिल हुए। रांची रवाना होने से पूर्व मंगल बाजार नयांटाड में एकत्रित हुए और जमकर नारेबाजी की एवं अपने हक अधिकार को लेकर आवाज बुलंद किया। रांची रवाना होने वालों में मुख्य रूप से पुर्व विधायक लोकनाथ महतो, केन्द्रीय कुशवाहा समाज कर्णपुरा क्षेत्र के अध्यक्ष सोहनलाल मेहता, सचिव गिन्नी वर्मा, कोषाध्यक्ष सबुर महतो, पुर्व प्रमुख टुकेशवर प्रसाद, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, डॉ बालेश्वर महतो, संदीप कुशवाहा, तापेश्वर कुमार तापस, भीखन महतो, मिथलेश कुमार, बालेश्वर महतो, घनश्याम कुमार, उमेश दांगी, जितेंद्र कुमार, मिडिया प्रभारी ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, उपेंद्र प्रसाद, बिनोद कुमार, भवानी प्रसाद दांगी, शंकर महतो, मनोज दांगी, अजित प्रसाद, हेमंत महतो, गिरधारी महतो, ईश्वरी महतो, देवनारायण महतो, रूपेश कुमार, त्रिवेणी महतो, नरेश महतो, कृतिआनंद महतो, गुरुदयाल महतो जिज्ञासु, लालदेव महतो, ओमप्रकाश महतो, बिनोद प्रसाद दांगी, कौलेश्वर महतो, दामोदर प्रसाद मेहता, उदय कुमार, शिबू मेहता, देव प्रसाद, सिकंदर महतो, चमन महतो, संजय कुमार, खिरोधर कुमार, श्याम नंदन कुमार, दीपक कुमार, अवध किशोर कुमार समेत हजारों लोग शामिल हुए।

ठिठुरन में मिली गर्माहट, मुखिया प्रतिनिधि ने दलित परिवारों के बीच बांटा कंबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड पंचायत चयकलां में बुधवार को कड़ाके की ठंड के बीच राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मुखिया प्रतिनिधि मौलाना हेलाल अख्तर द्वारा दलित परिवारों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

तेज होती सर्दी से बचाव हेतु दर्जनों जरूरतमंद और असहाय परिवारों को कंबल प्रदान किए गए। कंबल पाते ही ठिठुरन झेल रहे लोगों के चेहरों पर मुस्कान झलक उठी। स्थानीय लोगों ने इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य से गरीब परिवारों को ठंड से बड़ी राहत मिलती है।

बरही पेयजल संकट : विधायक मनोज यादव ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

तिलैया डैम जलापूर्ति योजना को मिली नई गति, जल्द शुरू होगी योजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड में वर्षों से लंबित तिलैया डैम जलापूर्ति योजना का मुद्दा झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रमुखता से उठा। बरही के विधायक मनोज कुमार यादव ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाकर सरकार का ध्यान इस गंभीर पेयजल संकट की ओर खींचा, जिसके बाद पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री ने योजना को शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया। विधायक मनोज यादव ने सदन को अवगत कराया कि तिलैया डैम से बरही क्षेत्र में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की यह योजना पिछले 15 वर्षों से निमार्णाधीन है, लेकिन आज तक पूरी नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि फंड आवंटन और अधूरे क्रियान्वयन के कारण क्षेत्र के हजारों निवासी, विशेषकर गर्मी के मौसम में, स्वच्छ पेयजल के लिए तरसते हैं। विधायक ने व्यापक लोकहित को देखते हुए शेष कार्यों को अविलंब पूरा कराने की मांग की। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते हुए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री ने योजना की वर्तमान स्थिति को सदन के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि यह योजना वर्ष 2007-08 में डीवीसी द्वारा सीएसआर के तहत शुरू की गई थी। योजना में देरी के मुख्य कारणः वर्ष 2009 में काम शुरू हुआ, लेकिन लगभग 65% कार्य होने के बाद कार्यकारी एजेंसी ने काम बंद कर दिया। वर्ष 2013 में 17.24 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी, जिसमें डीवीसी को 9.41 करोड़ का अंशदान करना था। डीवीसी द्वारा केवल 6 करोड़ ही दिए गए, और शेष राशि प्राप्त न होने के कारण कार्य बार-बार बाधित हुआ। मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि अब पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने योजना के बचे हुए 40% कार्यों को स्वयं पूर्ण कराने का निर्णय लिया है। मंत्री ने आगे जानकारी दी कि इस योजना के लिए 27.61 करोड़ की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह पुनरीक्षित राशि पिछली स्वीकृति से लगभग 10.37 करोड़ अधिक है, जिससे बचे हुए कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सकेगा। विधानसभा में इस मुद्दे के उठने और सरकार की ओर से स्पष्ट आश्वासन मिलने के बाद बरही क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि यह बहुप्रतीक्षित योजना अब समय पर पूरी हो जाती है, तो बरही प्रखंड की एक बड़ी और पुरानी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

रस्वती विद्यापीठ पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बरही : प्रखंड अंतर्गत समंतों पेट्रोल पंप के स्थित सरस्वती विद्यापीठ पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं ने मंगलवार को हुंडरू फॉल, पतरातू डैम एवं बिरसा जैविक उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण किया। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इन स्थलों ने बच्चों में उत्साह भर दिया तथा उन्हें नई जानकारियाँ सीखने का अवसर मिला। स्कूल के निदेशक गौरव शर्मा ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाता है। इससे बच्चे मानसिक रूप से मजबूत होते हैं और कक्षा–कक्ष के बाहर के व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं। प्राचार्य गौतम कुमार शर्मा ने बताया कि झारखंड के खूबसूरत स्थलों को नजदीक से देखने और समझने का अवसर बच्चों को मिला। पतरातू डैम की मनमोहक झील, हुंडरू फॉल का प्राकृतिक दृश्य और जैविक उद्यान में मौजूद विभिन्न प्रजातियों के जानवरों को देखकर बच्चों ने काफी कुछ सीखा। भ्रमण के दौरान शिक्षक विजय केशरी, मयंक भास्कर, श्वेता बर्णवाल, पिंकी कुमारी, रानी कुमारी, गायत्री देवी, खुशबू कुमारी, विक्रम पंडित, कलावती कुमारी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। विद्यार्थियों में कुमकुम कुमारी, सोना कुमारी, सानिया कुमारी, परी कुमारी, पवन कुमार, विक्रम कुमार, गुंजन कुमारी, सोनम कुमारी, हार्दिक रजक, गीतांजलि, लक्ष्मी, अमित कुमार, विपुल कुमार, अंशु कुमार, संदीप, पीयूष समेत कई छात्र–छात्रा शामिल थे। बच्चों ने इस शैक्षणिक भ्रमण को यादगार बताते हुए कहा कि यह उनके लिए सीख और मनोरंजन का एक अनोखा अनुभव रहा।

विकास पंडित बने प्रखंड कल्याण पदाधिकारी परिजनों में हर्ष, मिली बधाइयां

बरकट्ठा : बरकट्ठा प्रखंड के गायपहाड़ी पंचायत के प्रतिभाशाली युवा विकास पंडित पिता चेतलाल पंडित ने झारखंड स्टाफ चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित सीजीएल – 2023 परीक्षा में सफलता हासिल करते हुए प्रखंड कल्याण पदाधिकारी पद प्राप्त किया है। परिणाम घोषित होते ही उनके परिजनों के साथ – साथ प्रजापति समाज में भी उत्साह का माहौल बन गया और बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। बचपन से ही पढ़ाई में रुचि एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण रखने वाले विकास ने कठिन परिश्रम और निरंतर अध्ययन के बल पर यह सफलता हासिल की है। ग्रामीणों का मानना है कि उसकी विकास की सफलता से क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। परिवार के सदस्यों ने उनके उज्जवल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना की है। वहीं विकास ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी लगन तथा माता – पिता, गुरुजनों और शुभचिंतकों के सहयोग और आशीर्वाद को दिया और कहा कि पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना ही मेरा संकल्प है। वहीं विकास के इस सफलता पर प्रजापति समाज के कृष्णा प्रजापति, तोखन प्रजापति, दशरथ प्रजापति, कमलाशंकर पंडित, रमेश पंडित, दिनेश प्रजापति, अरुण प्रजापति एवं नारायण प्रजापति समेत समस्त प्रजापति समाज ने बधाई दी है।

केरेडारी की बेटी पायल चौधरी बनीं सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, अंचल अधिकारी ने किया सम्मानित

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड (हजारीबाग) के सलगा गांव की बेटी पायल चौधरी पिता प्रेमचंद महतो का चयन झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में झारखंड सचिवालय के लिए सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के रूप से हुआ है। इस उपलब्धि से पायल कुमारी घर वाले और उनके आस पास के लोग गांव ग्रामीण काफी खुश हैं। इसे केरेडारी जैसे सुदूर प्रखंड के सलगा गांव के लिए एक प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है। अभाव में भी लगातार मेहनत कर पायल कुमारी ने झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन जैसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में भी साक्षात्कार तक पहुंची लेकिन उनका चयन अंतिम रूप से नहीं हो पाया। वे वर्तमान में केरेडारी अंचल कार्यालय में चौकीदार के रूप में कार्यरत हैं। पायल ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता और चाचा राजेंद्र कुमार महतो और लगातार मेहनत और कभी हार नहीं मानने की जिद्द को दिया। इनकी इस सफलता पर अंचल अधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल ने अपने कार्यालय कर्मियों के साथ उनको पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर अंचल अधिकारी ने केरेडारी प्रखंड के छात्र छात्राओं को पायल चौधरी से प्रेरणा लेते हुए प्रतियोगिता परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित होने हेतु लगातार मेहनत करने की सलाह दिए।

राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जेएनपी एस में मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

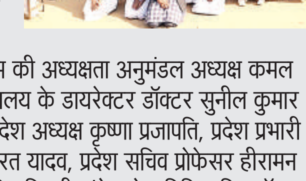

बरही : राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के पुनीत अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन बरही अनुमंडल इकाई की ओर से कृष्णापुरी बरही स्थित झारखंड नेशनल पब्लिक स्कूल में मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित एवं संचालन विद्यालय के डायरेक्टर डॉक्टर सुनील कुमार दत्ता ने किया। बतौर अतिथि प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव ,प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रदेश सचिव प्रोफेसर हीरामन साहू, प्रदेश संगठन सचिव विपिन बिहारी पांडे, प्रदेश विधि सचिव डॉ सुनील कुमार दत्ता, कोडरमा जिला सचिव विकास यादव तथा बरही अनुमंडल महासचिव प्रभाकर पाठक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया ।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों को बुके देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने वर्तमान परिदृश्य में मानवाधिकार की स्थिति एवं मानवाधिकार उल्लंघन से होने वाले सामाजिक परेशानियों के साथ–साथ व्यक्तिगत परेशानियां पर प्रकाश डाला गया। साथ ही मानवाधिकार रोकने एवं मानवाधिकार हनन एवं उल्लंघन को रोकने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया । मौके पर सभी अतिथियों ने बारी बारी से मानवाधिकार हनन एवं मानवाधिकार उल्लंघन को रोकने के उपाय बताएं । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा की मानवाधिकार का हनन एवं उल्लंघन करना न केवल सामाजिक अपराध है, बल्कि कानूनी अपराध है। मानवाधिकार का हनन एवं उल्लंघन रोकने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन पूरे प्रदेश स्तर पर अपने संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ–साथ विस्तारित करने का काम कर रहा है। प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव ने कहा की बच्चों को यह जानकारी होनी चाहिए कि उन्हें भारतीय संविधान के द्वारा कौन–कौन से मौलिक अधिकार दिए गए हैं।

एक नजर

विधायक ने सदन में उठाया खूंटी में जाम का मुद्दा

रांची : खूंटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामसूर्या मुंडा ने बुधवार को विधानसभा में जिले की सबसे गंभीर समस्या—मेन रोड पर बढ़ते जाम—का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि शहर में जाम की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है, जिसके कारण लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। साथ ही दुर्घटनाओं और जनहानि की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। विधायक मुंडा ने सरकार से मांग की कि बाइपास निर्माण में समय लगेगा, इसलिए तत्काल राहत के लिए समाहरणालय से लेकर भगत सिंह चौक तक सड़क का चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और डिवाइडर या सर्विस रोड का निर्माण अतिआवश्यक है। उन्होंने व्यवहार न्यायालय के सामने प्रस्तावित बस स्टैंड और नामकोम बस स्टैंड को जल्द चालू कराने की भी मांग की। विधायक ने कहा कि यदि दोनों बस स्टैंड शुरू हो जाएं, तो शहर के बीचों-बीच लगने वाली बसों की भीड़ कम होगी, जिससे जाम की समस्या में काफी कमी आएगी। साथ ही सड़क चौड़ीकरण और डिवाइडर बनने से बाजारटांड़ से लेकर भगत सिंह चौक तक लगने वाले भीषण जाम से लोगों को तत्काल राहत मिल सकेगी।

नए साल को लेकर पार्कों व पर्यटन स्थलों को दुरुस्त करने में लगा रांची नगर निगम

रांची : नए साल और छुट्टियों के दौरान लोगों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रांची नगर निगम ने आज एक बैठक की। प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में स्वच्छता, इन्फोर्समेंट, हॉर्टिकल्चर, अभियंत्रण और बाजार शाखा के अधिकारी मौजूद थे। लक्ष्य था - शहर के पार्कों, पिकनिक स्पॉट्स और पर्यटन स्थलों पर साफ-सफाई और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना। प्रशासक ने कहा कि नए साल पर शहरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक माहौल देना निगम की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने सभी शाखाओं को समय पर तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए ताकि लोग बेफिक्र होकर नए साल का आनंद ले सकें।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर झारखंड विस के सामने ऐक्टू का प्रदर्शन

रांची : अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन्स (ऐक्टू) ने आज झारखंड विधानसभा के समक्ष राज्य स्तरीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया। उनकी मुख्य मांग थी कि राज्य सरकार विधान सभा में श्रम संहिता को झारखंड में लागू नहीं करने का संकल्प पारित करे। धरना स्थल पर कोयला, स्टील, रेलवे, निर्माण, सफाई और स्कीम वर्कर सेक्टर से जुड़े बड़ी संख्या में मजदूर शामिल हुए। मजदूर संगठनों ने श्रम संहिता को मजदूर हितों के खिलाफ बताते हुए राज्य सरकार से इसे लागू न करने का स्पष्ट निर्णय लेने की मांग की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऐक्टू के वरिष्ठ मजदूर नेता और माले पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाई गई श्रम संहिता मजदूर अधिकारों पर सीधा प्रहार है उन्होंने कहा कि श्रम संहिता मजदूरों को गुलाम बनाने वाली दस्तावेज है। झारखंड की सरकार इसे लागू नहीं करने का संकल्प विधानसभा से पारित करे। वरना सड़कों की लड़ाई तेज होगी। ऐक्टू के प्रदेश महासचिव शुभेंदु सेन ने कहा कि श्रम कानून मजदूरों को किसी की दया से नहीं, बल्कि लंबी लड़ाई के बाद मिले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि फरवरी माह में केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई तेज की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन भुवनेश्वर केवट ने किया।

केंद्रांश की राशि नहीं मिलने से अधूरी हैं नल-जल की कई योजनाएं : पेयजल मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नल-जल योजना का कार्य धन की कमी के कारण प्रभावित हो रहा है। केंद्रांश की पर्याप्त राशि समय पर नहीं मिलने से कई जिलों में परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं। यह बातें राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बुधवार को विधानसभा में प्रश्नों का उत्तर देते हुए कही। मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में इस योजना के तहत 97,535 परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें से 56,386 पूरी हो चुकी हैं। बाकी योजनाएं निमार्णाधीन हैं और संसाधनों की कमी के चलते उनके कार्यों में देरी हो रही है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि केंद्र से

अपेक्षित धन उपलब्ध नहीं होने के बावजूद राज्य सरकार अपने हिस्से की 1231 करोड़ रुपये की राशि से परियोजनाओं को गति देने का प्रयास कर रही है। इससे पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक हेमलाल मुर्मू ने संथाल परगना क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति योजनाओं की खराब स्थिति पर सवाल उठाया।उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में योजनाएं चालू होते हुए भी लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है, जबकि अधूरे कार्यों के बावजूद एजेंसियों को भुगतान कर दिया गया है। उन्होंने यह भी पूछा कि लिट्टिपाड़ा और डिप्टी पाड़ा प्रखंडों में गंगा नदी से जलापूर्ति की कोई योजना लागू की जा रही है या नहीं। जवाब में मंत्री ने कहा कि गंगा नदी से प्रस्तावित जलापूर्ति योजनाओं की सूची वे संबंधित विधायक को उपलब्ध करा देंगे। मुर्मू ने आगे बताया कि इन दोनों प्रखंडों में 40 प्रतिशत से अधिक कार्य अधूरे पड़े हैं। इस पर मंत्री ने स्वीकार किया कि धन की कमी के कारण काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (लोजपा-आर) के विधायक जनार्दन पासवान ने आरोप लगाया कि चतरा जिले में नल-जल योजना के तहत कोई काम नहीं हुआ है और यहां सिर्फ लूट हुई है। उन्होंने मामले की जांच कराने की मांग की।

साहिबगंज अवैध पत्थर खनन मामले में भगवान भगत को झटका, हाईकोर्ट ने याचिका की खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के साहिबगंज के 1250 करोड़ रुपये के अवैध पत्थर खनन मामले में आरोपित भगवान भगत को झारखंड उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली है। ईडी कोर्ट द्वारा डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने और आरोप गठन को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को उच्च न्यायालय ने बुधवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति सुजीत कुमार प्रसाद की अदालत ने यह फैसला सुनाया। इस मामले में ईडी की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार दास और सौरव कुमार ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि भगवान भगत को प्रवर्तन निदेशालय ने 7 जुलाई 2023 को गिरफ्तार किया था और उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। वह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बरहेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। आरोप है कि यह लोग अवैध पत्थर खनन से जुटाई गई राशि पंकज मिश्रा तक पहुंचाते थे।

शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी आयुक्त अमित कुमार से एसीबी की चौथी बार पूछताछ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के चर्चित शराब घोटाला मामले की जांच कर रहा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) पूर्व उत्पाद आयुक्त एवं झारखंड स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के पूर्व प्रबंध निदेशक भारतीय प्रशासनिक सेवाा (आईएएस) के अधिकारी अमित कुमार से लगातार पूछताछ कर रहा है। एसीबी ने बुधवार को भी उन्हें चौथी बार पूछताछ के लिए तलब किया। अमित कुमार वर्तमान में वाणिज्यकर विभाग के आयुक्त पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले एसीबी ने मंगलवार को भी उनसे तीसरे दिन लगातार पूछताछ की थी, लेकिन जांच टीम उनके जवाबों से संतुष्ट नहीं हुई। इसी वजह से उन्हें आज

फिर बुलाया गया, जहां उनसे विस्तृत पूछताछ की जा रही है। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, एसीबी के जांच अधिकारी मुख्य रूप से मई 2022 में लागू नई उत्पाद नीति से जुड़े सवाल पूछ रहे हैं। जांच का मुख्य केंद्र छत्तीसगढ़ की ब्लैकलिस्टेड प्लेसमेंट एजेंसियों और शराब कारोबारियों को झारखंड में काम करने की अनुमति कैसे मिली? और शराब कारोबार में ऐसी कंपनियों को शामिल क्यों किया गया, जिन पर बाद में घोटाले के गंभीर आरोप लगे है। एसीबी का मानना है कि इन निर्णयों से राज्य को व्यापक वित्तीय नुकसान हुआ और घोटाले को बढ़ावा मिला। जांच टीम अभी तक अमित कुमार से इन प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं कर सकी है।

मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ संगठनों ने रांची में किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में झारखंड जन अधिकार महासभा, पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज, आदिवासी विमेंस नेटवर्क, AIPWA एवं अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा अल्बर्ट एक्का चौक में राज्य एवं केंद्रीय द्वारा मानव अधिकार के उल्लंघन के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। इसमें संगठन के सदस्यों के साथ आदिवासी समुदाय के लोग भी शामिल हुए। सभी ने राज्य और केंद्र सरकार पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आदिवासी क्षेत्रों में विस्थापन, जबरन खनन और जबरन कैंप निर्माण बढ़ गया है, जिससे लोगों में डर और असुरक्षा बढ़ रही है। उनका आरोप है कि कॉर्पोरेट कंपनियों के हित में आदिवासी जमीनों पर कब्जे का दबाव बनाया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कई लोगों ने सोनम वांगचुक और उमर खालिद की रिहाई की भी मांग की। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को नक्सली बताकर कार्रवाई करना गलत है और विचाराधीन आदिवासी कैदियों को रिहा किया जाना चाहिए। साथ ही UAPA जैसे दमनकारी कानूनों को खत्म करने की मांग भी उठाई गई। उनका कहना है कि आदिवासी समुदाय विकास चाहता है, लेकिन जबरन विस्थापन और मनमाने खनन प्रोजेक्टों को वह स्वीकार नहीं करेगा। कई गांवों के पास बिना सहमति के सुरक्षा कैंप बनाए जा रहे हैं, जिससे लोग डरे हुए हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि आदिवासी समुदाय की राय और पारंपरिक अधिकारों का सम्मान किया जाए और उनकी समस्याओं का समाधान निकाला जाए।

रांची एयरपोर्ट पर इंडिगो की तीन उड़ानें रद, यात्रियों को नहीं होगी कोई दिक्कत : एयरपोर्ट प्रशासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की तीन उड़ानें संचालन कारणों से रद्द कर दी गई हैं। इन उड़ानों में 6ए 5071/2294 (दिल्ली-रांची-दिल्ली), 6ई 186/191 (हैदराबाद-रांची-हैदराबाद) और 6ई 5339/6031 (दिल्ली-रांची-दिल्ली) शामिल हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, इंडिगो प्रबंधन और सी आई एस एफ की संयुक्त टीम यात्रियों की सहायता में लगी हुई है। यात्रियों को उड़ान की स्थिति, रिफंड और अन्य मदद लगातार दी जा रही है। एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि 8 और 9 दिसंबर को इंडिगो की ऑन-टाइम परफॉर्मेंस 66.7% रही और बाकी सभी उड़ानों का संचालन सामान्य है। रद्द उड़ानों का पूरा रिफंड यात्रियों को दिया जा रहा है। अन्य एयरलाइंस पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है और उनकी उड़ानें पहले की तरह चल रही हैं। यात्रियों से अपील है कि एयरपोर्ट आने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति चेक कर लें। किसी भी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 0651-2250282 पर संपर्क कर सकते हैं।

शराब घोटाला : बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर टेंडर में अनियमितता और घोटाले का लगाया आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में शराब घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शराब कारोबार में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी को छिपाने का प्रयास कर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बुधवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मरांडी ने लिखा कि मुख्यमंत्री एक बार फिर किसी सरकारी अधिकारी की बलि देकर स्वयं को बचाने की योजना

बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले में लगातार बढ़ते आंकड़े गंभीर सवाल खड़े करते हैं। पहले 38 करोड़, फिर 70 करोड़ और अब 136 करोड़ रुपये के नुकसान का खुलासा हुआ है। मरांडी ने दावा किया कि घोटाले में बचने के लिए मुख्यमंत्री ने बड़ी सावधानी बरती, लेकिन अवैध कमाई की जल्दबाजी में एक बड़ी गलती हो गई। उनके अनुसार, अखबारों में टेंडर प्रकाशित होने से पहले ही एक निर्धारित कंपनी को शराब आपूर्ति का काम सौंप दिया गया। नियमों के अनुसार, किसी भी कंपनी को आपूर्ति कार्य शुरू करने से पहले झारखंड स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट करना आवश्यक है, लेकिन बिना किसी समझौते (एग्रीमेंट) के ही उस कंपनी को कार्य आवंटित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि एसीबी जांच में यह तथ्य सामने आया है कि संबंधित कंपनी की वजह से सरकार को 136 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मरांडी ने कहा कि बिना एग्रीमेंट और टेंडर के काम देने का निर्णय किसके कहने पर हुआ, यह बताने की जरूरत नहीं है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि राज्य में इतने बड़े घोटालेबाज सिर्फ एक ही व्यक्ति हैं, जो कहते हैं कि करोड़ों कमाने के लिए जेल भी जाना पड़े तो क्या हर्ज है। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि जितना और जहां हो सके, लूट लो, यही इस सरकार का मंत्र बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि चाहे एसीबी असली गुनाहगारों तक पहुंचे या नहीं, लेकिन केंद्र की एजेंसियां इस मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करेंगी।

संक्षिप्त खबरें

एसबीयू ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2025 में जीता ग्रैंड फिनाले

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्टता साबित करते हुए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 के ग्रैंड फिनाले में शानदार जीत हासिल की। एसबीयू ने लगातार 2024 और 2025 में इस सॉफ्टवेयर संस्करण प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर राष्ट्रीय पहचान बनाई। विश्वविद्यालय के अधिकारियों और राज्यसभा सांसद ने छात्रों को बधाई दी। आंध्र प्रदेश के गुंटूर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एसबीयू की विजेता टीम ने बेहतरीन नवाचार और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। इस वर्ष विश्वविद्यालय की तीन टीमें कुल 18 छात्र फाइनल राउंड के लिए चयनित हुई थीं, जिन्हें गुंटूर, कोल्हापुर और कानपुर में आयोजित अंतिम चरण के लिए भेजा गया। एसपीओसी डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि विजेता टीम में हर्ष कुमार, अंजली केशरी, हर्ष केशरी, अविनाश कुमार, रूपेश और प्रांशु रंजन शामिल थे। जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि एसबीयू ने लगातार दो वर्षों 2024 और 2025 में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (सॉफ्टवेयर संस्करण) में जीत हासिल कर संस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। यह प्रतियोगिता वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए नवाचार आधारित तकनीकी मॉडल विकसित करने पर केंद्रित होती है, जो विद्यार्थियों में रचनात्मकता, टीमवर्क और व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करती है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन और राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

थैलेसीमिया पीड़ितों ने विधायक प्रदीप यादव का जताया आभार

रांची: थैलेसिमिया पीड़ित परिवार के लोगों ने विधायक प्रदीप यादव जी के सरकारी आवास, राँची में जाकर विधायक जी का कल दिनांक-09.12.2025 को शीतकालीन सत्र में ध्यानाकर्षण प्रश्न जोरदार एवं प्रभावी ढंग से उठाने के लिए आभार व्यक्त करने पर बधाई। परिजनों ने मो० नदीम खान, लहू बोलेगा स्वैच्छिक रक्त संगठन के संगठन कर्त्ता की अगुवाई में भेंट किया। 1. फारहा, आजाद बस्ती, राँची। 2. सीमा देवी, लालपुर, राँची। 3. बिमला कच्छप, चुटिया, राँची। 4. ललीता कुमारी, हजारीबाग। 5. देवकी देवी, पंडरा, राँची। 6. लीला देवी, चुटिया, राँची। 7. तरन्नुम परवीन, इरबा, राँची। 8. माजिदा खातुन, कांके, राँची। 9. अजित कुमार मिश्रा, विद्यानगर, हरमू, राँची। 10. संजय महतो, कांटाटोली, राँची। 11. मो० हसीब अंसारी, कांके, राँची। साथ ही निम्न लिखित पीडित बच्चों ने भी माननीय के प्रति अभार व्यक्त किया- 1. सोनम कुमारी, बी०ए० अध्ययनरत 21 वर्ष। 2. प्रगति प्रकाश, लालपुर, राँची 13 वर्ष। 3. राते हसन, आजाद बस्ती 8 वर्ष। साथ ही आज विश्व मानवधिकार दिवस के उपलक्ष्य में टीम ने माननीय को झारखंड मानवधिकार योद्धा सम्मान से स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) देकर सम्मानित किया और भविष्य में अधिक प्रभावी ढंग से समस्याओं के समाधान हेतु अपना सहयोग देने की मांग की।

मानवाधिकार दिवस पर जोहार रांची ने की गोष्ठी

रांची: विश्व मानवाधिकार दिवस पर जोहार रांची ने सत्य भारती सभागार में गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि झारखंड में आदिवासी समुदाय के सामुदायिक मानवाधिकारों का बड़े पैमाने पर हनन जारी है। जोहार रांची के कन्वीनर रतन तिर्की ने बताया कि संगठन झारखंडियों के संवैधानिक अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्षरत है। उन्होंने कहा कि जोहार चाईबासा और जोहार रांची ने विधिक जागरुकता अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रभाकर तिर्की ने कहा कि पेसा कानून, वनाधिकार कानून और पांचवीं अनुसूची का प्रभावी लागू न होना, आदिवासी समाज के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। मौके पर जोहार के सदस्य प्रभाकर तिर्की, विनीत मुंडू, अंतोनी केजे, जोय बाखला, अकई झरिया मिंज, प्रीति तिर्की, अधिवक्ता सिलंवती कुजूर, अधिवक्ता मुक्ता मरांडी, प्रेम मार्डी, पंकज कुजूर और सेंट जेवियर्स कॉलेज के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

मतदाता सूची मैपिंग 65 प्रतिशत पूरी, CEO ने शहरी मतदाताओं से सहयोग की अपील की

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि झारखंड में वर्तमान मतदाता सूची का विगत एसआईआर सूची से 65 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूरा हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रक्रिया 70 प्रतिशत से अधिक पूरी हो गई है। उन्होंने शहरी मतदाताओं से अपील की कि वे अपने नाम की खोज और सत्यापन में सक्रिय सहयोग दें। सीईओ ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ट्यूटोरियल वीडियो जारी किया गया है, जिसकी मदद से लोग भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट या संबंधित राज्य के सीईओ पोर्टल पर जाकर विगत एसआईआर सूची में अपना नाम खोज सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं को मैपिंग में कठिनाई हो रही है या जो अन्य राज्यों से आए हैं, वे voters.eci.gov.in अथवा अपने राज्य के सीईओ वेबसाइट का उपयोग कर विवरण ढूंढ सकते हैं। झारखंड के मतदाता ceo.jharkhand.gov.in पर जाकर अपनी और परिजनों की जानकारी खोज सकते हैं। सीईओ ने यह भी बताया कि जिनका नाम नहीं मिल पा रहा है, वे 1950 हेल्पलाइन पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पैतृक मैपिंग से एसआईआर के दौरान कम दस्तावेज देने पड़ेंगे और प्रक्रिया आसान होगी।

एक नजर

विधायक ने खनिज विकास निगम के कर्मियों का मामला विधानसभा में रखा

कोडरमा : कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने विधानसभा में जेएसएमडीसी में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त हुए कर्मियों के नियमितीकरण का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लि में कार्यरत सभी दैनिक वेतन भोगी कर्मियों का झारखंड उच्च न्यायालय रांची के याचिका डब्ल्यूपी 549/2019 में पारित न्यायादेश एवं ज्ञापांक 988 में तथा कार्यालय आदेश ज्ञापांक 913 के द्वारा कोडरमा में कार्यरत कर्मियों को समिति गठित कर नियमतिकरण करने का निर्देश दिया गया था। निगम के सभी दैनिक वेतनभोगी कर्मियों को नियमतिकरण का लाभ दिया गया, साथ ही कोडरमा के 2 दैनिक वेतनभोगी कर्मियों का वर्ष 2009 से नियमतिकरण कर निगम का लाभ दिया गया। परन्तु शेष 6 कर्मियों को न्यायालय के आदेश के बाद भी आज तक नियमतिकरण का लाभ नहीं दिया गय। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि क्या सरकार शेष 6 कर्मियों, जिनमें मूरत राम, सुखदेव यादव, रामेश्वर पंडित, बालेश्वर शर्मा, लालदेव राम और दिलीप कुमार सोनी शामिल हैं, उन्हें नियमतिकरण का लाभ देने का विचार रखती है। इसके साथ ही विधायक डॉ नीरा यादव ने जेटेट की परीक्षा नहीं होने के मामले को रखते हुए सरकार से जेटेट की परीक्षा जल्द कराने की भी मांग की।

पत्रकार दिनेश पांडे की पत्नी के निधन पर परिषदन में शोकसभा, सैकड़ों पत्रकार हुए शामिल

बोकारो : बोकारो परिषदन में आज स्थानीय पत्रकारों ने एक शोकसभा आयोजित कर वरिष्ठ पत्रकार दिनेश पांडे की पत्नी स्वर्गीय रीना पांडे को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिले भर से जुटे पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नम आंखों से विदाई दी। शोकसभा में उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि रीना पांडे एक सरल, मिलनसार और संस्कारी व्यक्तित्व वाली महिला थीं, जिनका जाना पत्रकार समुदाय के लिए भी गहरी क्षति है। इस दु:ख की घड़ी में सभी ने पांडे परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की और ईश्वर से उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की कामना की। इस मौके पर अमरनाथ पोद्दार, चूमन कुमार, मनीष सिंह, अरविन्द सिंह,संजीव कुमार, मृत्युंजय मिश्रा, अजीत कुमार, रजत नाथ,सुरेंद्र कुमार,अमर कुमार,सहित सैकड़ों पत्रकार मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर अनूप कुमार का महत्वपूर्ण संदेश

बोकारो : राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के प्रदेश उपाध्यक्ष व समाजसेवी अनूप कुमार साव ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर आयोजित विशेष बैठक में मानवाधिकार संरक्षण को लेकर गंभीर संदेश दिया। बेरमो प्रखंड के जरीडीह बाजार निवासी अनूप कुमार, जो एमबीए के बाद मुंबई में दस वर्षों तक कॉरपोरेट क्षेत्र में काम कर चुके हैं, वर्तमान में विधि विशेषज्ञ के रूप में सक्रिय हैं। वे आरटीआई एक्टिविस्ट और भ्रष्टाचार विरोधी व्हिसल ब्लोअर के रूप में अपनी विशेष पहचान रखते हैं।

मांझी बाबा के बिना किसी भी संथाल गांव की परिकल्पना हो ही नहीं सकती : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राज्य सरकार के संकल्प संख्या 4654 दिनांक 22.11.2018 के आलोक में बोकारो जिले के मानकी, मुंडा, ग्राम प्रधान, डाकुवा आदि के लिए जिला द्वारा पूर्व में अंचल अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर पांरपरिक स्वशासन व्यवस्था से संबंधित प्रतिवेदन के अनुसार सम्मान राशि विषयक प्रतिवेदन शून्य प्रतिवेदित किया जाता रहा है। उपायुक्त के द्वारा आज विशेष रूप से की गई समीक्षा बैठक में यह बताया गया कि जिले में संथाल आदिवासियों के लगभग 125 गांव में संथाल जन जाति के लोग निवास करते हैं। इन प्रत्येक गांव में पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत है और प्रत्येक पंचायत में एक मुखिया है। साथ ही, उपायुक्त ने कहा कि संथाल पारंपरिक गांव में एक मांझी बाबा होते हैं, जो गांव के सामाजिक - सांस्कृतिक जीवन धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन को बढ़ावा देते हैं अथवा संरक्षण करते हैं। मांझी बाबा के नेतृत्व में प्रत्येक गांव में एक जोग मांझी भी होते हैं, जो घर - घर जाकर किसी भी प्रकार की सामाजिक - सांस्कृतिक जीवन - धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन की सूचना देते हैं। प्रत्येक गांव में एक नायके भी हुआ करते हैं, जो पूजा पाठ धार्मिक कृतियों का निष्पादन करते हैं। गांव में एक भगलोन होते हैं, जो प्रवक्ता के रूप में सामाजिक -सांस्कृतिक जीवन धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन से संबंधित निर्णयों से सभी को अवगत कराते है। उपायुक्त अजय नाथ झा ने बताया कि मांझी बाबा के बिना किसी भी संथाल गांव की परिकल्पना हो ही नहीं सकती है। उपायुक्त के द्वारा यह भी बताया गया कि जिले के ललपनिया के विभिन्न संथाल गांव में फेनीराम सोरेन, मंझला मुर्मू, सुंदर लाल मरांडी, मटुक कुमार हांसदा, बाबुचंद मांझी आदि लोग मांझी बाबा के रूप में कार्य कर रहे हैं। बैठक में उपायुक्त ने कल्याण विभाग के वरीय प्रभारी पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी आदि को निर्देश दिया कि जिले के संथाल गांव का सर्वे कराकर संबंधित गांव के मांझी बाबा, जोग मांझी, भगलोन, गुड़ैत आदि को चिन्हित कर प्रतिवेदन जिला को समर्पित करें। साथ ही, अपर समाहर्ता को यह भी निर्देश दिया कि सर्वे प्रतिवेदन प्राप्त करने के उपरांत जो पूर्व में शून्य प्रतिवेदन भेजा गया था, उसे संशोधित कर यथाशीघ्र राज्य सरकार को भेजना सुनिश्चित करें।

बीएसएल में नई श्रम संहिताओं पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्टील प्लांट के यातायात विभाग में नई श्रम संहिताओं के संबंध में जागरूकता हेतु एक विशेष कार्यक्रम काआयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी भरत प्रसाद ने श्रमिकोंके साथ संवाद स्थापित किया तथा नई श्रम संहिताओं से जुड़े प्रमुख प्रावधानों, कल्याणकारी लाभों और सामाजिक सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी साझा की. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार ह्यांकी, महाप्रबंधक राजेश कुमार, वरीय प्रबंधक ओम प्रकाश, वरीय प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार, कनीय प्रबंधक कपूर रंजन सहित विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में संविदा कर्मी उपस्थित थे। श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रसाद ने बताया कि नई श्रम संहिताएं सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की गारंटी सुनिश्चित करती हैं तथा समय पर और पारदर्शी वेतन भुगतान की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाती हैं. इसके अतिरिक्त, वेतन सुरक्षा, निर्धारित कार्य घंटे, वार्षिक अवकाश, एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों को भी इन संहिताओं में मजबूत किया गया है। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, कार्यस्थल पर आधुनिक सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुरक्षा समितियों के गठन और ईएसआईसी कवरेज के विस्तार का प्रावधान भी सुनिश्चित किया गया है।

तेजी से बढ़ रही है महिलाओं के साथ डिजिटल हिंसा : थाना प्रभारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कसमार : बुधवार को सहयोगिनी संस्था द्वारा महिलाओं और किशोरियों के लिए डिजिटल हिंसा से सुरक्षा के उपायों पर कसमार स्थित पीएम प्लस टू उच्च विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार, जिप सदस्य अमरदीप महाराज, प्राचार्य फारुख अंसारी, सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर मुख्य रूप से मौजूद थे। 16 दिवसीय महिला हिंसा के खिलाफ जारी जागरूकता अभियान के तहत इब्तिदा झारखंड तथा क्रिया के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार कहा कि महिलाओं पर हिंसा की ने समस्या पुरानी है, लेकिन अब डिजिटल हिंसा तेजी से बढ़ रही है। महिलाओं व लड़कियों के साथ शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और यौनिक हिंसा के साथ-साथ अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी हिंसा भयावह रूप ले रही है। यह हिंसा व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, फोन कॉल सहित कई सोशल मीडिया माध्यमों से की जाती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल हिंसा को ही आम तौर पर साइबर क्राइम कहा जाता है। किसी भी प्रकार की साइबर हिंसा का शिकार होने पर तुरंत साइबर थाना में शिकायत दर्ज करनी चाहिए। यदि थाने तक पहुंचने में देरी हो, तो 1930 हेल्पलाइन पर कॉल कर तत्काल शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

सतगावां प्रखंड में नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू एवं राज्य पिछड़ा आयोग अध्यक्ष का आगमन

सुदीप्त कुमार सोनू नगर विकास व आवास मंत्री झारखंड

प्रो. जानकी प्रसाद यादव राज्य पिछड़ा आयोग अध्यक्ष झारखंड

वीरेंद्र पांडेय अध्यक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति कोडरमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड सरकार के नगर विकास व आवास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू एवं झारखंड सरकार के पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव का आगमन सतगावां प्रखंड के ब्लॉक मैदान अर्धनिर्मित स्टेडियम ग्राउंड में दिनांक 14/12/2025 को समय 12:30 बजे पर दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन सोरेन स्मृति क्रिकेट टूनार्मेंट खेल फाइनल मैच को शुभारंभ माननीय लोगों के कर कमलों द्वारा शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर सभी केंद्रीय समिति सदस्य गण, पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य गण ,तमाम जिला पदाधिकारी गण, पूर्व जिला पदाधिकारी गण, युवा मोर्चा छात्र मोर्चा, महिला मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, व्यवसाय मोर्चा, क्रीडा मोर्चा इत्यादि सभी विंग के पदाधिकारी गण सभी प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष/सचिव एवं तमाम पदाधिकारी गण उपरोक्त कार्यक्रम को देखते हुए स समय कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे तथा इस कार्यक्रम को लेकर अपने-अपने स्तर से भी पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को सूचित करना सुनिश्चित करेंगे। यह जानकारी सचिन झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति पवन माइकल कुजूर ने दी।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर नाटक प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : स्थानीय मॉडर्न पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर छात्रों को मौलिक अधिकारों के संपूर्ण जानकारी देते हुए उनके बीच अंतर अंतर सदन नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे प्रत्येक सदन के छात्रों ने मनुष्य को जन्म से लेकर जीवन के अंतिम चरणों तक के संपूर्ण अधिकारों की जानकारी छात्रों ने अपने नाटक के माध्यम से दी। छात्रों ने अपने अभिनय कला के माध्यम से समानता ,शिक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार को दशार्या। चारों सदनों की प्रस्तुति सराहनीय थी। लेकिन भाभा सदन के छात्रों ने अपनी अभिनय कला से इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही द्वितीय स्थान पर रमन सदन के छात्र रहे और तृतीय स्थान में न्यूटन और आइंस्टीन सदन के छात्र रहे। भाभा सदन से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के नाम क्रमशः हैं:- भाग्यश्री राज, राजश्री यादव, शानवी कुमारी, आरुषि कुमारी , पर्व जैन , किमसी , अंजली यादव, अवध्या नित्य कुमारी, रितिका गुप्ता और मासूम राज सिंह। वहीं रमन सदन के द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के नाम हैं - तनुश्री, आदया चौधरी, आकर्षि कापसीमे, काव्य कुमारी, सारांश अग्रवाल, रोशन कुमार, शिवम राणा और श्रव्य शाहा। मौके पर छात्रों को मानवाधिकार के महत्व बताते हुए विद्यालय प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने कहा कि मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार है, जिनसे जाति, धर्म, लिंग, शिक्षा आदि के आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता। मानवाधिकार दिवस मनाने का मकसद लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

डीएवी कोडरमा में मानवाधिकार दिवस पर बच्चों को कानूनी रूप से साक्षर बनाने की प्रेरक पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : बुधवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया, कोडरमा में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक एवं व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के सक्रिय लीगल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति सजग एवं जागरूक बनाना था। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी, कोडरमा के सचिव गौतम कुमार तथा लीगल एवं डिफेंस काउंसिल, कोडरमा के नवल किशोर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय आगमन पर दोनों अतिथियों का वैदिक परंपरा के अनुरूप तिलक, स्वागत गीत एवं पुष्पाभिवादन के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों, विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह, सुपरवाइजरी हेड मौसुमी मल्लिक एवं वरिष्ठ शिक्षक कुमार सतीश सिंह द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य महोदय ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। अपने ज्ञानवर्धक एवं प्रेरक उद्बोधन में मुख्य अतिथियों ने छात्रों को मानवाधिकारों के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों का निर्वहन भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अधिकारों का प्रयोग सदैव न्याय, मयार्दा और उत्तरदायित्व के साथ होना चाहिए तथा किसी भी परिस्थिति में उनका दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। विद्यालय का लीगल लिटरेसी क्लब समय-समय पर बुजुर्गों के अधिकार, बाल विवाह उन्मूलन, सड़क सुरक्षा, मौलिक अधिकार-कर्तव्य एवं मानवाधिकार जैसे समसामयिक विषयों पर निरंतर सार्थक गतिविधियाँ आयोजित करता रहा है। इसी क्रम में छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय एवं प्रभावशाली रहे। छात्रा निशा, उत्कर्ष एवं उनके समूह द्वारा प्रस्तुत प्रभावशाली लघु नाटक ने मानवाधिकारों के महत्व को सजीव ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से "नारी अबला नहीं, सबला है" तथा नारी शिक्षा के सामाजिक महत्व का सशक्त संदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त, छात्रा माशिया मीर ने मानवाधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर अंग्रेजी में प्रभावशाली भाषण देकर सभी को अत्यंत प्रभावित किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी जागरूकता का परिचय दिया।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

डोमचांच/ कोडरमा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वाधान में दिन बुधवार को जिले के डोमचांच प्रखंड के शिवसागर स्थित उप डाकघर परिसर में प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा बालकृष्ण तिवारी के कुशल मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा गौतम कुमार के देखरेख में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए पीएलवी डोमचांच प्रखंड सुब्रत कुमार मुखर्जी ने कहा कि संविधान के द्वारा सभी लोगों को अपने मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। लेकिन जानकारी के अभाव में वे अपने अधिकार से वंचित रहते हैं। इसलिए बहुत जरूरी है कि अपने अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक होना। समय-समय पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित। इस तरह के जागरूकता के कार्यक्रम में लोगों को भाग लेने की आवश्यकता है ताकि वे अपने संवैधानिक अधिकार को जान सके। मौके पर मौके पर संदीप कुमार घोष, सत्यव्रत मेहता, बबलू कुमार गुप्ता, सोना दास, गौतम मुखर्जी, सीता देवी, इत्यादि मौजूद रहे।

बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन में स्वागत सह विदाई समारोह का हुआ आयोजन

डोमचांच/ कोडरमा : बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बुधवार को महाविद्यालय के आइक्यूएसी के तत्वावधान में स्वागत सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रमेश प्रसाद यादव बीएड कॉलेज की प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार मौजूद रही। मौके पर मुख्य रूप से महाविद्यालय के सचिव हिमांशु कुमार, प्राचार्य भूपेंद्र ठाकुर, महाविद्यालय संरक्षक अभियंता प्रेमांशु कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित व द्वीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में बीएड सत्र 2025-27 के प्रशिक्षुओं का स्वागत सत्र 2024-26 के प्रशिक्षुओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमो की प्रस्तुति से आगंतुकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि, किसी भी संस्थान में विदाई का पल एक भावुक पल होता है, लेकिन यह विदाई बच्चों के उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का एक कदम भी होता है। हमारी कामना है कि, यहां से जो भी बच्चे निकले वो उच्च पद पर आसीन हों और महाविद्यालय का नाम रौशन करे। साथ ही उन्होंने नवप्राशिक्षुओं को शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के मेहनत करने की बात कही। महाविद्यालय के सचिव हिमांशु कुमार ने कहा कि, आप सभी शिक्षक बनने की राह में चल पड़े हैं। ये एक ऐसी राह है जो अन्य सभी राहों से श्रेष्ठ है। एक शिक्षक समाज को संजाने और संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें स्वार्थ नाम की कोई चीज नहीं होती। उन्होंने प्रशिक्षुओं को कहा कि, आप ईमानदारी से पढ़ें और मेहनत करें आपको नौकरी पाने से कोई नहीं रोक सकता। वहीं प्राचार्य भूपेंद्र ठाकुर ने कहा कि, आज का यह दिन विदाई और स्वागत दोनों का है। विदाई में किसी को भी दुख होता है, लेकिन एक खुशी भी है कि, अब वो नई दिशा में आगे बढ़ेंगे। वहीं बीएड सत्र 2023-25 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अर्पित कुमार व राधा सिंह, द्वितीय रेहाना खातून, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली रेशमी कुमारी को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित किया गया। वहीं अन्य सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को मैडल के साथ सम्मानित किया गया।

बोकारो इस्पात नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में प्रदर्शन की योजना

बोकारो : बोकारो इस्पात नगर सेवा भवन के सामने आगामी 22 दिसंबर को बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया जाएगा। यह निर्णय बुधवार को सेक्टर चार के सिटी सेंटर इलाके में झुग्गी-झोंपड़ी वासी तथा फुटपाथ दुकानदार महासंघ की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष संजय रजक ने की। बैठक में बताया गया कि सेल प्रबंधन के संपदा न्यायालय द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत लगभग 250 दुकानों एवं झुग्गियों को तोड़ दिया गया है, जिससे दर्जनों परिवारों का रोजगार छिन गया है और वे बेसहारा हो गए हैं ।महासंघ के संरक्षक कुमार राकेश ने कहा कि जिला प्रशासन और सेल प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वे इन विस्थापित दुकानदारों और झुग्गीवासियों का पुनर्वास सुनिश्चित करें। उन्होंने आंदोलन को बाहरी-दाखिल रंग देने की कोशिशों की निंदा की और चेतावनी दी कि प्रभावित केवल सेक्टर चार नहीं, बल्कि सेक्टर नौ, आठ और ग्यारह के नागरिक भी हैं, इसलिए सभी को मिलकर विरोध-प्रदर्शन में भाग लेना चाहिए ।महासंघ के सचिव राजकुमार पासवान ने कहा कि देश के अन्य क्षेत्रों तथा सेल के अन्य शहरों की तरह बोकारो में भी अतिक्रमितों का व्यवस्थित पुनर्वास एवं मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना आवश्यक है। उन्होंने कानूनन उजाड़े गए लोगों के पुनर्वास का भी आह्वान किया ।बैठक में महासंघ के अन्य पदाधिकारी, जिसमें सह सचिव आजाद कुमार, कोषाध्यक्ष शंभु पासवान, उपाध्यक्ष गोविंद जायसवाल, अशोक कुमार, बिनोद सत्यार्थी, छोटेलाल, रामजी प्रसाद, सुमन सिंह मिट्ठू, अंसित सिंह, राजू, सुधीर कुमार, सुनील कुमार समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : बुधवार को समाहरणालय सभा कक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त सुश्री रीना हांसदा, जिला शिक्षा पदाधिकारी कैलाश मिश्रा, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी , संकुल संसाधन व्यक्ति, प्रखंड संसाधन व्यक्ति सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, विद्यार्थियों की कक्षा उपस्थिति में वृद्धि, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति, तथा शिक्षकों की नियमित उपस्थिति एवं समयबद्ध अध्यापन कार्य पर विशेष बल दिया

गया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में स्वास्थ्य जाँच शिविर का कार्य रोस्टरवार पूर्ण किया जाए तथा छूटे हुए शत-प्रतिशत बच्चों का आधार नामांकन शीघ्र सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति लगातार कम दर्ज की जा रही है, वहाँ जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों एवं ग्रामीणों को जागरूक किया जाए तथा उन्हें शिक्षा से संबंधित लाभ एवं विद्यालयों में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी जाए। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा जिन शिक्षकों द्वारा बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं की जा रही है, उनके विरुद्ध वेतन कटौती की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी इएड, इफ्ढ एवं उफ्ढ अपने-अपने नामित विद्यालयों का नियमित भ्रमण करें, शिक्षण की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति की समीक्षा करें तथा विद्यार्थियों की नियमित काउंसलिंग कर अध्ययन के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने का प्रयास करें। उपायुक्त ने UDISE Entry कार्य में तेजी लाने एवं जिले के सभी बच्चों का आधार कार्ड शीघ्र निर्गत कराने पर बल दिया। साथ ही, स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर सभी विद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण हेतु रोस्टर तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति, आवासीय विद्यालयों में नामांकन की स्थिति, तथा समग्र शिक्षा/सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में उपलब्ध संरचनात्मक सुविधाओं, निर्माण एवं मरम्मति कार्य, खेल-कूद गतिविधियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जिले के सभी विद्यालयों में छूटी हुई किशोरियों को सवित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से जोड़ने हेतु आवेदन प्राप्त कर शीघ्र विभाग को प्रेषित किया जाए, ताकि पात्र किशोरियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। उपायुक्त द्वारा विशेष निर्देश उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि–"सभी इएएड बेसिक एडमिनिस्ट्रेटिव कार्यों में नेतृत्वकारी भूमिका सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर अनावश्यक कारणों से शैक्षणिक कार्य एवं गतिविधियों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित सभी पदाधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता एवं बच्चों तक योजनाओं का समय पर लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एक नजर

दो मोटरसाइकिलों की टक्कर एक की मौके, एक घायल

सरिया: बुधवार की देर शाम लगभग 7 बजे सरिया थाना क्षेत्र के कुसमर्जा गांव में दो मोटरसाइकिलों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कुसमर्जा गांव निवासी राजेंद्र साव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति हादसे के तुरंत बाद भागकर पास के स्थानीय मदरसे में घुस गया, जिससे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया। ग्रामीणों और परिजनों में आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही सरिया पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुटी हुई है। पुलिस ने एक जले हुए मोटरसाइकिल तथा मृतक के मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी तक हादसे के सटीक कारणों की जानकारी नहीं मिल पाई है। यह हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही का नतीजा माना जा रहा है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

सरिया में 14 करोड़ का नगर भवनः शिलान्यास के 21 महीने बाद भी निर्माण कछुए की गति से

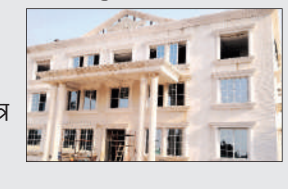

सरिया : सरिया प्रखंड के बलीडीह मोहल्ले में बन रहे नगर भवन का शिलान्यास 4 मार्च 2024 को हुआ था। इस तीन मंजिला भवन को मात्र 2 साल यानी मार्च 2026 तक पूरा कर नगर पंचायत को सौंपने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन अब दिसंबर 2025 तक कार्य की प्रगति बेहद धीमी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, निर्माण कार्य अभी तक 60% से भी कम ही पूरा हो पाया है। इस भवन की अनुमानित लागत लगभग 12 करोड़ रुपये है। इसमें कॉन्फ्रेंस हॉल, 9 कमरे, रेस्टोरेंट, जिम, पार्किंग और 1000 लोगों की बैठने की क्षमता वाली सुविधाएं होंगी। यह भवन मीटिंग, शादी–विवाह और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उपयोगी होगा। लेकिन शिलान्यास के बाद से ही काम की गति कछुए जैसी रही है। ठेकेदारों की लापरवाही, सामग्री की कमी और अन्य कारणों से देरी हो रही है। स्थानीय निवासी नाराज हैं और कहते हैं कि इतने बड़े प्रोजेक्ट में इतनी देरी विकास के नाम पर धोखा है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार जनवरी 2025 में भवन का निर्माण अंतिम चरण में था और मार्च 2025 तक पूरा हो सकता था।

राँची समाहरणालय, राँची।
(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)
www.dlaoranchi.in dlaoranchi@gmail.com, dlaoranchi@rediffmail.com
आदेश

बन्ता–राहे–बुण्डू पथ निर्माण कार्य परियोजना अन्तर्गत मौजावार अधिग्रहित भूमि का भू–अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 के धारा–12 के तहत भूमि का सर्वेक्षण हेतु कार्यालय आदेश ज्ञापांक–3027(ii) दिनांक–21.11.2025 द्वारा मौजावार तिथि निर्धारित कर कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। किन्तु अपरिहार्य कारणवश मौजा–बन्ताहजाम में परियोजना अन्तर्गत अधिग्रहित भूमि का धारा–12 के तहत् सर्वेक्षण कार्य नही हो सका।

अतः कार्यालय आदेश ज्ञापांक–3027(ii) दिनांक–21.11.2025 को यथावत रखते हुए निम्नविवरणी अनुसार मौजा–बन्ताहजाम में परियोजना अन्तर्गत अधिग्रहित भूमि का धारा–12 के तहत् सर्वेक्षण कार्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाती है।

क्र०सं०	मौजा	अंचल	कर्मियों का नाम / पदनाम	तिथि
01	बन्ताहजाम	सिल्ली	1.श्री ओम प्रकाश अमीन, जिला भू–अर्जन कार्यालय,राँची 2.श्री जमील अख्तर , अमीन, जिला भू–अर्जन कार्यालय,राँची 3. श्री गणेश महतो अमीन, अंचल कार्यालय, सिल्ली राँची।	12.12.2025

उपरोक्त प्रतिनियुक्त कर्मियों को निर्देश दिया जाता है कि पथ निर्माण कार्य हेतु मौजा–बन्ताहजाम में अधिग्रहित भूमि का अधिनियम की धारा–12 के तहत् सर्वेक्षण नापी एवं हितबद्ध रैयतो का चिन्हितीकरण करते हुए प्रतिवेदन कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
राँची।

PR 368228 Land Reforms(25-26)D

टीआरसीएससी प्रशिक्षण केंद्र, घोरानेगी में पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : आत्मा सरायकेला के सौजन्य से टीआरसीएससी प्रशिक्षण केंद्र घोरानेगी में फसल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत युवाओं के कौशल विकास के उद्देश्य से पांच दिवसीय प्रशिक्षण की शुरूआत बुधवार को की गई। यह कार्यक्रम 10 से 14 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्घाटन अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मौके पर आत्मा सरायकेला के उप परियोजना निदेशक विजय सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण ग्रामीण युवाओं को फसल संरक्षण के क्षेत्र में दक्ष बनाकर उन्हें सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में फसलों के सामान्य रोगों, कीटों एवं खरपतवारों की पहचान, एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक, कीटनाशकों का सुरक्षित उपयोग और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में सरायकेला जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 20 प्रतिभागी शामिल हुए हैं। पहले दिन की प्रशिक्षण गतिविधियों में फसल सुरक्षा से संबंधित आधारभूत जानकारी एवं आधुनिक तकनीकों का परिचय दिया गया। मौके पर आत्मा सरायकेला के उप परियोजना निदेशक विजय सिंह, जिला परामर्शी डी. एन. सिंह, बीटीएम चांडिल अमिताभ मांझी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पंकज सेठ, केवीके सरायकेला के मधु महतो एवं डॉ. सुरेश प्रसाद साहू उपस्थित रहे।

किसानों के बीच दो दिवसीय शिविर में मिट्टी जांच ओर खाद उपयोग की दी जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : कृषि विभाग के आत्मा ओर इफको जमशेदपुर के सौजन्य से राष्ट्रीय खाद सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत इफको जमशेदपुर के सुशील कुमार के द्वारा पटमदा प्रखंड के गोपालपुर ग्राम में रबी फसलों के दलहन, तेलहन एवं सब्जी वर्गीय फसलों एवं धान में नैनो उर्वरकों, जैविक उर्वरकों एवं जल विलय उर्वरकों के उपयोग संबंधित किसान सभा का आयोजन किया गया। जिसमें इफको जमशेदपुर के कनीय प्रक्षेत्र प्रतिनिधि सुशील कुमार, आत्मा के बीटीएम सालगे सोरेन, एटीएम जितेंद्र नाथ रुहिदास, कृषक मित्र मुरारी मोहन पाल ,ग्राम प्रधान संदीप मिश्रा, सागर मिश्रा, विश्वनाथ माझी, विश्वजीत कुंभकार के अलावा 50 किसानों ने भाग लिया।किसानों के संबोधित करते हुए सुशील कुमार ने कहा कि पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से दिन प्रतिदिन मृदा में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यूरिया के उपयोग से झारखंड की मिट्टी जो पहले से अम्लीय है। उसके पीएच और कम होते जा रहा है। जो विभिन्न फसलों के लिए हरिकारक है। उन्होंने यूरिया के जगह फसलों में कैल्शियम नाइट्रेट एवं नैनो उर्वरकों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को यूरिया एवं डीएपी की कमियों को बताते हुए कहा कि यूरिया की उपयोग दक्षता मात्र 30-35 प्रतिशत होती है एवं बाकी का भाग मिट्टी , जल एवं हवा को प्रदूषित करता है। जो पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है, इसी प्रकार डीएपी की भी उपयोग दक्षता मात्र 15-20% होती है । नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी की उपयोग दक्षता के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरकों की उपयोग दक्षता 85-90% तक होती है एवं ये पौधों को लंबे अवधि तक दिनों तक पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं जिससे उपज की गुणवत्ता अच्छी होती है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
विशेष कार्य प्रमण्डल भवन निर्माण विभाग, राँची
Mail:-splworksdivbcdrnc@gmail.com

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–35 / 2025–26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम :–कार्यपालक अभियंता, विशेष कार्य प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :–दिनांक–23.12.2025 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :–दिनांक–24.12.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–दिनांक–24.12.2025 को अपराह्न 3.30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–(क) धीक्षण अभियंता का कार्यालय, छोटानागपुर भवन अंचल संख्या–1, भवन निर्माण विभाग, राँची।
(ख) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग राँची।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
7. निविदाधीन कार्य का विवरण :–

क्र. सं	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0)	अग्रधन की राशि (रू0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of First Floor (For Women's Trainee) and Surface Drain of New Fish Processing Building for Fisheries Training at Salimar, Dhurwa, Ranchi.	39,18,100/-	78,500/-	5000/-	6 Months

8. निविदा की शर्ते **prdjharkhand.in** एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता
विशेष कार्य प्रमण्डल, भ0 नि0 वि0 राँची

PR 368176 (Building)25-26*D

अनगड़ा अंचल कार्यालय में एक भूखंड पर आपत्ति दर्ज होने के वाजुद दाखिल खारिज किया गया

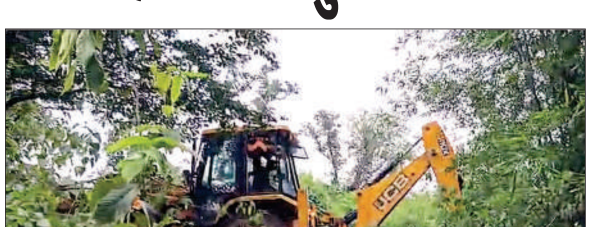

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : अंचल क्षेत्र के डूमरगढ़ी मौजा में अवैध ढंग से बेची गई एक भूखंड के नामांतरण पर रोक लगाने हेतु आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद अंचल कार्यालय द्वारा उक्त भूखंड का दाखिल खारिज स्वीकृत कर दिए जाने के खिलाफ रैयतों में काफी रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि डूमरगढ़ी मौजा स्थित खाता सं 15, प्लॉट सं 868 व 955 खतियानी जमीन है। खतियान में शीतल लोहार पिता सोहराई लोहार दर्ज है। जमीन सम्मिलात है तथा अभी तक इसका आपसी बंटवारा भी नहीं हुआ है। आरोप है कि कथित लोगों द्वारा फजीर्वाड़ा कर उक्त खाता प्लॉट की 1.11 एकड़ जमीन को गलत वंशावली और कागजी बंटवारा प्रस्तुत कर अवैध ढंग से रजिस्ट्री कर दिया। अवैध ढंग से उक्त खाता प्लॉट की जमीन के खरीद फरोख्त की खबर मिलने के बाद रैयतों ने गत 17 नवंबर को अंचल कार्यालय में दाखिल खारिज पर रोक लगाने हेतु आवेदन किया था। परन्तु अंचल कार्यालय ने इसे इसे नजर अंदाज कर दिया तथा विगत 6 दिसंबर को उक्त भूखंड का म्यूटेशन स्वीकृत कर लिया गया। सिर्फ करेक्शन स्लिप निर्गत नहीं हुआ है। रैयतों ने यह भी आरोप लगाया है कि दाखिल खारिज में काफी मोटी रकम का लेन देने हुआ है। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि लोहार खतियान की जमीन के दाखिल खारिज में प्रति डिसमिल 5 हजार रुपए रेट फिक्स है। कुल मिलाकर जोड़ें तो उक्त भूखंड के नामांतरण के एवज में क्रेता द्वारा 5.50 लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

20 दिसंबर को कुलटांड मंदिर में मिलन समारोह का होगा आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के पंचमुखी हनुमान मंदिर कुलटांड प्रांगण में शरत सिंह सरदार की अध्यक्षता में एक बैठक संपन्न हुआ। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 20 दिसंबर को बनवासी कल्याण केंद्र जमशेदपुर के द्वारा एक मिलन सह सम्मान समारोह रखा गया है। जिसमें क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधि,ग्राम प्रधान सहित कई गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया जाएगा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा शिरकत करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से शरत सिंह सरदार,ग्राम प्रधान चंदन सिंह, गिरजा प्रसाद मिश्र,कृष्ण पद सिंह, नरेश महतो, सुधीर लाल, निर्मल सिंह,पंचानन दास, रखोहरि सिंह,रामनाथ सिंह ,दल गोविंद सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, राँची।
अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–52 / 2025–26
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय :– 18.12.2025 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय :– 19.12..2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 19.12.2025 को अपराह्न 3.30 बजे ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा,राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7. निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थानः– :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8. कार्यो की विवरणी :–

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Seepage repair & renovation of Doctor's Toilet, Sister Toilet, Staff toilet and General Toilet (Right & Left Side) with Improvement of W/S, S/I, sewerage work and other allied wroks at A2 Block, 1st Floor, Medicine Department RIMS Bariyatu, Ranchi under D.W.&S. Division Gonda Ranchi.	2342705.00	47000.00	5000.00	02 Months
2.	Seepage repair & renovation of Staff, Sister Dr. Chamber toilet & General Toilet and Bath room (Right Side) & Improvement of W/S and sanitary fittings & sewerage work C -1 Block at Ground floor SKIN & Sexology Department RIMS Bariyatu, Ranchi under D.W.&S. Division Gonda Ranchi.	1959350.00	40000.00	5000.00	30 Days
3.	Seepage repair & renovation of General toilet and bath room (Left Side) & Improvement of W/S and sanitary fittings & sewerage C-2 Block at 3rd floor Department of ENT RIMS Bariyatu, Ranchi under D.W.&S. Division Gonda Ranchi.	1847299.00	37000.00	5000.00	30 Days

नियम एवं शर्ते सूचनापट् पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।

PR 368184 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

टाटा कमांड एरिया में लीज रजिस्ट्री बंद होने पर सरकार के अस्वीकारात्मक जवाब पर विधायकू ने जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा कमांड एरिया की लीज वाली जमीनों की रजिस्ट्री पिछले आठ वर्षों से बंद होने का मुद्दा बुधवार को विधानसभा में गर्मा गया। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में सरकार ने रजिस्ट्री बंद होने तथा इससे जनता को हो रही परेशानी और राजस्व हानि से संबंधित दोनों बिंदुओं पर अस्वीकारात्मक जवाब दिया। साथ ही यह भी कहा कि रजिस्ट्री शुरू करने को लेकर सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार के इस जवाब ने नई बहस छेड़ दी है। क्योंकि स्थानीय लोगों और जमीन हस्तांतरण से जुड़े दस्तावेजों के जानकारों के अनुसार टाटा कमांड एरिया में रजिस्ट्री पिछले करीब आठ साल से बंद है, जिसके कारण हजारों लाभुक गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं और राज्य सरकार को भी अब तक करीब 600 करोड़ रुपये के राजस्व के नुकसान का अनुमान है। सदन में सरकार के जवाब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि सरकार ने जवाब से विधानसभा को गुमराह किया है। सरकार का अस्वीकारात्मक जवाब जनहित के मुद्दों को कमजोर करने और वास्तविकता को छिपाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जनता की समस्याओं और राजस्व हानि जैसे गंभीर विषयों पर सरकार स्पष्ट और तथ्यपूर्ण उत्तर देने से बच रही है। हर कोई जानता है कि टाटा कमांड एरिया में वर्षों से रजिस्ट्री बंद है। इसके बावजूद सरकार द्वारा इसपर अस्वीकारात्मक जवाब देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि आखिर किन परिस्थितियों में रजिस्ट्री को बंद किया गया और यह किनके इशारे पर हुआ। जब वर्षों तक रजिस्ट्री की प्रक्रिया चलती रही और सरकार को लगातार राजस्व मिलता रहा, तो अचानक इसे क्यों रोक दिया गया। उन्होंने सरकार से यह भी मांग की कि रजिस्ट्री बंद होने से पहले तक जिन वर्षों में राजस्व प्राप्त हुआ, उसका पूरा विवरण सदन को उपलब्ध कराया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। कहा कि रजिस्ट्री बंद होने से हजारों लोगों के जमीन संबंधी कार्य लंबित पड़े हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक और कानूनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार तुरंत तकनीकी बाधाओं को दूर कर रजिस्ट्री प्रक्रिया बहाल करे जिससे जनता को राहत मिले और राज्य के राजस्व को भी मजबूती मिल सके।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।

अति अल्पकालिन निविदा सूचना – 56 / 2025–26

1) विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, रॉची पूर्व रॉची ।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय : 17.12.2025 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :18.12.2025 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 18.12.2025 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान : 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Special repair of damaged drain system and construction or repairing of inspection chamber, cleaning of sewer line, replacement of chamber slab at different high court quarters and other High court quareters, Doranda, Ranchi Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	11,25,716.00	22600.00	2500.00	30 Days
2.	Replacement of old and damaged sanitary fittings, & Water harvesting pipe at JHALSA (Near A.G. Office) Doranda under D.W and S.Div Ranchi East Ranchi	9,24,033.00	18500.00	1250.00	15 Days
3.	Seepage repair and Renovation , improvement of water supply and sewarage work with changing of fittings at Quarter no. B-48, Block -8, near seth sitaram, Doranda and Other High court quarters Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	6,53,170.00	13100.00	1250.00	15 Days
4.	Repairing of damaged drain system and construction or repairing of inspection chamber, cleaning of sewer line at 30 set quarters near Rajendra chowk, Doranda and other High court quareters, Doranda, Ranchi Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	9,93,342.00	19900 .00	1250.00	15 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची।

PR 368208 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D)

एसआईआर के सहारे मोदी सरकार की छवि धूमिल करने की साजिश

संसद के दोनों सदनों में चुनाव प्रक्रिया में सुधार, एसआईआर और इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर चर्चा चल रही है। सभी दलों के नेता पक्ष-विपक्ष में अपने विचार रख रहे हैं। इसी के साथ चुनावों के दौरान मतदान प्रणाली को लेकर लगातार उठ रहे विवादों में पिछले कुछ समय से चुनाव आयोग भी विपक्षी दलों के निशाने पर है। विपक्ष की पार्टियां बार-बार यह सवाल कर रही हैं कि आखिर क्यों जनता लगातार भारतीय जनता पार्टी को चुन रही है, जबकि कांग्रेस और महागठबंधन जैसी पार्टियां हर बार चुनाव में हार रही हैं। इन दलों का आरोप है कि चुनाव आयोग चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता नहीं बरत रहा और ईवीएम में गड़बड़ी हो रही है। राहुल गांधी इस मामले में सबसे मुखर आवाज बने हुए हैं, जो ईवीएम के खिलाफ कई बार अपनी आपत्ति जता चुके हैं। विपक्ष का मानना है कि सभी चुनावों में वोटिंग मशीन के जरिए वोटिंग की बजाय फिर से बैलेट पेपर से चुनाव करवाए जाएं। उनका तर्क है कि ईवीएम में विश्वास नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे गड़बड़ी संभव है। इसके साथ ही वे बताते हैं कि ईवीएम के विवादों को लेकर चुनाव आयोग और सरकार पर सवाल उठाना उनकी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। विपक्ष की ओर से यह भी आवाज उठ रही है कि चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों का अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि हर वोट की गिनती सटीक और निष्पक्ष रूप से हो। दूसरी ओर सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग का इस मामले पर मजबूत रुख है। उनका कहना है कि बैलेट पेपर के जमाने में चुनावों में बहुत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और हिंसा होती थी। उस वक्त दबंग अपने इलाकों में जबरन बैलेट पेपर डालकर चुनाव परिणामों को प्रभावित करते थे। मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने से रोका जाता था, धमकियां दी जाती थीं और कई बार मारपीट भी होती थी। बैलेट पेपर के डिब्बों में स्याही या पानी डालकर मतदाता का अधिकार छीना जाता था। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र की पराकाष्ठा को खतरा था और जनता की मंशा का सही प्रतिनिधित्व नहीं हो पाता था। इन्हीं कारणों से चुनाव आयोग ने बहुत सोच-विचार के बाद ईवीएम अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को अपनाया। इसके आने के बाद चुनाव प्रक्रिया अधिक सुरक्षित, त्वरित और पारदर्शी हुई है। चुनाव आयोग बार-बार यह स्पष्ट कर चुका है कि ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित और विश्वसनीय हैं। संवैधानिक दिशा-निदेर्शों के तहत ईवीएम की जांच, परीक्षण और रख-रखाव नियमित रूप से किया जाता है और यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से होती है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए यदि कोई पार्टियां भी चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज करातीं, तो उसे गंभीरता से लिया जाता और जांच का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट ने भी अनेक मामलों में ईवीएम की वैधता और सुरक्षित होने की पुष्टि की है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी को ईवीएम से संबंधित कोई शिकायत हो, तो उसका समाधान ईवीएम वीवीपैट (वोटर वेरीफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल) के जरिए जांचा जा सकता है। वीवीपैट सिस्टम मतदाता को यह सुनिश्चित करने का अधिकार देता है कि उनका वोट मशीन में सही तरीके से दर्ज हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि चुनाव प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

हालांकि, विपक्ष के नेताओं ने इस मुद्दे को चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की बजाय प्रचार-प्रसार और सार्वजनिक मंचों पर ही वोट चोरी का आरोप लगाना जारी रखा है। राहुल गांधी के अलावा कई अन्य विपक्षी दलों के नेता भी ईवीएम की आलोचना करते हुए कहते हैं कि यह तकनीक शक्तिशाली दलों का पक्ष लेती है। वे दावा करते हैं कि चुनाव आयोग और सरकार मिलकर ईवीएम के माध्यम से सत्तासीन पार्टी का समर्थन बढ़ा रही है। हालांकि, इस मामले में ठोस सबूत या अदालत में जांच के लिए कोई ठोस कदम विपक्षी दलों ने नहीं उठाए हैं।

सूडोकु नवताल- 7640

✱ ✫ ✫ ✫ ✫ सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7639 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

बच्चों के भविष्य की रोशनी जगाता यूनिसेफ

योगेश कुमार गोयल

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। उस समय इसे 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड' के नाम से जाना जाता था। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से 'अंतरराष्ट्रीय' तथा 'आपातकालीन' (इमरजेंसी) शब्दों को हटा दिया गया। 1953 में यूनिसेफ के संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन जाने के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड' (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) कर दिया गया लेकिन मूल संक्षिप्त नाम 'यूनिसेफ' को बरकरार रखा गया। यूनिसेफ के गठन में पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉश्मन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है, जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है।

अपनी स्थापना के बाद के इन 79 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है।

नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए यूनिसेफ आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध, आपदा, घोर गरीबी, हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है। 1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब हमारे यहां यह नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्य कर रही है।

बाल विकास और पोषाहार, बाल संरक्षण, शिक्षा, बाल पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चे और एड्स, सामाजिक नीति, नियोजन, निगरानी एवं मूल्यांकन, हिमायत और भागीदारी, आचरण परिवर्तन संदेश, आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग के अलावा यूनिसेफ द्वारा दुनियाभर में मौजूद अनेक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ मिलकर बच्चों को पानी, स्वच्छता, इंफेक्शंस आदि के लिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं।

यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह संस्था 49 से भी अधिक देशों में एचआईवी/एड्स से बचाव की लड़ाई में निरन्तर कार्यरत है।

यूनिसेफ का 36 सदस्यों का कार्यकारी दल इसके कार्यों की देखरेख करता है, इसकी नीतियां बनाता है तथा यूनिसेफ के वित्तीय एवं प्रशासनिक योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान करता है। यूनिसेफ का अधिकांश कार्यक्षेत्र 190 देशों अथवा क्षेत्रों में मौजूद है। 150 से अधिक देशों के कार्यालय, मुख्यालय और यूनिसेफ के नेटवर्क से जुड़े अन्य कार्यालय तथा 34 राष्ट्रीय समितियां मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से यूनिसेफ के मिशन को पूरा करते हैं। सात क्षेत्रीय कार्यालय आवश्यकतानुसार सभी देशों में स्थित कार्यालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में यूनिसेफ फंड एकत्रित करने के लिए विश्वस्तरीय एथलीट और टीमों की सहायता लेता है। इस संस्था का वित्त पोषण विभिन्न सरकारों तथा निजी दानदाताओं द्वारा किया जाता है। संस्था के संसाधनों का दो-तिहाई योगदान विभिन्न देशों की सरकारें करती हैं और शेष योगदान निजी समूहों तथा व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय समितियों के माध्यम से किया जाता है। यूनिसेफ के लक्ष्यों की एक लंबी सूची है, जिसमें न्यूनतम-लागत हस्तक्षेप के माध्यम से लाखों बच्चों के जीवन को बचाने, बच्चों के अवैध व्यापार और शोषण को रोकने तथा मां-बच्चे के बीच एचआईवी/एड्स के संक्रमण को समाप्त करने में सहायता करना शामिल हैं।

अनुमान लगाया जाता रहा है कि यूनिसेफ के राजस्व का करीब 92 फीसदी हिस्सा सेवा कार्यक्रमों के लिए वितरित कर दिया जाता है। वर्तमान में यूनिसेफ द्वारा बच्चों का विकास, बुनियादी शिक्षा, लड़कियों की शिक्षा सहित लिंग के आधार पर समानता, बच्चों का हिंसा से बचाव, शोषण, बाल-श्रम के विरोध में, एचआईवी/एड्स, बच्चों के अधिकारों के वैधानिक संघर्ष इत्यादि के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। यूनिसेफ इस बात में विश्वास रखता है कि बच्चों का पोषण और देखभाल करना मानव प्रगति की आधारशिला है और उसका मानना है कि अगर दुनिया में फैली असमानता को मिटाया नहीं गया तो वर्ष 2030 तक लगभग 167 मिलियन बच्चे भीषण गरीबी में जीवन जीने को मजबूर होंगे। दरअसल माना जा रहा है कि 2030 तक पांच वर्ष से कम आयु के करीब 19 मिलियन बच्चों की विभिन्न कारणों से मौत हो जाएगी और करीब 60 मिलियन बच्चे प्राथमिक शिक्षा से वंचित हो जाएंगे।

रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध ने इन चुनौतियों को और बढ़ाया है। ऐसे में बच्चों के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत यूनिसेफ से उम्मीदें काफी बढ़ जाती हैं, जिसकी नीति है कि कोई अन्य विकल्प नहीं होने पर ही अनाथालयों को केवल बच्चों के लिए अस्थायी आवास के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरअसल, यूनिसेफ बच्चों के लिए स्थायी अनाथालयों के बड़े पैमाने पर निर्माण का विरोध करता रहा है। उसका कहना है कि जहां तक संभव हो, परिवारों और समुदायों में ही बच्चों के लिए स्थान खोजने अर्थात उन्हें गोद देने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यूनिसेफ अनाथ बच्चों को विदेशी माता-पिता को गोद देने के बजाय स्वदेश में ही बच्चों की देखभाल करने पर जोर देता रहा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हिंदू विकास दर : भारत के साथ अमेरिका और यूरोप के आर्थिक विकास में भी अहम योगदान

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

आजादी के बाद से नेहरूवादी नीति ने भारत को आर्थिक विकास के लिए हिंदू दृष्टिकोण के बजाय समाजवादी विकास मॉडल अपनाने पर मजबूर किया था। इस रणनीति के अनुसार, निजी उद्यमशीलता कठोर लाइसेंस राज के अधीन थी, जिसने केवल लालफीताशाही और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र को अर्थव्यवस्था में एक बड़ी भूमिका निभानी थी। इस कम्युनिस्ट, केंद्रीय रूप से नियोजित आर्थिक मॉडल द्वारा निजी निवेश की भूमिका सीमित कर दी गई। अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में इस प्रतिमान ने वर्षों तक सपाट या खराब जीडीपी विकास दरें पैदा कीं और भारत को गरीबी से बाहर निकालने में विफल रहा। दशकों की कम विकास दरों की भारी विफलता के बारे में पूछे जाने पर कहानी- या बल्कि स्पष्टीकरण- देश के हिंदुओं को बदनाम करने और दोष देने का था।

"हिंदू विकास दर" शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले साल 1978 में दिवंगत अर्थशास्त्री राजकृष्ण ने भारत की धीमी आर्थिक वृद्धि को दशार्ने के लिए किया था, जो साल 1960 और 1980 के दशक के दौरान औसतन लगभग 4% थी। इसका मतलब यह दिखाना था कि आजाद भारत की समाजवादी नीतियों के शुरूआती दशकों के दौरान देश की हिंदू आबादी धीमी प्रगति से कैसे जूझ रही थी। आज के समय में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित है और अपनी पुरानी शान हासिल करने के लिए तैयार है। अर्थशास्त्री इस कुख्यात और भ्रामक कहावत का इस्तेमाल करना जारी रखे हुए हैं और अर्थशास्त्र के छात्रों को इसे पूरे देश में सीखना पड़ता है। यह चतुर शब्द एक मार्क्सवादी अर्थशास्त्री द्वारा जानबूझकर हिंदू समाज को आर्थिक गतिविधि के मामले में ऐतिहासिक रूप से अविकसित के रूप में वर्गीकृत करने के प्रयास में गढ़ा गया था।

चूंकि नरेन्द्र मोदी प्रशासन के तहत भारत उपनिवेशवाद से मुक्ति की ओर बढ़ रहा है इसलिए इस कलंकित करने वाले शब्द को खत्म करने की जरूरत है। नेहरूवादी आर्थिक नीति के परिणामस्वरूप भारत की अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से बढ़ी। अक्सर जनसंख्या वृद्धि दर से कम। नतीजतन, पश्चिमी देशों ने हमारी विकास गति का मजाक उड़ाया, जो हिंदू जनसंख्या वृद्धि दर से तेज नहीं थी। "हिंदू" विशेषण हमारे हिंदू समुदाय को पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित मुक्त बाजार के बजाय समाजवादी अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए बदनाम करने के लिए जोड़ा गया था।

पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व के अंत से लेकर भारत में ब्रिटिश शासन की शुरूआत तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक था। 300 ईसा पूर्व तक भारतीय उपमहाद्वीप का अधिकांश भाग मौर्य साम्राज्य द्वारा एकजुट हो गया था, जिससे व्यापार और वाणिज्य में सुधार हुआ, कृषि उत्पादन बेहतर हुआ और सुरक्षा बढ़ी। 1 से 1000 ईस्वी के बीच भारत का वैश्विक जीडीपी में 30% हिस्सा था। अंग्रेजों के आने के बाद भारत में औद्योगीकरण में गिरावट आई और कई शिल्प और अन्य उद्योग खत्म हो गए। वैश्विक औद्योगिक उत्पादन 1750 में 25% से गिरकर 1900 में 2% हो गया और विश्व अर्थव्यवस्था में इसका अनुपात 1700 में 24.4% से गिरकर 1947 में 3% हो गया। ब्रिटेन द्वारा भारत के शोषण से ही उसके 200 साल के विकास के लिए धन मिला।

इसे समझने के लिए मात्रात्मक मैक्रोइकोनॉमिक इतिहास में विशेषज्ञता वाले एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री "एंगस मैडिसन" के काम का उल्लेख करना महत्वपूर्ण है। उनका सबसे प्रसिद्ध अध्ययन, "द वर्ल्ड इकोनॉमी-ए मिलेनियल पर्सपेक्टिव," जिसे OECD संगठन द्वारा जारी किया गया था, उसने पश्चिम को तब चौंका दिया जब इसमें प्राचीन और आधुनिक वैश्विक इतिहास दोनों में भारत के आर्थिक प्रभुत्व का पता चला। एंगस मैडिसन के शोध के अनुसार, भारत का जीडीपी दुनिया के कुल जीडीपी का लगभग 30% था। तुलनात्मक कीमतों और विनिमय दरों में संभावित बदलावों को ध्यान में रखने के लिए अनुमानों में क्रय शक्ति समता दृष्टिकोण का उपयोग किया गया था। पश्चिमी यूरोप, जिसमें पूर्व रोमन क्षेत्र का अधिकांश भाग शामिल है, उसका बाजार में लगभग 11% हिस्सा था।

यह अविश्वसनीय लगता है, खासकर यह देखते हुए कि सदियों के आक्रमणों और विदेशी कब्जे को रोकने के लिए भारतीय पीढ़ियों द्वारा किए गए संघर्षों के कारण हम अपने देश की अर्थव्यवस्था के बारे में कितना कम जानते हैं। फिर भी, अगर हम समय और प्राचीनता में बड़ी दूरी के कारण अनुमानों को नजरअंदाज करें तो यह वास्तव में एक अद्भुत काम है। एंगस मेडिसन के लेखों में भारतीय व्यापारियों के प्रभुत्व पर भी चर्चा की गई है, जो पूरे मध्य पूर्व और पूर्वी एशिया में काम करते थे, साथ ही भारत के साथ अपने देश के चालू खाते के असंतुलन (घाटे) के बारे में रोमन अधिकारियों की शिकायतों पर भी।

इसका श्रेय हिंदू अर्थशास्त्र या जिसे कुछ लोग "तीसरा रास्ता" कहते हैं, उसको दिया जा सकता है। पहले का श्रेय डॉ. एम.जी. बोकारे को दिया जाता है, जबकि बाद वाला दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा बनाया गया था। बोकारे का दावा है कि पवित्र वेद, जो बाजार, आपूर्ति, मांग और अन्य आर्थिक अवधारणाओं पर चर्चा करते हैं, हिंदू अर्थशास्त्र में समाहित हैं।

संक्षेप में, पारंपरिक पूंजीवाद या मार्क्सवाद के पश्चिमी प्रतिमान को इस तीसरे रास्ते से खारिज कर दिया जाता है। यह किसी भी कीनेसियन विचारों या एडम स्मिथ के दृष्टिकोण का पालन नहीं करता है। इस स्थिति का दिलचस्प पहलू यह है कि बोकारे और ठेंगड़ी वैचारिक रूप से एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत थे। फिर भी, दोनों का मानना था कि लोकतंत्र और हिंदू आर्थिक प्रणाली सामंजस्य में हैं। बोकारे ने तो इस बारे में भी लिखा है कि पश्चिमी अर्थशास्त्रियों के शुरूआती संपर्क ने भारतीयों को कैसे प्रभावित किया है। मार्क्सवादी या कीनेसियन अर्थशास्त्र की तरह हिंदू अर्थशास्त्र को भी कई लोग अर्थशास्त्र के एक अलग स्कूल के रूप में देखते हैं।

विकास के पश्चिमी मॉडल की कमियों को कई पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने स्वीकार किया है। सोवियत संघ के पतन और अमेरिका और यूरोप की बिगड़ती स्थिति ने दिखाया है कि पूंजीवाद और मार्क्सवाद के विकास मॉडल अपर्याप्त हैं। कई लोगों का मानना है कि पश्चिम आर्थिक और अन्य दोनों तरह से शक्ति संतुलन खो रहा है। हिंदू सोच पर आधारित शासन के पिछले 11 वर्षों में अपने कई उत्कृष्ट उपायों के कारण भारत इस मामले में आगे है। आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत घरेलू सुधारों और ग्लोबल पोजीशनिंग की वजह से हिंदू विचारधारा वाली सरकार के तहत साल 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई।

विकसित भारत का मूल मंत्र बनेगा 'वंदे मातरम'

मृत्युंजय दीक्षित

जिससे स्वतंत्रता का मूल मंत्र, 'वंदे मातरम' उद्भासित हुआ, जिसे गाते हुए हजारों की संख्या क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर झूल गए, जीवन जेलों की क्रूर यातनाओं में काट दिया, जिस गीत ने माँ भारती के प्रति प्रेम और समर्पण को परिभाषित किया, जिस गीत ने स्वाधीनता की अलख संपूर्ण भारत में जगा दी वह गीत है राष्ट्रगीत- वंदे मतारम। भारत विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में बंग-भंग के अंग्रेजी षड्यंत्र को पहचान कर सम्पूर्ण राष्ट्र बंगाल विभाजन के विरुद्ध खड़ा हो गया। इस आंदोलन के दो हथियार थे- स्वदेशी का स्वीकार-विदेशी का बहिष्कार और रणघोष बना था वंदे मातरम। इस गीत के रचनाकार थे बंगाल में जन्मे महान सपूत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय। आज वंदे मातरम अपनी रचना का 150 वां वर्ष मना रहा है।

इस अवसर पर वंदे मातरम गीत के माध्यम से एक बार पुनः राष्ट्र में 'स्व' की भावना की अलख जगाने का आह्वान प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में अनेकानेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हें। इसी श्रृंखला में संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम पर व्यापक चर्चा हुई। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने चर्चा की शुरूआत की। सत्ता पक्ष के वक्ताओं ने जहां वंदे मातरम गीत के इतिहास और उसकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए वंदेमातरम के प्रति कांग्रेस व वामपंथी दलों की विचारधारा और सोच को बेनकाब किया। विपक्ष ने इसके पीछे बंगाल चुनावों को ध्यान में रखते हुए की गई चर्चा बताया। कुछ विपक्षी सांसदों ने कहा कि वंदे मातरम पर बहस गैरजरूरी और मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए की जा रही है। इतने गंभीर व ऐतिहासिक विषय की बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सदन से गायब रहे। संसद में वंदे मातरम पर हुई व्यापक चर्चा सिर्फ एक गीत पर विमर्श नहीं वरन भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को दोबारा केंद्र में लाने का प्रयास भी है।

चर्चा का आरम्भ करते हुए लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी और उसके बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तथा राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने वंदे मातरम के प्रति कांग्रेस व उनके नेताओं की सोच को बेनकाब कर दिया। सरकार ने वंदे मातरम गीत की प्रेरणा से संकल्प लेकर वर्ष साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के साथ राष्ट्रगीत को जीवंत बनाने का संकल्प लिया। वंदे मातरम गीत की महानता पर बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जो वंदे मातरम साल 1905 में महात्मा गांधी को राष्ट्रगान के रूप मे दिखता था, देश के हर कोने में हर व्यक्ति के जीवन में जो भी देश के लिए जीता जागता था, उन सबके लिए वंदे मातरम की ताकत बहुत बड़ी थी। वंदे मातरम इतना महान था, उसकी भावना इतनी महान थी तो फिर पिछली सदी में इसके साथ इतना बड़ा अन्याय क्यों हुआ? वंदे मातरम के साथ विश्वासघात क्यों हुआ? वह कौन-सी ताकत थी जो महात्मा गांधी की भावनाओं पर भी भारी पड़ गई? किसने वंदे मातरम जैसी पवित्र भावना को भी विवादों में घसीट दिया। सदन को बताया गया कि जब वंदे मातरम को 50 वर्ष हुए तब देश गुलामी में जीने को मजबूर था और जब वंदे मातरम के 100 वर्ष पूर्ण हुए तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जिस वंदे मातरम ने देश को आजादी की नई ऊर्जा दी थी जब उसके 100 वर्ष हुए तो दुर्भाग्य से एक काला इतिहास हमारे कालखंड में उजागर हो गया।'

प्रधानमंत्री ने बताया कि वंदे मातरम के प्रति मुस्लिम लीग के विरोध की राजनीति तेज होती जा रही थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्तूबर 1937 को वंदे मातरम के विरुद्ध नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा तो उन्होंने मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को तगड़ा जवाब देने के बजाय वंदे मातरम की ही पड़ताल शुरू कर दी और कहा कि कांग्रेस कार्यकारिणी में वंदे मातरम की उपयोगिता पर चर्चा होगी। इससे पूरा देश हतप्रभ रह गया। देशभक्तों ने कांग्रेस के उस प्रस्ताव के खिलाफ देश के कोने - कोने में प्रभात फेरियां निकाली और वंदे मातरम गीत गाया किन्तु देशभक्तों को अनसुना करते हुए 26 अक्टूबर 1937 को कोलकाता अधिवेशन में कांग्रेस ने वंदे मातरम पर समझौता कर लिया।'

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान जैसा सम्मान मिलने की बात कही। राजनाथ सिंह ने यह धारणा तोड़ने का प्रयास किया कि वंदे मातरम किसी सांप्रदायिक विचार का परिचायक है। उन्होंने कहा कि कुछ कट्टरपंथियों ने जानबूझकर इसे धर्म के चश्मे से देखने की कोशिश की जबकि यह गीत भारत माता के प्रति समर्पण और स्वतंत्रता की पुकार का प्रतीक है। राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के साल 1937 के अधिवेशन में वंदे मातरम के अंतिम चार छंदों का गायन रोके जाने के प्रस्ताव पर बात की और पंडित नेहरू की भूमिका पर प्रश्न उठाए। गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि संसद में जब भी वंदेमातरम का गायन होता है तब कई विपक्षी सदस्य सदन से बाहर चले जाते हैं। वंदे मातरम पर चर्चा की आवश्यकता पर उत्तर देते हुए अमित शाह ने कहा कि वंदे मातरम पर चर्चा की आवश्यकता जब वंदे मातरम रचा गया था तब भी थी, आजादी के समय मे भी थी, आज भी है और साल 2047 में जब आधुनिक भारत होगा तब भी रहेगी क्योकि वंदे मातरम में कर्तव्य और राष्ट्रभक्ति की भावना है।' गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिस पार्टी के अधिवेशन की शुरूआत गुरुवर रवींद्रनाथ टैगोर वंदे मातरम गाकर कराते थे।

दैनिक पंचांग

11 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

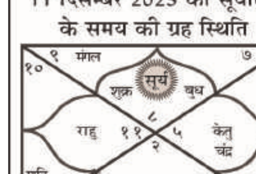

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.57 बजे से
चंद्र	सिंह में	मकर	09.02 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.49 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.22 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.52 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.32 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.30 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.44 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.00 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कन्या	00.12 बजे से
		तुला	02.23 बजे से
		वृश्चिक	04.37 ब.से

गुरुवार 2025 वर्ष का 345 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.58 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 03.56 बजे रात्र को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 11.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.58 बजे तदनन्तर बालव 02.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 00' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872555 **जूलियन दिन** 2461020.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 19 **विशेष** कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

अवैध ईंट भट्ठे के संचालन पर डीसी ने लगाई रोक

रामगढ़ : डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने जिले के सभी अवैध ईंट भट्ठे के संचालन पर रोक लगा दी है। जिले में ईंट भट्ठों का अवैध कारोबार बड़े पैमाने पर होता है। हर बार पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन की मिलीभगत की बात उठती रही है। लेकिन इस बार डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने बकायदा चिट्ठी जारी कर अवैध कारोबार पर रोक लगाने का आदेश दिया है। डीसी ने जिले के एसपी, डीएफओ, डीएमओ, रामगढ़ एसडीपीओ, पतरातु एसडीपीओ, डीएसपी हेडक्वार्टर, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी और सभी ओपी प्रभारी को निर्देश जारी किया है। डीसी ने कहा कि अवैध रूप से संचालित ईंट भद्ठों पर रोक लगाना जरूरी है। जिले में अवैध रूप से संचालित सभी ईंट भट्ठों पर कड़ाई से प्रतिबंध लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिना वैध अनुमति, लाईसेंस और कागजात के क्षेत्र में कोई भी ईंट भट्ठा का संचालन नहीं जाएगा।

क्रशर में फायरिंग मामले की एसपी ने की जांच

खूंटी : जिले के पुलिस कप्तान मनीष टोप्पो ने बुधवार को डोडमा जाकर बाबा आमरेश्वर माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड में हुई फायरिंग के मामले की जांच की। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मंगलवार की रात लगभग होने 10.45 बजे एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधकर्मियों ने क्रशर के पास दो गोलियां चलाई थी। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखे बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक लेवी को लेकर किसी तरह का पर्चा नहीं मिला है। इसलिए स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि फायरिंग के पीछे अपराधियों की मंशा क्या थी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मौके पर तोरपा के पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रम सहित अन्य मौजूद थे।

मिलावटी शराब बरामद, तीन लोग गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र में चाईबासा पुलिस ने मिलावटी अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में मिलावटी शराब और बीयर जब्त की है। सदर चाईबासा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सदर एएसपी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया था। टीम ने 9 दिसंबर को कुन्दरुगुटु गांव में छापेमारी कर एक किराना दुकान से बड़ी मात्रा में मिलावटी अंग्रेजी शराब बरामद की। मौके से दुकान संचालक कुन्दरा तांती को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान कुन्दरा तांती की निशानदेही पर पुलिस ने हाटगम्हरिया और टोंटो थाना क्षेत्रों में दो अन्य स्थानों पर भी छापेमारी की, जहां से यदुनाथ लागुरी और हरिश चंद्र लागुरी नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 111 बोतल 180 एमएल, 19 बोतल 375 एमएल, 14 बोतल 750 एमएल अंग्रेजी शराब के अलावा 27 बोतल बीयर और चार मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस ने कहा कि जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

लाखों की चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार
4.12 लाख नकद व जेवर बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : शहर के जेल रोड में रहने वाले मनोज कुमार साहू के घर से लाखों रुपये की चोरी करने वाला चोर को पु?लिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसपी अजय कुमार ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार चोर सनी करमाली उर्फ सनी लोहार ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस बड़ी घटना को अंजाम दिया था। उसकी निशानदेही पर 4.12 लाख रुपए नगद और लाखों रुपए के जेवर बरामद कर लिए गए हैं। एसपी ने बताया कि 7 दिसंबर को दिनदहाड़े सनी करमाली अपने साथियों के साथ मिलकर मनोज कुमार साहू के घर में घुसा था। वहां से उसने 12 लाख रुपए नगद और लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवर चुरा लिए थे।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी ने चोरों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी बनाई। एसआईटी ने तत्काल इस मामले में जांच शुरू की और चोरों की पहचान कर ली। सनी करमाली उर्फ सनी लोहार मूल रूप से बोकारो जिले का रहने वाला है। रामगढ़ में जेल रोड में ही वह रह रहा था। उसने मनोज कुमार साहू के घर को पहले से ही टारगेट कर रखा था। रविवार को जैसे ही मनोज कुमार साहू अपने बच्चों को ट्यूशन छोड़ने के लिए गए सनी उनके घर में अपने साथियों के साथ घुस गया। मनोज कुमार साहू के घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर ही रह कर सनी ने रेकी की थी। इसलिए उसे मनोज साहू के आने जाने में लगने वाले समय का पता था। एसपी ने बताया कि सनी ने चोरी के जेवरात और रुपए छुपाने के लिए बोकारो का ही ठिकाना चुना था। पुलिस ने जब छापेमारी की तो उसके पास से 4 लाख, 12 हजार 350 रुपए बरामद हुए। इसके अलावा चार पीस कनबाली, एक जोड़ी झुमका, एक मांगटीका, एक नथिया, दो पीस चांदी का लॉकेट, एक पीस चांदी का चैन, दो जोड़ी चांदी का बिछिया और एक मोबाइल बरामद हुआ। छापेमारी दल में रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय, सब इंस्पेक्टर सुमंत कुमार राय, अनिल कुमार, एएसआई मनोज कुमार सहित कई लोग शामिल थे।

लारी शुक्रिगरहा विकलांग स्कूल में कर्णधार संस्था ने किया कंबल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था, रामगढ़ द्वारा बुधवार को लारी शुकदिगढ़ विकलांग स्कूल में 30 दिव्यांग बच्चों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बढ़ती ठंड को देखते हुए बच्चों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से संस्था ने यह सराहनीय पहल की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयदीप सोनी ने की। संस्था के संस्थापक एवं सचिव विक्रांत गुप्ता ने बताया कि वे लंबे समय से इस विद्यालय से जुड़े हुए हैं और दिव्यांग विद्यार्थियों से उनका विशेष लगाव है। उन्होंने कहा, जब तक ईश्वर हमें योग्य बनाए रखेंगे, हम जनसेवा के कार्य निरंतर करते रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्या सागर जी, अध्यक्ष जयदीप सोनी, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, अनिल महतो, कंचन शर्मा, पवन कुमार, करमवीर राम, गौतम अग्रवाल सहित संस्था की टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी की उपस्थिति से कार्यक्रम गरिमा पूर्ण और प्रेरणादायक बना रहे।

अपर समाहर्ता ने की एसआइआर की समीक्षा, बीएलओ को दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : तोरपा प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआइआर) कार्य की प्रारंभिक गतिविधियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता सह निवार्ची पदाधिकारी तोरपा परमेश्वर मुंडा ने की। बैठक में तोरपा प्रखंड के सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और उनके सुपरवाइजर शामिल हुए। अपर समाहर्ता ने बीएलओ ऐप के माध्यम से वर्ष 2003 की मतदाता सूची की वर्तमान मतदाता सूची से पैरेंटल और पारिवारिक मैपिंग की प्रगति की बूथवार समीक्षा की। जिन बीएलओ का प्रदर्शन कमजोर पाया गया, उनसे फील्ड में आ रही समस्याओं की जानकारी ली गई और उनके निराकरण के उपाय बताए गए। बैठक के दौरान ऑनलाइन नाम खोजने की प्रक्रिया भी समझाई गई और बीएलओ को वहीं पर अभ्यास कर स्वयं सक्षम बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अपर समाहर्ता ने निर्देश दिया कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए। जिन व्यक्तियों का मैपिंग कार्य सभी प्रयासों के बाद भी संभव नहीं हो पाता, उनकी अलग सूची तैयार करने को कहा गया, ताकि उचित सुनवाई कर उनका नाम जोड़ा जा सके। अपर समाहर्ता ने बीएलओ को मृत, अनुपस्थित, स्थानांतरित, शादीशुदा तथा डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची जल्द से जल्द तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि मतदाता सूची को अधिकतम शुद्ध बनाया जा सके। इसी क्रम में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी की ओर से भाजपा, झामुमो, कांग्रेस और राजद के प्रखंड स्तरीय प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। उन्हें एसआईआर की प्रारंभिक गतिविधियों से अवगत कराया गया और बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर उनकी सूची उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।

रामगढ़ उपायुक्त ने की आधारभूत संरचनाओं एफआरए और परियोजनाओं की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ के उपायुक्त (डीसी) फैज अक अहमद मुमताज ने बुधवार को जिला समाहरणालय सभागार में जिले की आधारभूत संरचनाओं, एफआरए और विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में डीसी ने सीसीएल, पथ निर्माण विभाग, पीवीयूएनएल सहित अन्य परियोजनाओं से जुड़े अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली। उन्होंने एफआरए, एनओसी और भूमि अधिग्रहण से जुड़े लंबित मामलों की जानकारी लेने के बाद शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि और अन्य प्रक्रियाओं से जुड़े कार्यों को समय पर पूरा करें। डीसी ने यह भी कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में यदि कोई समस्या आती है, तो संबंधित विभाग जिला प्रशासन को नियमित रूप से अवगत कराएं, ताकि समय पर समाधान किया जा सके। बैठक में अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि, एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर तथा विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चोरी का पैसा महिलाओं के पास छिपाता था शातिर चोर, पुलिस पूछताछ में बड़ा खुलासा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बोकारो और रामगढ़ जिले में चोरी कर पैसा खर्च करने वाले सनी करमाली के कई रंग हैं। वह आदतन चोरी करता रहा है। उसकी एक खासियत यह भी है कि वह सिर्फ दिन में ही चोरी करता है। हर बार चोरी में मिले रुपये वह गलत आदतों पर खर्च करता था। आरोपित जो जेवर चुराता था उसे वह महिलाओं और लड़कियों को दे देता था।

इस बात का खुलासा सनी करमाली ने खुद पूछताछ के दौरान पुलिस के समक्ष की है। उसने पुलिस को बताया कि वह झुग्गी झोपड़ी में छुप कर रहता था। लेकिन उसका सपना अपना घर बनाने का था। लाखों रुपये चोरी करने के बावजूद वह अपना घर बना नहीं पाया था। 24 वर्ष का बेहद शातिर चोर सनी करमाली का आपराधिक इतिहास है। बोकारो जिले में उसके खिलाफ दो मामले पहले से दर्ज हैं।

रामगढ़ में भी अप्रैल महीने में उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। हर बार की तरह इस बार भी उसने चोरी की रकम महिलाओं को रखने के लिए दी थी। पुलिस ने जब सनी को गिरफ्तार किया तो उसने छुपाई गई रकम और जेवर का जो ठिकाना बताया, वह जानकर पुलिस भी हैरान रह गई। कई महिलाओं के पास रुपये और जेवर मिले। सनी जिस घर में चोरी की थी वहां उसे लगभग 12 लाख रुपये नगद मिले थे। लेकिन पुलिस सिर्फ 4.12 लाख ही बरामद कर पाई।

बूथ संगठन मजबूत करने को लेकर झामुमो की बैठक गांव-गांव जाकर जनता की समस्याएं सुनने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : कुरडेग प्रखंड झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष मो० नसीर अंसारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में बूथ समितियों को मजबूत करने का फैसला लिया गया, प्रखंड अध्यक्ष नसीरअंसारी ने कहा कि प्रत्येक बूथ में सदस्यों को जोड़े एवं बूथ संगठन को मजबूत करें, क्योंकि कार्यकर्ता ही संगठन का रीढ़ है, हम सभी को गांव के अंतिम व्यक्तियों तक जाकर लोगों को संगठन में जोड़ना है आज भी लोग सरकार द्वारा चलाया जा रहे कल्याण कारी योजनाओं से दूर हैं और उन्हें हर हाल में सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। इस नेक काम के लिए आप सभी झामुमो के सिपाहियों हमेशा तैयार रहें। वही बैठक में कार्यकताओं ने कहा कि पंचायतों में चल रहे मनरेगा अंतर्गत योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमिताएं चल रही है जिसे देखने वाला कोई नहीं अफसरसही हावी है एक छोटे से छोटे काम के लिए आम जनता को ऑफिस का चक्कर काटना पड़ रहा है कार्यकताओं ने बताया कि कई पंचायतों में मनरेगा योजनाओं में मनमानी और गड़बड़ी बढ़ती जा रही है। इस पर प्रखण्ड अध्यक्ष ने गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा जनता के अधिकारों से कोई खिलवाड़ नहीं करने देंगे। अनियमितता दिखे तो तुरंत हमें सूचित करें प्रखंड अध्यक्ष नसीर अंसारी ने मौके से कुरडेग प्रखंड विकास पदाधिकारी से फोन पर संपर्क किया लेकिन प्रखंड विकास पदाधिकारी फील्ड विजिट में होने के कारण उनसे संपर्क नहीं हो सकी, लेकिन झामुमो ने स्पष्ट संकेत दिया कि अब मनरेगा की गड़बड़ियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। आज के बैठक में प्रखण्ड उपाध्यक्ष लॉरेंतुस कुजूर, चोन्हास बरला, कोषाध्यक्ष लोलस खलखो, सचिव अशोक कुमार दास, केंद्रीय समिति सदस्य नुसरत खातून, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जोहान खलखो, जॉर्ज कुजूर, नंदकिशोर साय, अजहर अली, महिला मोर्चा प्रखण्ड उपाध्यक्ष शांति कुजूर, प्रतिमा तिर्की, दिलेश्वर साय, मनोज खलखो, प्रवीण साय, मार्टिन टेटे एवं काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बाल वाटिका के बच्चों ने ब्रिगेडियर पुरी पार्क का किया भ्रमण

रामगढ़ : बुधवार को श्री कृष्ण विद्या मंदिर के बाल वाटिका के कुल 76 बच्चों ने ब्रिगेडियर पुरी पार्क का भ्रमण किया। खेल शिक्षक मनोरंजन चौधरी, वर्ग शिक्षिकाएं रिंकी कुमारी, श्वेता कुमारी तथा प्राची शर्मा की देखरेख में बच्चों ने अत्यंत उत्साह के साथ पार्क का परिभ्रमण किया तथा वहां मौजूद झूला इत्यादि का आनंद उठाया। सभी बच्चों ने पार्क में ही सामूहिक लंच का लुत्फ उठाया तथा खेलकूद का आनंद लिया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता) ने ऐसे कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि पिकनिक अथवा परिभ्रमण बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करने से बच्चे अपने सहपाठियों एवं अन्य वर्ग के बच्चों के साथ परस्पर सामंजस्य स्थापित करते हुए काफी उत्साहित होते हैं। भविष्य में विद्यालय के अन्य कक्षाओं के बच्चों के लिए भी ऐसे ही परिभ्रमण के आयोजन को करने की योजना पर जोर दिया।

खाद्य उत्पादनकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण

रामगढ़ : खाद्य सुरक्षा विभाग एवं इंटरनेशनल इंस्टिटूटे फॉर टेक्निकल टीचर के द्वारा रामगढ़ जिले के खाद्य उत्पादनकर्ताओं का एडवांस मनुफैक्टरीष का ट्रेनिंग रामगढ़ स्थित स्पाइस गार्डन रेस्टोरेंट में कराया गया। इस ट्रेनिंग में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से मैन्युफैक्चर यूनिट्स के संचालक और संबंधित लोग उपस्थित हुए। ट्रेनिंग में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह ने संबोधित करते हुए सभी खाद्य व्यवसाईयों को दिशा निर्देश दिया। साथ ही कहा गया कि सभी खाद्य व्यवसाईयों को खाद सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना आवश्यक है। प्रशिक्षण में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह, पेन इंडिया कोऑर्डिनेटर विकास कुमार, खाद्य सुरक्षा कार्यालय के लुकेश रवानी उपस्थित रहे।

तरसही के प्रमुख बने सिरिस्ता, प्रिया को दो मत से हराया

पलामू : लंबे समय से खाली चल रहे पलामू के तरहसी प्रमुख पद पर बुधवार को चुनाव कराया गया। चुनाव मैदान में दो उम्मीदवार थे। निवर्तमान प्रमुख प्रिया कुमारी और मंझौली टू के पंचायत समिति सदस्य सिरिस्ता भुइयां ने दावेदारी प्रस्तुत की। निर्वाचन के लिए मेदिनीनगर सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा और तरहसी की प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी कुसूम केरकेटटा मौजूद थीं। वोटिंग में सभी 16 पंचायत समिति सदस्यों ने भाग लिया। निवर्तमान प्रमुख के पक्ष में 7, जबकि सिरिस्ता भुइयां के पक्ष में 9 मत पड़े। इस प्रकार सिरिस्ता भुइयां दो मतों से विजयी घोषित किए गए। मौके पर निर्वाचन पदाधिकारी सदर एसडीओ ने कहा कि तरहसी में पंचायत समिति सदस्य का प्रमुख पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करा ली गई है। उन?होंने बताया कि सभी 16 पंसस ने चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया और कई मुद्दे उठाए। चुनाव में दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। सिरिस्ता भुइयां के पक्ष में 9, जबकि प्रिया कुमारी के पक्ष में 7 वोट पड़े। निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि वोटिंग में हिस्से लेने वाले पंचायत समिति सदस्यों में शकुंतला देवी, नमिता देवी, मैना देवी, रचिबा बीवी, अजय कुमार सिंह (उपप्रमुख), शिवशंकर मेहता, नन्दू भुइयां सहित अन्य शामिल थे। उल्लेखनीय है कि तरहसी प्रमुख प्रिया कुमारी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने और मामला न्यायालय में चले जाने के कारण यह पद लंबे समय से रिक्त चल रहा था। इस बीच उपप्रमुख अजय कुमार सिंह को प्रमुख की जिम्मेवारी दी गयी थी, लेकिन न्यायालय के निर्देश ने उनकी वित्तीय शक्ति जब्त कर ली थी। वहीं क्षेत्र में प्रमुख के नहीं रहने से विकास योजनाओं पर विपरीत असर पड़ा था।

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा रांची महानगर संयोजक मंडली की हुई बैठक

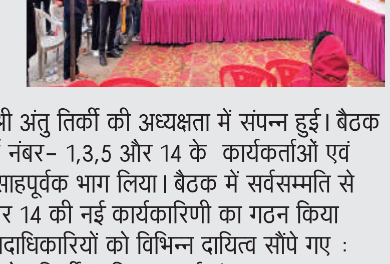

अनगड़ा : झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) रांची महानगर की संयोजक मंडली की एक महत्वपूर्ण बैठक पार्टी के केंद्रीय समिति सदस्य सह महानगर संयोजक श्री अंतु तिर्की की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से वार्ड नंबर- 1,3,5 और 14 के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से वार्ड नंबर-1,3,5,और 14 की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। निम्नलिखित पदाधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए : वार्ड नं 1 अध्यक्ष- सोनू तिर्की, सचिव - दुर्गा मुंडा, उपाध्यक्ष- मृत्युंजय मुंडा, तारिक अंसारी ।कोषाध्यक्ष - राजकुमार उरांव । सहसचिव - सामेल लकड़ा, रॉबिन गाड़ी। कार्यकारिणी सदस्य - बिगलू लोहरा,संजय यादव, महेश लकड़ा,राकेश लकड़ा,सोनू तिग्गा,। वार्ड नंबर : 3 अध्यक्ष - मंगल मिंज, उपाध्यक्ष - राजेश कुमार वर्मा। सचिव - राजेश उरांव । वार्ड नं 5 अध्यक्ष - दिलशान अंसारी, उपाध्यक्ष - मोसीम अंसारी,करण कुमार, कलीम अंसारी ,इम्तियाज आलम, रितिक कुमार, अख्तरी बेगम। सचिव - सैफ आलम ।कोषाध्यक्ष - शकील अंसारी। संगठन सचिव - सलमान अंसारी। सहसचिव - तबारक अंसारी, कार्यकारिणी सदस्य - इरशाद अंसारी, शकील अंसारी, रेहान अंसारी, अशफाक आलम, शाहबाज अंसारी, शाहनवाज, दिलशान रिजवी, इस्लाम अंसारी। वार्ड नंबर- 14 अध्यक्ष - कृष्णा साहू , उपाध्यक्ष - प्रभात खलखो, प्रेम मंडल, अजय कुमार मंडल, सुधा कु.तिर्की, रिकी नायक, सोनू नायक, रजनी तिग्गा, सागर नायक। सचिव विकास कुमार सिंह। कोषाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह। सह कोषाध्यक्ष -। सहसचिव - विमल टोप्पो,प्रहलाद लोहरा,विवेक कु सिंह,गीता सिंह,ज्योति देवी,पा बरेना महली,संगीता धान,मोनिका मुंडा,सुदामा साहू।

एक नजर

मोटरसाइकिल हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल, रेफर

साहिबगंज: बरहरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहरवा-पाकुड़ मुख्य पथ पर मंगलवार देर संध्या एक दर्दनाक मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा महाराजपुर लिंक कैबिन के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, अंधारकोठा निवासी डॉ. आलमगीर आलम और भवानीपुर, पाकुड़ निवासी अब्दुल रहीम (30 वर्ष) मोटरसाइकिल (पंजीयन संख्या डब्ल्यू.बी. 94 एम 4821) से गुमानी जा रहे थे। दोनों को मालदा इंटरसिटी एक्सप्रेस पकड़नी थी। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हुआ। दुर्घटना में दोनों युवकों को सिर, हाथ, पैर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही बरहरवा थाना के एएसआई अविनाश कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बरहरवा पहुंचाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. सोहेल अनवर ने प्राथमिक उपचार किया। डॉ ने गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। हादसे के कारणों को लेकर फिलहाल कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है। हालांकि, किसी अज्ञात वाहन से टक्कर की आशंका जताई जा रही है। इधर, अस्पताल पहुंचे डॉ. आलमगीर आलम के परिजनों ने बताया कि वे मालदा स्थित एक क्लिनिक में सेवा देते हैं, साथ ही गुमानी में सप्ताह में दो दिन मरीज देखते हैं। वहीं, घायल अब्दुल रहीम मेंहदीडांगा में लैब असिस्टेंट के रूप में कार्यरत हैं।

कोडरमा थाना के समीप एंटी क्राइम जांच अभियान पुलिस ने लगाम कसने के लिए की सघन चेकिंग

कोडरमा : पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर बुधवार को कोडरमा थाना के समीप थाना प्रभारी विकास पासवान के नेतृत्व में एंटी क्राइम जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहनता से जांच की गई। जांच टीम ने चालकों के लाइसेंस, वाहन संबंधी कागजात, कर दस्तावेज, सहित मादक पदार्थों और अन्य संदिग्ध वस्तुओं की भी सख्ती से जांच की। इस अभियान में एएसआई शशि प्रभा सहित कोडरमा थाना पुलिस की टीम शामिल रही। थाना प्रभारी विकास पासवान ने बताया कि अपराध नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

कोडरमा थाना में थाना दिवस का आयोजन, 15 में से 3 मामलों का हुआ निष्पादन

कोडरमा : थाना परिसर में बुधवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित अंचल अधिकारी रवि भूषण ने बताया कि थाना दिवस में कुल 15 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें से 3 जटिल मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया।निष्पादित मामलों में जमीन विवाद, रास्ता विवाद, और जमीन मापी से जुड़े महत्वपूर्ण मामले शामिल थे, जिन्हें आपसी समझौते और प्रशासनिक हस्तक्षेप से सुलझाया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी विकास पासवान, अंचलकर्मी समेत पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। अंचल अधिकारी ने बताया कि जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए थाना दिवस एक प्रभावी मंच साबित हो रहा है।

पाकुड़ प्रखंड के सभागार में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में झालसा राँची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव विशाल मांझी की उपस्थित में पाकुड़ प्रखंड के सभागार में अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया गया। उक्त कार्यक्रम के तहत अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ विशाल मांझी ने बताया कि आज पूरे विश्व में मानवाधिकार दिवस मनाया जा रहा है। आज का थीम "हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं" है, जो बताती है कि मानवाधिकार सिर्फ बड़े आदर्श नहीं बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, न्याय और सुरक्षा जैसी दैनिक जरूरतें हैं। हमारे दैनिक जीवन में मानवाधिकारों के महत्व पर जोर देती है, जैसे कि स्वच्छ जल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सुरक्षा, भोजन और गरिमा का अधिकार। जिसका उद्देश्य मानवाधिकार अमूर्त विचार नहीं, बल्कि ऐसी अनिवार्यताएं हैं जिन पर हम हर दिन निर्भर रहते हैं। इस दौरान मानव अधिकार के उद्देश्य पर चर्चा की गई जिसमें मानवीय गरिमा की रक्षा, समानता और भेदभाव का उन्मूलन ,व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं सुरक्षा, बुनियादी जरूरतें की पूर्ति ,न्याय और शांति स्थापित करना, जागरूक का बढ़ावा, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि अपने अधिकारों का प्रयोग करते समय दूसरों का अधिकारों का सम्मान करें। वहीं लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के डिप्टी चीफ मो नुकुमुद्दीन शेख ने समानता, स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक संवैधानिक उपचारों का अधिकार पर विस्तार पूर्वक बताया।मौलिक अधिकार के साथ-साथ मौलिक कर्तव्य को पालन करने को लेकर कहा गया। वहीं पाकुड़ प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू ने सरकारी योजनाओं समेत लोगों के अधिकार पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी देकर 'काम के अधिकार' बेरोजगार भत्ता पर जानकारी दी गई।

साहिबगंज सदर एसडीपीओ ने की मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अनुमंडलीय कार्यालय स्थित एसडीपीओ कक्ष में बुधवार को मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी हुई। इसकी अध्यक्षता सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की। इस दौरान एसडीपीओ ने थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी अपराध नियंत्रण के लिए पूरी तरह सतर्क रहें। किसी भी हाल में कोताही ना बरतें।एसडीपीओ ने ठंड में बदमाशों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी करने, नशा उत्पादों पर रोक लगाने व रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करने, हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने, लंबित कांडों का जल्द अनुसंधान कर निष्पादन करने, लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने व लोगों से बेहतर तालमेल बनाने व सूचना तंत्र मजबूत करने का निर्देश दिया। मौके पर नगर पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश यादव, मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनीश पांडे, बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार, एससी-एसटी थाना प्रभारी व अन्य मौजूद थे।

डीसी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में डीसी सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं-मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना, मुख्यमंत्री अस्पताल प्रबंधन एवं अनुसंरक्षण योजना तथा आयुष्मान भारत योजना-की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान डीसी ने निम्न दिशा-निर्देश दिए: उधवा सीएचसी को नए भवन में अविलंब शिफ्ट करने तथा नए मोईक का प्रभार सौंपने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए, सदर अस्पताल में ओपीडी संचालन को और अधिक सुचारू बनाने के साथ-साथ उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर के पूर्ण उपयोग पर बल दिया गया, फिजियोथैरेपी वार्ड को एक सप्ताह के भीतर संचालित करने का निर्देश दिया गया, एसएनसीयू वार्ड में बेड की संख्या बढ़ाने हेतु सिविल सर्जन को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया, डीसी ने सभी स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना के तहत सभी अस्पताल स्वच्छता, रोगी-सुविधा, बायो-मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन एवं सामुदायिक सहभागिता के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करें।बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। बैठक के अंत में डीसी ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड अंतर्गत नगर पालिका कन्या उच्च विद्यालय, पुरानी साहिबगंज में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार मंथन संस्था, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा संरक्षण पदाधिकारी के सहयोग से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी द्वारा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, सुरक्षा, तथा आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना था। बच्चियों को आत्मरक्षा कौशल, कठिन परिस्थितियों में साहसपूर्वक खड़े होने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। अध्यक्षता कर रही पूनम कुमारी ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे वर्ष 2015 में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, बालिकाओं की शिक्षा को सुदृढ़ करने तथा हानिकारक सामाजिक प्रथाओं को समाप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, जिनमें-गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण, पोक्सो एक्ट, नशा मुक्ति, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण प्रक्रिया, किशोर न्याय अधिनियम शामिल थे। साथ ही बच्चियों को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सचेत किया गया और बताया गया कि किसी भी साइबर संबंधी घटना की सूचना टोल-फ्री नंबर 1930 पर दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, मासिक धर्म स्वच्छता से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं, ताकि बच्चियाँ स्वच्छ, स्वस्थ और आत्मविश्वासी रह सकें। महिला सुरक्षा से संबंधित सखी वन-स्टॉप सेंटर और 181 टोल-फ्री नंबर की जानकारी भी साझा की गई। इस मौके पर कार्यक्रम में चंदा कुमारी, नाहिद प्रवीण, गौतम कुमार सहित कई अधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर हिंदी साहित्यकार रघुवीर सहाय जी की जयंती स्मरण समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा राजभाषा विभाग के तत्वावधान में हिंदी साहित्य के प्रख्यात साहित्यकार श्री रघुवीर सहाय जी की जयंती के अवसर पर साहेबगंज रेलवे स्टेशन पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक यांत्रिक इंजीनियर एवं अध्यक्ष, लोकल राजभाषा कार्यान्वयन समिति पवन कुमार सिंह ने की। समारोह में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ रघुवीर सहाय जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने आमंत्रित वक्ताओं को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में साहेबगंज से अभय कुमार, विजय कुमार भारती, पंकज प्रभा और अमन कुमार होली, जमालपुर से प्रमोद कुमार, मुंगेर से विजय वर्तानिया, तथा पटना से विनय कुमार झा विमल ने सहाय जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। वक्ताओं ने सहाय जी को हिंदी साहित्य के ऐसे अद्वितीय साहित्यकार, पत्रकार एवं संवेदनशील कवि के रूप में रेखांकित किया, जिनकी रचनाओं ने साहित्य को नई दृष्टि, नई दिशा और सामाजिक चेतना का सशक्त स्वर प्रदान किया। उनकी कृतियां आज के सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में और भी अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती हैं। मालदा मंडल द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मंडल कारा सहित जिले भर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मंडल कारा, साहेबगंज, विभिन्न विद्यालयों, पंचायतों सहित जिले भर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया मानवाधिकार, हमारे रोजमर्रा के आवश्यक तत्व है, जिसका उद्देश्य लोगों को यह याद दिलाना है कि मानवाधिकार केवल कानूनी अवधारणाएं नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन के अभिन्न अंग हैं, जैसे कि सुरक्षित आवास, भोजन, शिक्षा और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार। उन्होंने मानवाधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समाज के हर वर्ग, विशेषकर कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक होना चाहिए ताकि वे अन्याय, शोषण और भेदभाव से खुद को बचा सकें। भगत ने जोर देकर कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय से वंचित न किया जाए। साहेबगंज में आयोजित विशेष शिविर में मंडल कारा, साहेबगंज में लीगल एड डिफेन्स कौंसिल के कामनी शर्मा, रविन्द्र श्रीवास्तव ने बंदियों को मानवाधिकार के बारे में बताया और विधिक परामर्श दिया। जिले भर में विभिन्न स्थानों, विद्यालयों और पंचायतों में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, जहां पैरा लीगल वालंटियर्स न्याय मित्रों ने नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की मुफ्त कानूनी सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया की जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में पात्र व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सलाह और सहायता प्रदान करने के लिए विशेष डेस्क फ्रंट ऑफिस स्थापित किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज, समाज में न्याय की समान पहुँच सुनिश्चित करने और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के अपने मिशन के प्रति समर्पित है।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को पुलिस ने गुजरात से किया गिरफ्तार, भेजा जेल

साहिबगंज: जिला के राजमहल थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को राजमहल पुलिस ने गुजरात से गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार राजमहल थाना क्षेत्र के एक गांव के पीड़ित ने राजमहल थाना में आवेदन देकर बताया है कि उनके नाबालिक पुत्री को पाकुड़ जिला के महेशपुर थाना क्षेत्र के एक युवक ने बहला-फुसलाकर घर से भाग लिया है। मामले में पीड़ित के बयान पर राजमहल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में थाना कांड संख्या 386/25 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। इस दौरान गुप्त सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने मंगलवार को गुजरात राज्य के जिला बलसाड़ थाना जी.आई.डी.सी वापी क्षेत्र से नाबालिक लड़की को सकुशल बरामद किया एवं आरोपी युवक को गिरफ्तार कर अपने साथ लाई। राजमहल पुलिस कागजी प्रक्रिया पूरी कर आरोपित सुमित मंडल को बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। छापेमारी अभियान में एसआई विकाश सेठ सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

अंडर-16 क्रिकेट लीग में संत जेवियर स्कूल ए ने 5 विकेट से दर्ज की जीत

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के तहत बुधवार को संत जेवियर स्कूल बनाम पोखरिया पैंथर्स के बीच मैच खेला गया। पोखरिया पैंथर्स की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 16.3 ओवर में 124 रन बना कर ऑल आउट हो गई। कुणाल यादव ने 26, पीयूष यादव ने 29 व कुश कुमार ने 13 रन की पारी खेली। संत जेवियर स्कूल के गेंदबाज सूरज राज ने 4 व आदित्य यादव ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए 13.4 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 126 रन बना कर 5 विकेट से मैच जीत लिया। आदित्य यादव ने 27, शांतनु ने 28, आदित्य यादव ने नाबाद 22 रन की पारी खेली। पोखरिया पैंथर्स के गेंदबाज सत्यम ने 3 व पीयूष ने 2 विकेट लिए। संत जेवियर के खिलाड़ी सूरज राज को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि एनआईएस कोच योगेश यादव ने सूरज को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व चंदन यादव एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया।

युवती से जबरदस्ती का प्रयास, पीड़िता ने थाने में दी लिखित शिकायत

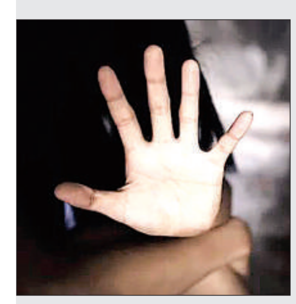

साहिबगंज: जिला के बरहरवा प्रखंड अंतर्गत कोटालपोखर थाना क्षेत्र के जीवनपुर रोड में एक 21 वर्षीय विवाहित युवती के साथ जबरन छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। घटना 30 नवंबर 2025 की संध्या लगभग 6:30 बजे की बताई जा रही है। पीड़िता सीमा कुमारी, पति शिव शंकर रजवार, निवासी कोटालपोखर ने थाने में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि वह अपने पुराने घर से नए घर की ओर जा रही थीं, तभी गांव के ही मो. हसन राजा (उम्र 29 वर्ष), पिता अकबर अली ने अचानक पीछे से पकड़ लिया और उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। युवती के जोर-जोर से चिल्लाने पर उसकी चाची और फुफेरी बहन मौके पर दौड़ीं और किसी तरह उसे आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। इस दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद गांव के लोगों को जानकारी दी गई और सामाजिक स्तर पर पंचायत कर मामले का निबटारा करने की बात हुई थी, लेकिन आरोपी पक्ष पंचायत में उपस्थित ही नहीं हुआ। पीड़िता ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि आरोपी पहले भी कई लड़कियों के साथ इसी तरह की हरकत कर चुका है, जिसके लिए उसे सामाजिक दंड भी दिए गए थे। कुछ दिनों पूर्व भी इसी तरह की घटना में एक अन्य लड़की की जान चली जाने की बात पीड़िता ने बताई है। इसी बीच, आवेदन प्राप्त होते ही पुलिस आरोपी के खिलाफ थाना कांड संख्या 134/25 के रूप में दर्ज कर मामले को जांच रही है। थाना प्रभारी चंदन भैया ने बताया कि मामला गंभीर है। पीड़िता का आवेदन प्राप्त होने के बाद प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और पुलिस उचित कार्रवाई हेतु जांच में जुट गई है।

सत्याग्रह अनशन प्रदर्शन हेतु लगातार बारहवें दिन गृहणियां सांकेतिक रूप में उपस्थित

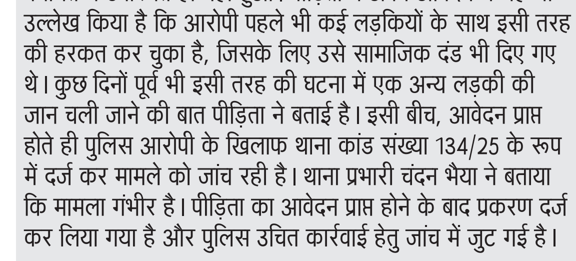

साहिबगंज: मातृशक्तियों ने शांतिपूर्ण विरोध और धरना प्रदर्शन के दौरान विभिन्न न्यूज एजेंसी के संवाददाताओ के माध्यम से सरकार को स्मरण कराया कि-भारत में प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के लिए मुख्य रूप से वन्यजीव अधिनियम, 1972 प्रमुख कानून है, जो प्रवासी पक्षियों सहित लुप्तप्राय प्रजातियों को उच्चतम सुरक्षा प्रदान करता है और उनके आवासों को संरक्षित क्षेत्रों के रूप में अधिसूचित करता है; इसके साथ ही, भारत प्रवासी प्रजातियों पर कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता है और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो जैसे निकाय अवैध व्यापार पर नकेल कसते हैं, जबकि संविधान का अनुच्छेद 51ए(जी) नागरिकों का कर्तव्य निर्धारित करता है। अत: शिमरतल्ला झील को बर्ड सेंचुरी नोटिफाई करना संवैधानिक, तो वहीं गौचर जमीन पर एयरपोर्ट और झील के नजदीक फोरलेन सड़क स्थानीय झील पारिस्थितिकी और आर्द्रभूमि के रूप में पक्षी अभयारण्य संरक्षण कि दिशा में बाधक बनने लगेगा।अतएव मातृशक्ति को जीवन रूपी पक्षी अभयारण्य चाहिए। गांव को उजाड़कर फोरलेन सड़क और हरा-भरा खेत बगीचा उजाड़कर हवाई अड्डा नहीं चाहिए। कार्यक्रम स्थल दयानिधि ओझा शिव मंदिर, डिहारी के प्रांगण में रूपा भारती, उर्मिला देवी, ऊषा देवी, जिच्छा देवी, शविता देवी, सुमित्रा देवी, फोटिला पासवान, गुड़िया पासवान, पुनम पासवान, गिरीजा देवी, अरिला देवी, पुनम महतो, किरण महतो सहित अन्य माताएं उपस्थित रहीं।

पछुआ हवा ने बढ़ाई पूरे बिहार में ठंड, कोहरे के कारण ट्रेनें लेट

यात्री परेशान; जानिए मौसम का हाल

पटना। बिहार में पछुआ हवा के कारण ठंड और बढ़ गई है। 20झ25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवा के कारण पूरे प्रदेश में कनकनी महसूस की जा रही है। भागलपुर, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, गोपालगंज समेत कई जिलों में घने कोहरे की वजह से लोगों को सुबह-सुबह भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को सावधानी के साथ चलना पड़ रहा है, वहीं कोहरे का असर ट्रेनों के परिचालन पर भी साफ दिखा।मंगलवार को श्रमजीवी एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, विक्रमशिला एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल समेत कई ट्रेनें पटना लेट पहुंचीं। आज भी राजधानी आने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, जिस तरह की ठंडी पछुआ हवा चल रही है, उससे आने वाले दिनों में कोहरा और घना होने की संभावना है। कोहरे के कारण हवा ऊपर नहीं उठ पा रही है, जिससे ठंडी हवाएं वायुमंडल के निचले स्तर पर ही बनी हुई हैं। इसी कारण प्रदेश में ठिठुरन बढ़ गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हवा की रफ्तार बढ़ेगी तो ठंड और अधिक महसूस होगी। अगले 72 घंटों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट के आसार हैं। पूर्वी बिहार में कुहासा और बढ़ेगा। लोगों से अपील की गई है कि सुबह-शाम निकलते समय सावधानी बरतें। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार आगामी सात दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क रहने वाला है। सुबह के समय राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर के कोहरे की संभावना जताई गई है। तापमान के रुझान की बात करें तो अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों तक और न्यूनतम तापमान में अगले तीन से चार दिनों तक किसी विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है। चढ़ने के साथ मौसम साफ रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में बिहार का मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा। अररिया में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य का अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस से 28.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। कई हिस्सों में दिन के तापमान में किसी तरह का विशेष बदलाव नहीं देखा गया। वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबौर (भागलपुर) सबसे ठंडा रहा, जहां 08.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का न्यूनतम तापमान 08.4 डिग्री सेल्सियस से 15.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा और पिछले 24 घंटों में रात के तापमान में भी कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। पटना और पूर्णिया में न्यूनतम दृश्यता केवल 400 मीटर रही, जबकि पूरे प्रदेश में वर्षा का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

बिहार के इस शहर में दिल्ली से भी ज्यादा प्रदूषण

भागलपुर। धुंध और नमी के बढ़ते प्रभाव ने भागलपुर की हवा को बेहद प्रदूषित कर दिया है। सोमवार तक जहां शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 172 था, वहीं मंगलवार को यह उछलकर 278 पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यही रफ्तार जारी रही, तो अगले 24 घंटों में एक्यूआई का स्तर 300 के पार जा सकता है, जो अत्यंत खतरनाक श्रेणी में आता है। शहर में सुबह के समय दृश्यता भी काफी कम बनी रही। ऐसे में सड़क हादसों की भी आशंका बनी रहती है। मौसम विभाग और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बढ़ती नमी, ठंडी हवाओं और लंबे समय तक बने रहने वाले घने धुंध ने प्रदूषकों को जमीन के नजदीक रोक दिया है।

हवा में लटके सूक्ष्म कण पीएम 2.5 और पीएम 10 तेजी से बढ़ रहे हैं। यही वजह है कि सुबह और रात के समय लोग सांस लेने में कठिनाई, सीने में जकड़न, खांसी, गले में खराश जैसे लक्षण महसूस करने लगे हैं।

गोपालगंज की 23 पंचायतों में बनेंगे विवाह मंडप

30 डिसमिल जमीन चिह्नित

गोपालगंज। अब गांवों में भी शहर की तरह बेटियों की शादी आधुनिक विवाह भवन से संपन्न हो सकेगी। तंग जगह के चलते बरात को ठहराने व विवाह में होने वाली परेशानी अब जल्द दूर होने वाली है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना के तहत अब प्रत्येक पंचायत में एक-एक विवाह मंडप बनाए जाने की योजना है। इसके तहत पहले चरण में जिले के 23 पंचायतों में विवाह मंडप का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए संबंधित पंचायतों में भूमि चिन्हित करने का कार्य पूर्ण हो गया है। कुल 30 डिसमिल चिह्नित जमीन पर विवाह मंडप का निर्माण होगा। प्रत्येक विवाह मंडप के निर्माण पर 50 लाख की राशि खर्च की जाएगी।जानकारी के अनुसार, गरीब परिवारों को विवाह जैसे शुभ कार्यों के लिए एक सुविधाजनक और गरिमापूर्ण स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने राज्य के सभी पंचायतों में विवाह मंडप तैयार करने का निर्णय लिया है। साथ ही इसके लिए शुरूआती राशि का भी आवंटन कर दिया है। जिले के सभी 230 पंचायतों में विवाह मंडप का निर्माण कराया जाएगा। जिला पंचायती राज पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि प्रत्येक विवाह मंडप के निर्माण पर 50-50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इस योजना के तहत प्रथम चरण में 23 पंचायतों में विवाह मंडप के लिए जमीन चिन्हित करने का कार्य पूर्ण कर दिया गया है। प्रथम चरण में जिले के जिन 23 पंचायतों में विवाह मंडप का निर्माण कराया जाना है, उन्हें पांच-पांच लाख की राशि आवंटित कर दी गई है।

पटना के बैंक कॉलोनी में रेड

पटना। जक्कनपुर थाना क्षेत्र बैंक कॉलोनी में बुधवार सुबह पटना पुलिस ने एक मकान में छापेमारी की है। जहां से तलाशी के दौरान 5 लाख रुपए की विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई है। मौके से पुलिस ने 4 तस्करों को भी धर दबोचा है। आरोपियों के पास से 17.61 लाख रुपए कैश भी मिले हैं। जिस मकान में पुलिस ने छापेमारी की है, वह एक पत्रकार का बताया जा रहा है। इसी मकान को किराया पर लेकर तस्कर रहते थे। फिलहाल, पुलिस की ओर से तस्करों से पूछताछ की जा रही है। इनकी निशानदेही पर अन्य दूसरे तस्करों और नए ठिकाने के बारे में पुलिस पता लगा रही है।

संक्षिप्त डायरी

नौ साल पुराने हरेंद्र सिंह हत्याकांड में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास, बक्सर कोर्ट का बड़ा फैसला

बक्सर। हत्या के एक पुराने मामले में बक्सर कोर्ट ने मंगलवार को नौ वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में जिला पार्षद सदस्य के पति सह प्रतिनिधि रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान शामिल हैं। अदालत ने सभी अभियुक्तों पर अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ल की अदालत ने सुनाया। मामला नगर थाना कांड संख्या 382/2016 और सेशन ट्रायल 354/2017 से संबंधित है। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर के अनुसार, घटना 22 अगस्त 2016 की है। मृतक हरेंद्र सिंह की पत्नी इंदू सिंह ने 23 अगस्त 2016 को नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया गया कि मृतक बस स्टैंड से अपने घर सोहनीपट्टी लौट रहे थे, तभी रात करीब 9:30 बजे पोखरा के पास आरोपियों ने उन्हें गोली मारकर हत्या कर दी थी।जांच में पता चला कि इस हत्या के पीछे जमीन से जुड़ा विवाद था। एक अन्य आरोपी विकास शर्मा, जो फिलहाल फरार है, ने मृतक से जमीन के नाम पर 12 लाख रुपये लिए थे और रकम वापस करने से बचने के लिए हत्या की साजिश रची गई थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में कुल 10 गवाहों की गवाही प्रस्तुत की। सभी साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान को दोषी ठहराया। अदालत ने दोषियों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास, धारा 326 के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 27 आर्म्स एक्ट के तहत 4 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया है। मामले के दो आरोपी विकास वर्मा और संतोष पासवान अब भी फरार हैं, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी तक अदालत में उपस्थित नहीं हुए हैं।

संदेहास्पद परिस्थिति में शख्स की मौत के बाद इलाके में सनसनी, जांच में जुटी स्थानीय थाने की पुलिस

छपरा। बिहार के छपरा में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां एक 55 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। मृतक की पहचान सूरज प्रसाद के रूप में हुई है। हालांकि, मृतक घर में अकेले ही रहता था, जबकि उसका पूरा परिवार छपरा में किराए के मकान में रहता है। घटना सारण जिले के मांझी नगर पंचायत अंतर्गत दक्षिण टोला की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सूरज प्रसाद का शव बिस्तर के नीचे दर्दनाक हालत में पड़ा मिला है। क्योंकि शरीर पर तेजाब फेंके जाने के गंभीर निशान पाए गए हैं। साथ ही उनके निजी अंगों के साथ क्रूरता किए जाने की भी आशंका जताई जा रही है। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से स्थानीय लोग स्तब्ध हो गए हैं। जितनी मुंह उतनी बातें सामने आ रही है। लिहाजा अब इसकी सत्यता की जांच सारण पुलिस के जिम्मे में है कि किस तरह से जांच कर इसका खुलासा करती है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मांझी थाने की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। वहीं, स्थानीय ग्रामीण इसे अंधविश्वास से जोड़ते हुए ह्लजिन्न-भूतह्व द्वारा मारे जाने की चर्चा भी शुरू कर दी है, लेकिन पुलिस इसे अफवाह मानते हुए गंभीर आपराधिक कृत्य के रूप में जांच कर रही है।

समस्तीपुर डबल मर्डर का खुलासा, पिता-पुत्र व शूटर समेत चार गिरफ्तार

समस्तीपुर। मुक्तापुर में पिछले वर्ष हुए प्रॉपर्टी डीलर और टोटो चालक के चर्चित दोहरे हत्याकांड का समस्तीपुर पुलिस ने एसटीएफ की मदद से खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता व उसके सहयोगियों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां नगर थाना क्षेत्र के गुदरी बाजार के सुधीर मधान, उसके पुत्र अमन मधान, तथा कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले शूटर आशुतोष कुमार और बाइक चलाने वाले अपराधी फूलबाबू राम के रूप में हुई हैं। पुलिस ने इनके पास से हत्या में प्रयुक्त एक पिस्टल, दो देसी कट्टा, 9 जिंदा कारतूस और दो पल्सर बाइक भी बरामद किए हैं। एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 21 दिसंबर 2023 को कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मुक्तापुर गांव के पास दिनदहाड़े जमीन कारोबारी विजय गुप्ता और दिव्यांग टोटो चालक गणेश सहनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह मामला अत्यंत संवेदनशील होने के कारण पुलिस के लिए चुनौती बना रहा। घटना के बाद मृतक के साथ मौजूद सुधीर मधान को मार्च में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, लेकिन साक्ष्य के अभाव में उसे जमानत मिल गई थी। इसके बाद मामला एसटीएफ के सहयोग से तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर तेजी से आगे बढ़ा। सबसे पहले पुलिस ने घटना में इस्तेमाल पल्सर बाइक व उसे चलाने वाले फूलबाबू राम को गिरफ्तार किया।

शिक्षक से आठ लाख की रिश्वत मामले में नया मोड़, शिक्षा विभाग में मची खलबली

गोपालगंज/बैकुंठपुर। शिक्षा विभाग की स्थापना शाखा पर लगे गंभीर आरोपों ने जिला प्रशासन से लेकर राजनीतिक हलकों तक हड़-कंप मचा दिया है। प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक मोहम्मद ग्यासुद्दीन ने डीपीओ (स्थापना) और कर्मियों पर वेतन भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा बकाया राशि निकालने के नाम पर आठ लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। इसके समर्थन में उन्होंने शिक्षा विभाग के अपर सचिव, जिलाधिकारी और जिला शिक्षा पदाधिकारी को लिखित शिकायत के साथ कई मोबाइल आडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। कुचायकोट प्रखंड के बैजलहां निवासी एवं प्राथमिक विद्यालय हलुआर, बरौली के शिक्षक मोहम्मद ग्यासुद्दीन वर्ष 2015 से वेतन प्राप्त नहीं कर सके थे।मामला पटना उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां से वेतन भुगतान का आदेश पारित हुआ। कोर्ट के निर्देश पर 31 अक्टूबर को उनके खाते में 22 लाख 80 हजार रुपये की बकाया राशि भेजी गई। शिक्षक का आरोप है कि भुगतान के तुरंत बाद डीपीओ (स्थापना) मो. साहेब आलम, लिपिक बाबूजान अंसारी और गाड़ी चालक की ओर से शेष निर्धारण, फाइल अनुमोदन और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर 8 लाख रुपये की मांग की गई। रिश्वत देने से इनकार करने पर फाइल रोकने, धमकी देने और मानसिक दबाव बनाने की भी शिकायत की गई है। रिश्वत मांगने से संबंधित कुछ आडियो क्लिप इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेश कुमार ने कार्रवाई शुरू कर दी। दैनिक जागरण प्रसारित आडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता, परंतु मामले की गंभीरता को देखते हुए डीईओ ने डीपीओ (स्थापना) मो. साहेब आलम और लिपिक बाबूजान अंसारी को 24 घंटे के भीतर जवाब देने का आदेश दिया है।

प्राथमिक कार्रवाई के तहत लिपिक बाबूजान अंसारी को हटाकर कर्मी धीरज कुमार को स्थापना शाखा में प्रतिनियुक्त किया गया है। हालांकि अब तक कोई कठोर दंडात्मक कार्रवाई न होने से शिक्षकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कथित आडियो प्रसारित होने के बाद तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य बंशीधर ब्रजवासी ने भी मामले को सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी शिक्षक से धन की मांग होना विभाग की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल है। उन्होंने दोषी अधिकारियों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की। हम पार्टी के जिलाध्यक्ष पंकज सिंह राणा ने जिलाधिकारी पवन कुमार सिन्हा को पत्र देकर इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप शिक्षा विभाग की छवि को धूमिल करते हैं और रिश्वत मांगने व धमकी देने जैसी घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं।

भागलपुर शहर में बदल गई यातायात व्यवस्था, लाजपत पार्क मार्ग में बनेगा स्टैंड

भागलपुर। शहरी क्षेत्र में सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन के स्तर से पहल शुरू हो गई है। अब शहर की सूरत बदलेगी। शाम डीएम डा. नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई। उनके निर्देश पर मंगलवार की देर रात 10.30 नगर आयुक्त शुभ कुमार के नेतृत्व में सिटी एसपी हृदयकांत और सदर एसडीओ व डीएसपी ने संयुक्त रूप से कार्ययोजना बनाने स्थल निरीक्षण किया। पहले तिलकामांझी चौक का जायजा लिया। जिसमें चौराहे पर दुर्गा मंदिर के पीछे से आटो व टोटो का वनवे परिचालन होगा। इस मार्ग में स्थायी अतिक्रमण व दुकानों को हटाया जाएगा। इससे आगे हटिया मार्ग में दुकानों के आगे वाहनों की पार्किंग नहीं होगी।इस मार्ग में चार स्थानों पर नो पार्किंग जोन का बोर्ड लगेगा। साथ ही वाहन खड़ी करने पर चालान भी कटेगा। हटिया मार्ग से सब्जी बाजार मेडिकल कॉलेज से इंडोर हाल तक शिफ्ट होगा और मार्किंग कराई जाएगी। चौराहे के 70 मीटर दूरी पर नो पार्किंग जोन का बोर्ड लगेगा। इस दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि दुर्गा मंदिर के पीछे मार्ग की मरम्मत कराई जाएगी। उन्होंने टीम के साथ तिलकामांझी बस डिपो परिसर के आटो स्टैंड का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि चौराहे से महज 100 मीटर की दूरी पर स्टैंड है। यहां तक सफर करना राहगीरों को मुश्किल नहीं होगा। डीएसपी ने कहा कि आटो का पड़ाव करवाने के लिए पुलिस बल को प्रतिनियुक्त किया जाएगा। इसके बाद टीम लोहापट्टी पहुंची। जहां स्टेशन चौक से लोहापट्टी होते हुए डिक्शन मोड़ की ओर वनवे ट्रैफिक का लागू किया जाएगा। लोहापट्टी मार्ग के सब्जी विक्रेताओं को सड़क के किनारे किया जाएगा। इसके लिए मार्किंग कराई जाएगी। इससे बाहर सामग्री रखने पर जुमार्ना भी लगेगा। इस मार्ग से फल व सब्जी के थोक विक्रेताओं को हटाया जाएगा।

बिहार के युवाओं को उद्यमी बनाने की योजना

हर विश्वविद्यालय में बनेगा 'स्टार्टअप सेल'

पटना। बिहार में औद्योगिकीकरण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही राज्य सरकार सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करने में जुटी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर शिक्षा विभाग और उद्योग विभाग मिलकर स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से युवाओं को भविष्य के लिए लिए तैयार करेगा। जल्द ही सभी विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में स्टार्टअप सेल को भी स्थापित करने की तैयारी हो रही है। राज्य के उद्योग मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल के मुताबिक स्टार्टअप इकोसिस्टम को स्टेप वाइज आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके। इसके लिए विश्वविद्यालयों के अंदर इंफ्रास्ट्रक्चर को भी सुदृढ़ किया जाएगा। बिहार में उद्योग लगाने वाले उद्यमी युवाओं को सुरक्षा सहित सभी आवश्यक सुविधाएं राज्य सरकार मुहैया कराएंगी।शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाल में राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार को प्राथमिकता देने को कहा है। इसके मद्देनजर अब छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ कमाई का गुर भी सिखाया जाएगा। प्रत्येक विश्वविद्यालय में स्टार्टअप को स्टेप वाइज आगे बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस पर उद्योग विभाग के साथ मिलकर स्टार्टअप इकोसिस्टम को तैयार करने पर कार्य योजना बनायी जाएगी। ताकि, युवाओं को नौकरी खोजने वालों से नौकरी देने वाला बनाया जा सके। उन्हें उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जा सके, कौशल विकास और इनक्यूबेशन सहायता दी जा सके और उन्हें सफल उद्यम स्थापित करने के लिए एक इको-सिस्टम प्रदान किया जा सके। यही व्यवस्था सभी राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों एवं पालीटेक्निक संस्थानों में की जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करने वाले हर छात्र-छात्रा को बीज निधि (सीड फंडिंग), मेंटरशिप और इनक्यूबेशन सपोर्ट देकर उद्यमी बनने में मदद दी जाएगी। ऐसे युवाओं को नवाचार, रोजगार सृजन, व्यावहारिक कौशल, वित्तीय सहायता और उद्यमशीलता की मानसिकता के माध्यम से कई लाभ प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वाले बन सकें। यहां इनक्यूबेशन सपोर्ट का उद्देश्य है स्टार्टअप और नए व्यवसायों को शुरूआती चरण में विकसित होने और सफल होने के लिए दी जाने वाली मदद से, जिसमें मार्गदर्शन, आफिस स्पेस, फंड (पूंजी), नेटवर्क और तकनीकी सहायता शामिल है। छात्र-छात्राओं को इनक्यूबेशन सेंटर की सुविधा उनके शिक्षण संस्थान में दी जाएगी, जहां अनुभवी पेशेवरों द्वारा सलाह और मार्गदर्शन दिया जाएगा। पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र-छात्राओं को रोजगार करने एवं उद्यमी बनने के लिए स्किल डेवलपमेंट, मैनेजमेंट और मार्केटिंग की ट्रेनिंग की सुविधा भी दी जाएगी। उद्यम खड़ा करने के लिए शुरूआत में पूंजी की व्यवस्था करायी जाएगी। उनकी पहुंच निवेशकों तक बढ़ायी जाएगी। नेटवर्किंग बढ़ाने पर भी जोर दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि उच्च शिक्षा पाने वाले छात्र सिर्फ नौकरी खोजने की बजाय खुद नौकरी बनाने वाले (जॉब क्रियेटर्स) बनें। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अगर पढ़े-लिखे युवा रोजगार करेंगे तो केंद्र सरकार से भी स्टार्टअप इंडिया सीड फंड से 20 लाख अनुदान की सुविधा दी जाती है। लेकिन, इसके लिए युवाओं को पहले रोजगार करने संबंधी स्किल विकसित करनी होगी।

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है – 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं – बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

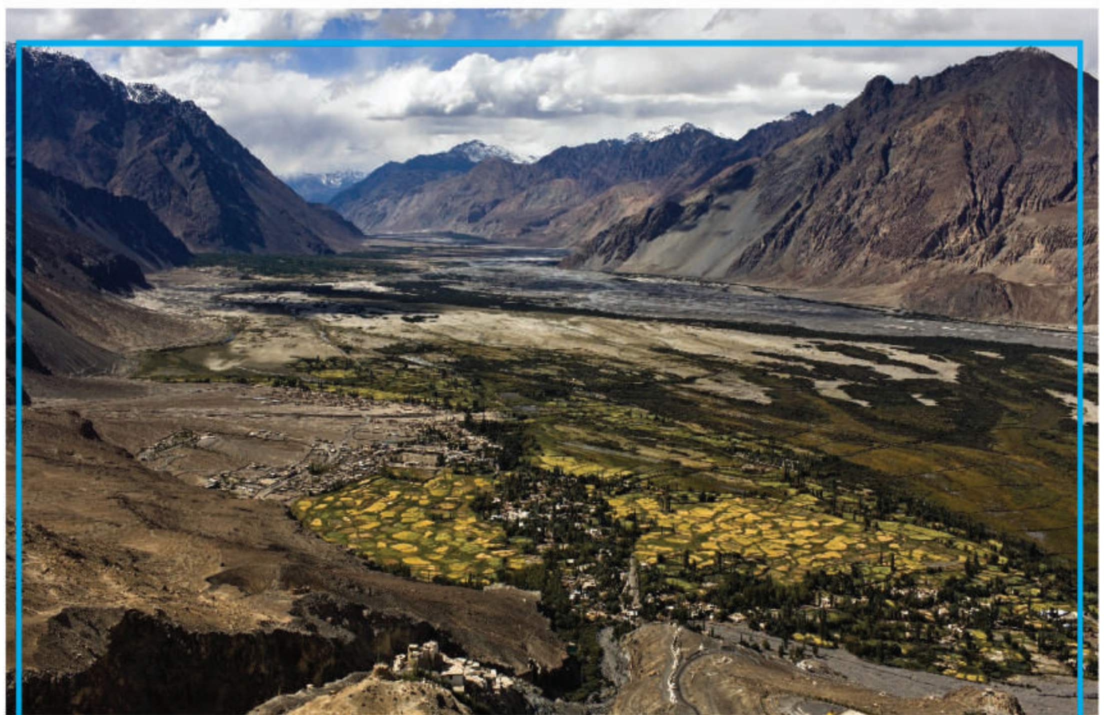

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल है। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है – फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद है तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते है। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

Parth

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नहीं करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान ||| द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरु का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जो चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पैलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध है। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8-30 से शाम 5-30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे विराट, रोहित शीर्ष पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दो स्थान पर भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा हो गया है। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा जहां नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भारत के ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आ गये हैं। हाल में इन दोनो ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसका लाभ इन्हें मिला है। जिससे रोहित अपनी जगह पर बने हुए हैं जबकि विराट ऊपर आये हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान ही अपने शानदार प्रदर्शन से आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था। वह नंबर एक पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों में 57, 14, और 75 की पारी से रोहित का नंबर एक स्थान बना रहा। वहीं विराट ने ताजा रैंकिंग में 2 स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरी रैंक हासिल की है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 135, 102, और 65 रन बनाये। इन तीन पारियों की सहायता से रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं।

भारतीय टीम के एकदिवसीय प्रारुप के कप्तान शुभमन गिल पांचवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम छठे, आयरलैंड के हैरी टैक्टर सातवें, वेस्टइंडीज के शाई होप आठवें, श्रीलंका के चरिथ असलांका नौवें और भारत के श्रेयस अय्यर दसवें स्थान पर हैं। फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वहीं केएल राहुल ने भी दक्षिण अफ्रीका सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की थी और इससे उन्हें दो स्थान का लाभ हुआ है। वह 12वें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक 3 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर आ गये हैं।

द हंड्रेड में नजर आएंगे दिनेश कार्तिक, लंदन स्पिरिट ने दी बड़ी जिम्मेदारी

लंदन (एजेंसी)। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक, जो मौजूदा IPL चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के मेंटर भी हैं, को द हंड्रेड फ्रेंचाइजी लंदन स्पिरिट का मेंटर और बैटिंग कोच बनाया गया है। द हंड्रेड के लिए किसी फ्रेंचाइजी में अपनी पहली भूमिका में कार्तिक की विशेषज्ञता इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में एक खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में 250 से ज़्यादा मैचों में भाग लेने और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 180 इंटरनेशनल मैचों से आती है।

लंदन स्पिरिट के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबट ने एक बयान में कहा, 'लंदन स्पिरिट में DK का स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। वह हमारे खेल में सचमुच एक अलग सोच रखने वाले व्यक्ति हैं और शॉर्ट-फॉर्मेट और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारे लिए बहुत कीमती होगा। उनके साथ काम करना भी बहुत मजेदार है और वह जो कुछ भी करते हैं उसमें एक जबरदस्त एनर्जी और उत्साह लाते हैं।' बोबट ने कहा, 'खेल में अहमियत रखने वाले एक और एलीट इंसान को साइन करना हमारे एम्बिशन और इस बात को दिखाता है कि हम अपने प्लेयर्स को सबसे अच्छा सपोर्ट देने को कितना महत्व देते हैं।'

इस बीच कार्तिक ने नया रोल लेने पर कहा, 'लंदन स्पिरिट में शामिल होने का यह कितना रोमांचक समय है! जब मैंने Mo, MCC और टेक टाइटन्स के प्लान्स और एम्बिशन्स के बारे में सुना, तो मैं सच में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित था। लॉर्ड्स में काम करते हुए इंग्लिश समर बिताना सच में एक सपने के सच होने जैसा है। यह वह ग्राउंड है जहां मैंने भारत के लिए डेब्यू किया था और अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था, लॉर्ड्स मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं अगले साल स्क्वाड को एक साथ आते देखने और कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ काम करने का इंतजार नहीं कर सकता।' कार्तिक के लिए नया रोल काफी आसान होगा जिन्होंने IPL में RCB में बोबट और स्पिरिट के हेड कोच एंडी फ्लावर दोनों के साथ मिलकर काम किया है।

पाकिस्तान में भी छाये हैं अभिषेक, सबसे अधिक सर्च किये गये

लाहौर। भारतीय टीम के युवा आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण पड़ौसी देश पाकिस्तान में भी छाये हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाकिस्तान में 2025 में सबसे ज्यादा जिस खिलाड़ी को लोगों ने इंटरनेट पर सर्च किया है। वह बाबर आजम, शहीन अफरीदीद या हारिस रऊफ नहीं बल्कि अभिषेक हैं। यहां तक कि भारत के ही विराट कोहली और रोहित शर्मा भी अभिषेक से पीछे रहे गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक को भारत से भी अधिक पाक में सर्च किया गया।

इसका कारण एशिया कप को माना जा रहा है जिसमें अभिषेक ने सेमीफाइनल तक विस्फोटक पारियां खेली थीं। एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम ने पाक को हराया था। एशिया कप में अभिषेक ने आक्रामक बल्लेबाजी की थी। पाकिस्तान के खिलाफ लीग मुकाबलों में भी उन्होंने जमकर रन बनाये थे हालांकि फाइनल में वह शुरुआत में ही आउट हो गये थे। हैरानी की बात ये है कि सर्च किये गये शीर्ष दस खिलाड़ियों को बाबर और शाहीन का नाम नहीं है।

पाकिस्तान में 2025 में सबसे ज्यादा सर्च किए गए खिलाड़ियों की शीर्ष 10 की लिस्ट में बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ जैसे खिलाड़ी जगह नहीं पा सके हैं।पाक में सबसे अधिक सर्च किये गये दूसरे खिलाड़ी हसन नवाज, तीसरे इरफान खान व चौथे साहिबजादा फरहान और पांचवें मुहम्मद अब्बास हैं। पाकिस्तान में सफलता के साथ-साथ भारत में भी अभिषेक ने तीसरा स्थान हासिल किया। भारत में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी सबसे ज्यादा सर्च हुए। भारत की टॉप-10 सूची में ज्यादातर क्रिकेटर शामिल थे, जिसमें महिला क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने भी अपनी जगह बनाई।

क्रिकेट जगत से आई बड़ी खबर: टीम चयन को लेकर नाराज 3 क्रिकेटरों ने कोच पर किया हिंसक हमला : सिर पर 20 टांके, कंधा टूटा

मुम्बई (एजेंसी)। पांडिचेरी क्रिकेट एसोसिएशन (CAP) इन दिनों विवादों की भेंट चढ़ा हुआ है। भ्रष्टाचार और खेल के अवसरों में अनियमितताओं की खबरों के बीच सोमवार को अंडर-19 टीम के हेड कोच एस. वेंकटरमन पर शॉकिंग हमला हुआ। जानकारी के अनुसार, तीन स्थानीय खिलाड़ी–सीनियर कार्तिकेयन जयसुंदरम, फर्स्ट-क्लास खिलाड़ी ए. अरविंदराज और एस. संतोष कुमारन–टीम चयन को लेकर नाराज थे और इसी गुस्से में कोच पर हमलावर हो गए।

सुबह करीब 11 बजे CAP की ट्रेनिंग फैसिलिटी में वेंकटरमन पर हमला किया गया। कोच ने बताया कि उन्हें नेट्स के पास घेर लिया गया और उनके सिर और कंधे पर हमला किया गया। सिर में गहरी चोट के कारण उन्हें 20 टांके लगाने पड़े और कंधे में फ्रैक्चर भी आया। पुलिस ने तुरंत FIR दर्ज कर आरोपी खिलाड़ियों की तलाश शुरू कर दी है। सब-इंस्पेक्टर एस. राजेश के अनुसार, कोच की हालत स्थिर है और फरार खिलाड़ियों को ट्रैक किया जा रहा है।

वेंकटरमन ने आरोप लगाया कि खिलाड़ियों ने उन्हें पकड़कर हमला किया और भारतीदासन पांडिचेरी क्रिकेटर्स फोरम के सेक्रेटरी जी. चंद्रन ने उन्हें भड़काया। उनका दावा है कि खिलाड़ियों ने उनसे मारपीट करने का कारण बताया कि उन्हें टीम में मौका तभी मिलेगा जब वे कोच को चोट पहुंचाएंगे। भारतीदासन पांडिचेरी क्रिकेटर्स फोरम ने कोच के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वेंकटरमन ने अक्सर खिलाड़ियों के साथ अनुचित व्यवहार किया। फोरम के अध्यक्ष सेंथिल कुमारन ने कहा कि CAP में पिछले वर्षों में कई बार मुद्दों को BCCI के सामने उठाया गया है।

यह हमला इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के एक दिन बाद आया जिसमें CAP में खिलाड़ियों के चयन में गड़बड़ी और बाहरी खिलाड़ियों को स्थानीय दिखाने की शिकायतें सामने आईं। 2021 के बाद केवल पांच स्थानीय खिलाड़ियों ने रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया।

BCCI के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड इस मामले की गंभीरता से जांच करेगा। CAP के CEO राजू मेथा ने हालांकि दावा किया कि सभी नियमों का पालन किया गया है और भ्रष्टाचार के लिए जीरो टॉलरेंस नीति है।

आईपीएल नीलामी में इस बार पृथ्वी, सरफराज के नाम भी शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की 16 दिसंबर को अबुधाबी में होने वाली नीलामी में कुल 350 क्रिकेटरों की बोली लगेगी, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। पिछली बार नीलामी में नहीं बिके बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को भी इसमें शामिल किया गया है।

इसके अलावा बल्लेबाज सरफराज खान को भी इसमें जगह मिली है। इन दोनों का ही बेस प्राइज 75 लाख रुपये है। शॉ ने 2018 से 2024 तक आईपीएल खेला था पर खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें पिछली बार किसी टीम ने नहीं खरीदा था। वहीं सरफराज को साल 2021 के बाद से ही निलामी सूची में शामिल नहीं किय गया था। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज किए गए ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को भी नीलामी में जगह मिली है। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले कुणाल चंदेला और अशोक कुमार भी नीलामी की अंतिम सूची में शामिल हैं। नीलामी सूची में दो करोड़ बेस प्राइज में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कैमरन ग्रीन और जेक फ्रेजर मैकगर्क के अलावा न्यूजीलैंड और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर है।

बीसीसीआई ने मिनी नीलामी के लिए 9 खिलाड़ियों के नाम जोड़े, कुल 359 खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीसी) ने 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली मिनी नीलामी के लिए जारी 350 खिलाड़ियों की सूची में 9 खिलाड़ियों को और शामिल किया है। इस प्रकार खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर अब 359 हो गयी है। सूची में जोड़े गये नामों में विराट कोहली के करीबी स्वस्तिक चिकारा शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने रिलीज किया थ। वहीं एसोसिएट देश (मलेशिया) के विरनदीप सिंह को भी सूची में शामिल किया गया हैं। बचे हुए सात खिलाड़ी हैं त्रिपुरा के ऑलराउंडर मणिशंकर मुरासिंघ, चामा मिलिंद (हैदराबाद), के.एल. श्रीजित (कर्नाटक), इथन बॉश (दक्षिण अफ्रीका), क्रिस ग्रीन (ऑस्ट्रेलिया), राहुल राज नमाला (उत्तराखंड) और विराट सिंह (झारखंड). अंतिम नीलामी सूची में शामिल 359 खिलाड़ियों मे 247 भारतीय और 112 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें से केवल 77 खिलाड़ियों को ही नया आईपीएल अनुबंध मिलेगा, इसमें 31 विदेशी खिलाड़ी हैं। इसमें कोलकाता नाइट राइडर्स के पास सबसे अधिक 64.30 करोड़ रुपये, और उनके उसे 13 स्लॉट भरने हैं। हीं चेन्नई सुपर किंग्स का नंबर है के पास 43.4 करोड़ रुपये हैं और उसे नौ स्लॉट भरने हैं।

आकाश चोपड़ा ने दी गंभीर को सलाह, सबसे लड़ाई न करें

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि वह पूरे जुनुन से अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं, इसलिए कुछ मैचों में टीम की असफलता के कारण उनपर सवाल उठाने ठीक नहीं हैं। वहीं चोपड़ा ने गंभीर से भी कहा कि वह आलोचआओं को सकारात्मक लें और उनपर कठोर प्रतिक्रिया न दे। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि कोच के तौर पर उनके अब तक के कार्यकाल में जरुरत से ज्यादा विवाद पैदा हुए हैं। ऐसे में मेरी सलाह है कि वह इतनी ज्यादा लड़ाइयां न मौल लें। हाल ही में गंभीर ने अगल-अलग कप्तान बनाने की सलाह देने वाले आईपीएल दिल्ली कैपिटल्स के मालिक पर नाम लिए बिना ही निशाना साधा था और कहा था कि उन्हें अपनी सीमा में ही रहना चाहिये। चोपड़ा ने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी कर गंभीर अपनी परेशानियां ही बढ़ा रहे हैं। गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम पहले न्यूजीलैंड और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों की सीरीज के सभी मैच हारी थी जिसके बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर लोगों ने सवाल उठाने शुरु कर दिये थे। चोपड़ा ने इसी को लेकर एक वीडियो में कहा, 'जब वह मीडिया के सामने आते है तो कुछ भी छुपाते नहीं हैं। दिल खोलकर बोलते हैं पर मेरी एक सलाह उन्हें है कि वह आलोचना पर भड़के नहीं और न किसी से लड़ाई मौल लें। साथ ही कहा कि जब आप अपने काम को लेकर इतने जोशीले होते हैं और किसी व्यक्ति या चीज के पीछे पड़ जाते हैं, तो कई लोग आपके असफल होने का इंतजार करने लगते हैं। कई बार लगता है कि आप अपने कामकाज के तरीके से इस तरह की आलोचना के लिए अपने को तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'गंभीर बेहद उत्साही व्यक्ति हैं। वह हमेशा देश और टीम के लिए पूरी ताकत झौंकने के लिए तैयार रहते हैं। मेरा मानना है कि उन्हें किसी को खुश नहीं करना है। इसलिए वह लड़ाई न करते हुए अपना काम करते रहें।'

जूनियर महिला वर्ल्ड कप: आखिरी सेकंड में बराबरी, फिर शूटआउट में भारत ने उरुग्वे को हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारत ने आखिरी सेकंड में बराबरी करने के बाद उरुग्वे को स्त्रद्ध॥ हॉकी जूनियर महिला वर्ल्ड कप 2025 के 9/12 क्लासिफिकेशन मैच में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत के लिए मनीषा ने (19वें) ने भारत के लिए गोल किया जिसके बाद जस्टिना अरेंगुई ने (60वें) मिनट सिर्फ दो सेकंड बाकी रहते पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जिससे सेंट्रो डेपोटिवों डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में मैच शूटआउट में चला गया।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जल्दी दबाव बनाया और कई बार सकर्ल में एंट्री की। हालांकि, उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे उसे भुना नहीं पाये। भारत ने 18वें मिनट में एक अच्छे पेनल्टी-कॉर्नर वेरिएशन के साथ जवाब दिया, लेकिन साक्षी राणा का शॉट ब्लॉक हो गया। अगले ही मिनट में मनीषा ने दूर से एक जोरदार गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारतीयों ने 11 सकर्ल पेनिट्रेशन किए, जबकि उरुग्वे ने डिफेंसिव शेल में गहरी पकड़ बना ली थी।

ब्रेक के बाद भी यही पैटर्न जारी रहा भारत ने हाई लाइन बनाए रखी और उरुग्वे को पीछे धकेल दिया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद वे बढ़त नहीं बना पाए। आखिरी क्वार्टर के 49वें मिनट में उरुग्वे ने आगे बढ़ने का प्रयास किया लेकिन गोलकीपर निधि ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार बचाव करके भारत की बढ़त बनाए रखी। उरुग्वे ने आखिरी मिनटों में अपने गोलकीपर को हटाकर एक एक्स्ट्रा आउटफील्ड प्लेयर को शामिल किया, और यह कदम बहुत फायदेमंद रहा। दो सेकंड बाकी रहते, उन्हें एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे अरेंगुई ने शांति से गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

शूटआउट में भारत ने हिम्मत नहीं हारी। पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे को तीन बार गोल करने से रोका, जिससे 3-1 से जीत पक्की हो गई और भारत 9वें/10वें स्थान के प्लेऑफ में पहुंच गया। भारत का अगला मुकाबला गुरुवार को अपने आखिरी क्लासिफिकेशन मैच में स्पेन से होगा।

सभी प्रारुपों की कप्तानी शुभमन को दी जाये : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि बल्लेबाज शुभमन गिल को तीनों ही प्रारुपों में कप्तानी दी जानी चाहिये। गांगुली के अनुसार अभी शुभमन टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान हैं और भविष्य को देखते हुए उन्हें टी20 प्रारुप की भी कप्तानी दे देनी चाहिये। वहीं जहां कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने सभी प्रारुपों में अलग कप्तान बनाने को कहा है। वहीं गांगुली इससे सहमत नहीं हैं। गांगुली ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा 'मेरी नजर में शुभमन सभी प्रारुपों के लिए कप्तान होने चाहिए। वह पूरी तरह से कप्तानी संभालने में सक्षम है।' गांगुली ने इंग्लैंड दौरे का उदाहरण देते हुकहा, 'तीन महीने पहले इंग्लैंड में शुभमन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने के बाद भी एक युवा टीम की शानदार तरीके से कप्तानी कर सीरीज बराबरी पर समाप्त की थी। उस सीरीज में वह बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों में ही सफल रहे थे।' गांगुली ने कहा कि उस सीरीज में शुभमन ने 750 से ज्यादा रन बनाए और चार शतक लगाये। विदेशी जमीन पर दबाव के बाद भी ऐसा प्रदर्शन करना असान नहीं होता। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी को केवल कुछ असफलताओं के कारण कम नहीं समझना चाहिए। इस पूर्व कप्तान का मानना है कि नये कप्तानों को अपनी को साबित करने के लिए समय देना जरुरी है। प्रशंसकों और समीक्षकों को जल्दबाजी में किसी भी प्रकार के फैसले पर नहीं पहुंचना चाहिये। ५ कप्तान के तौर पर उन्हें पर्याप्त समय और समर्थन देना चाहिए। उनपर भरोसा रखना होगा तभी वह एक बेहतर कप्तान के तौर पर निखर सकेंगे।' गांगुली की इस बयान से साफ है कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 टीम भले ही अच्छा कर रही हो पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए भविश्य के लिए शुभमन को तैयार किये जाने की जरुरत है।

लियोनेल मेस्सी को लगातार दूसरी बार चुने गए एमएलएस का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)। इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी को मेजर लीग सॉकर (MLS) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही। MLS कप चैंपियन टीम के कप्तान मेस्सी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया। मेस्सी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले प्रेकी ने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था।

पीसीबी ने हैदर अली पर लगा प्रतिबंध हटाया, लगे थे बलात्कार के आरोप

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने बल्लेबाज हैदर अली पर लगा अस्थायी निलंबन हटा लिया है, जिन्होंने सितंबर में मैनचेस्टर में बलात्कार के आरोपों से बरी होने के बाद से किसी भी तरह का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। PCB ने बुधवार को पुष्टि की कि अली उन नौ पाकिस्तानी खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया गया है। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, 'खिलाड़ियों को 23 जनवरी तक इस प्रतियोगिता में खेलने की अनुमति दे दी गई है।' पाकिस्तान के लिए 35 टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलने वाले अली तब पाकिस्तान शाहीन टीम (पाकिस्तान ए) के साथ इंग्लैंड दौरे पर थे जब ब्रिटेन में जन्मी एक पाकिस्तानी महिला ने मैनचेस्टर शहर की पुलिस में उनके खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाया। PCB ने जांच के नतीजे आने तक अली को निलंबित कर दिया था। मैनचेस्टर पुलिस ने 25 सितंबर को यह मामला बंद कर दिया था। पुलिस ने कहा था कि उन्हें इस मामले को अदालत में भेजने या क्रिकेटर को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। PCB ने मोहम्मद नवाज, अबरार अहमद, साहबजादा फरहान, फहीम अशरफ, हुसैन तलत, ख्वाजा नफे और एहसानाउल्लाह को भी बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए NOC जारी की है। पाकिस्तान की टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज उमर अकमल को हृहष्ट देने से इनकार कर दिया गया है। अकमल ने इस पर बोर्ड से स्पष्टीकरण मांगा है।

टी20आई : पावरप्ले में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा, अर्शदीप सिंह बड़े खिलाड़ी की बराबरी कर नम्बर 1 पर आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पावरप्ले ओवर्स (1-6 ओवर) हमेशा से बल्लेबाजों का पसंदीदा समय माना जाता है, लेकिन भारत के तेज़ और स्पिन गेंदबाजों ने इस अवधि में लगातार विकेट लेकर अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही के आंकड़ों के मुताबिक, पावरप्ले में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज़ों की लिस्ट में अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। दोनों के नाम 47-47 विकेट दर्ज हैं। उनके पीछे जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज़ शामिल हैं, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में मैच का रुख पलटने में अहम भूमिका निभाई है। अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में भूवनेश्वर कुमार की बराबरी की है।

अर्शदीप सिंह ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड – 47 विकेट के साथ नंबर 1 पर

भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टी20आई में पावरप्ले ओवर्स में सबसे ज़्यादा 47 विकेट लेकर बड़ा मुकाम हासिल किया है। क्रिकेट जगत में अर्शदीप अपनी स्विंग, पेस वेरिएशन और शुरुआती ओवरों में घातक लाइन-लेंथ के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल में अपनी पहचान बनाने वाले अर्शदीप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी साबित कर दिया है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक पावरप्ले स्पेशलिस्ट बन सकते हैं। उनके शुरुआती ओवरों में विकेट लेने की क्षमता भारत को मजबूत शुरुआत देती है और विपक्षी टीम पर दबाव डालती है।

भुवनेश्वर कुमार की बराबरी की

अर्शदीप ने भुवनेश्वर कुमार की बराबरी की है जिनके नाम भी पावरप्ले में 47 विकेट दर्ज हैं। भुवी अपनी शानदार स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ के लिए शुरू से ही ञ्च20द्ध क्रिकेट में सफल रहे हैं। भुवनेश्वर ने कई बड़े टूर्नामेंटों में पावरप्ले में अहम विकेट लेकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनकी स्विंग गेंदबाज़ी खासकर नई गेंद से बेहद प्रभावशाली रही है, जिसकी वजह से उन्हें लंबे समय तक भारत का सबसे भरोसेमंद पावरप्ले गेंदबाज़ माना गया।

जसप्रीत बुमराह - 33 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर

दुनिया के सबसे घातक गेंदबाज़ों में गिने जाने वाले जसप्रीत बुमराह पावरप्ले में 33 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। बुमराह भले ही डेथ ओवर्स के राजा माने जाते हों, लेकिन शुरुआती ओवरों में भी वह उतने ही खतरनाक होते हैं। उनकी सटीक यॉर्कर, सीम मूवमेंट और अनोखी स्लोअर गेंदें बल्लेबाज़ों को भ्रमित करती हैं। बुमराह की मौजूदगी से भारत को हमेशा पावरप्ले में सफलता मिलने की उम्मीद रहती है।

अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर - स्पिनर्स की अहम भूमिका

पावरप्ले में स्पिनरों का इस्तेमाल जोखिम भरा माना जाता है, लेकिन अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने इसे गलत साबित किया है। दोनों के नाम 21-21 विकेट दर्ज हैं। अक्षर पटेल अपनी एक जैसी लाइन-लेंथ और तेज़ गति वाली गेंदों से बल्लेबाज़ों को टिकने नहीं देते। वाशिंगटन सुंदर शुरुआती ओवरों में स्पिन डालकर बल्लेबाज़ों को चौंकाते हैं और कई बार बड़े विकेट दिलाते हैं। इन दोनों स्पिनरों ने भारत की पावरप्ले रणनीति को और मजबूत किया है।

टी20आई क्रिकेट में 1-6 ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

47 - अर्शदीप सिंह, 47 - भुवनेश्वर कुमार, 33 - जसप्रीत बुमराह, 21 - अक्षर पटेल, 21 - वाशिंगटन सुंदर

टोल प्लाजा पर सिख युवक से मारपीट और पगड़ी उछालने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में टोल प्लाजा पर सिख युवक से मारपीट और उसकी उसकी पगड़ी उछालने के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना को लेकर लोगों ने टोल प्लाजा पर धरना प्रदर्शन किया था। आरोपियों ने टोल ना देने पर युवक से मारपीट की थी, जबकि पीड़ित का कोई टोल नहीं लगता था। जानकारी के मुताबिक पिहोवा में सिख युवक के साथ टोल प्लाजा कर्मचारियों ने मारपीट की थी और पीड़ित की पगड़ी भी उछाल दी थी। बाद में गुस्साए सैकड़ों लोगों ने टोल प्लाजा पर धरना दिया था। किसान जटेबंदियों ने अब इस मामले पर पुलिस का धन्यवाद किया था। टोल के मैनेजर ने किसानों के सामने आकर माफी मांगी और कहा कि आगे से ऐसा नहीं होगा। साथ ही टोल पर काम करने वाले सभी कर्मचारी के गले में आईकार्ड होंगे। जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम ने इस घटना में नरेश कुमार, अमन गिर, गुरदेव सिंह, सोहन सिंह उर्फ़ सोनी, रोबिन व ललित वासीयान गुजरां जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार किया है। बता दें 8 दिसंबर 2025 को गुमथलागढ़ पुलिस चौकी को दी अपनी शिकायत में नवनीत सिंह ने बताया कि वह गांव थाने का रहने वाला है और उसे गांव के 10 किलोमीटर के दायरे में टोल प्लाजा आता है। एनएचएआई के नियमों के मुताबिक टोल प्लाजा के क्षेत्र में आने के कारण उनके गांव का टोल नहीं लगता। 8 दिसंबर शाम वह अपने काम से कैथल जा रहा था कि प्लाजा पर टोल देने को लेकर टोल कर्मचारियों ने उसके साथ मारपीट की उसे अपशब्द कहे। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरु की थी।

महाराष्ट्र कांग्रेस को विधानसभा स्पीकर ने दिया झटका... महाभियोग प्रस्ताव शुरू करने की मांग खारिज

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र कांग्रेस को बुधवार को एक बड़ा झटका लगा है, जहाँ विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने राज्य चुनाव आयुक्त (एसईसी) के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव शुरू करने की मांग को खारिज किया है। सीनियर कांग्रेस विधायक और पूर्व स्पीकर नाना पटोले ने स्पीकर से इसकी मांग की थी। कांग्रेस नेता पटोले ने हाल के स्थानीय निकाय चुनावों में अराजकता और अनियमितताओं का आरोप लगाकर एसईसी पर दिन दहाड़े लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया था। उन्होंने तर्क दिया कि चूंकि मुख्यमंत्री (तत्कालीन मुख्यमंत्री फडणवीस) ने भी अनियमितताओं की अभूतपूर्व प्रकृति को स्वीकार किया है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत महाभियोग की कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए। लेकिन स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मांग को ख़ारिज कर दिया। स्पीकर ने कहा कि पटोले की मांग राज्य विधानसभा के दायरे से बाहर थी और यह हाई कोर्ट के जज पर महाभियोग से जुड़े हाल के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप नहीं थी। एसईसी ने 24 नगर परिषदों और 76 नगर परिषदों तथा नगर पंचायतों के 154 वार्डों में मतदान शुरू होने से ठीक पहले स्थानीय निकाय चुनावों को 20 दिसंबर तक स्थगित कर दिया था। सीएम फडणवीस ने भी स्थगन पर नाराज़गी व्यक्त की थी, यह कहते हुए कि चुनाव निर्धारित होने से एक दिन पहले स्थगन का कोई प्रावधान नहीं है। पार्टी ने स्थगन को एक सोची-समझी राजनीतिक चाल बताते हुए एसईसी की आलोचना की थी और कहा था कि महाराष्ट्र में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अराजकता फैल गई है।

पीएम मोदी ईवीएम नहीं, लोगों के दिलों को करते हैं हैक : कंगना रनौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के आठवें दिन लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में तीखी नोकझोंक देखने को मिली। जहां राज्यसभा में 'वंदे मातरम' को लेकर बहस छिड़ी रही, वहीं लोकसभा में चुनाव सुधार मुख्य मुद्दा बना रहा। इसी दौरान अभिनेत्री से भाजपा सांसद बनी कंगना रनौत ने कांग्रेस पर विपक्ष में रहते हुए लगातार नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। लोकसभा में अपनी टिप्पणी के दौरान कंगना रनौत ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईवीएम हैक नहीं करते, वे लोगों के दिलों को हैक करते हैं। यह प्रतिक्रिया उन्होंने उन विपक्षी आरोपों के जवाब में दी, जिनमें ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जा रहे थे। कंगना ने सदन में उस 'अंतरराष्ट्रीय महिला' की तस्वीर दिखाने पर भी कांग्रेस पर हमला बोला, जिसका प्रयोग राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की आलोचना के दौरान किया था। उन्होंने कहा कि यह उस महिला का अपमान है और वे इसके लिए उससे माफी मांगती हैं। भाजपा सांसद ने विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष रोज हंगामा खड़ा कर समय बर्बाद कर रहा है, जिससे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा प्रभावित हो रही है। कंगना ने कहा कि विपक्ष की इस रणनीति के कारण संसद का वातावरण लगातार तनावपूर्ण बना हुआ है और जनहित के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं।

ट्रूकॉलर ने लॉन्च किया 'फैमिली प्रोटेक्शन' फीचर

रांची : ट्रूकॉलर ने आज एक नए और बेहद महत्वपूर्ण फीचर, यानी फैमिली प्रोटेक्शन के लॉन्च की घोषणा की, ताकि परिवार अपने अनुभवों को एक-दूसरे से साझा करके इस डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रह सकें। फैमिली प्रोटेक्शन सीधे एंड्रॉइड और डर पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मौजूद है, जिससे यूजर्स को भरोसेमंद फैमिली ग्रुप बनाने की सुविधा मिलती है ताकि उन्हें स्कैम और अनचाहे कॉल से तुरंत सुरक्षा मिल सके। एंड्रॉइड की बात करें, तो फैमिली एडमिनिस्ट्रेटर को उस फैमिली ग्रुप के दूसरे सदस्यों के फोन पर आने वाले संभावित स्कैम कॉल का अलर्ट मिल सकता, और वो ऐसे कॉल को दूर बैठे ही बंद कर सकता है। परिवार की सुरक्षा के लिए एक नई पेशकश फैमिली प्रोटेक्शन के जरिये ज्यादा-से-ज्यादा पाँच लोग ही एक भरोसेमंद फैमिली ग्रुप में जुड़ सकते हैं, जहाँ शेयर किए गए टूल्स उन्हें स्कैम कॉल से सुरक्षित रहने में मदद करते हैं।

महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करके बुरे फंसे संत अनिरुद्धाचार्य; कोर्ट में परिवाद दर्ज, एक जनवरी को सुनवाई

मथुरा (एजेंसी)। वृंदावन के प्रसिद्ध संत और कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करके मुश्किलों में फंस गए हैं। उन्होंने प्रवचन के दौरान कहा था, महिलाएं 25 वर्ष की उम्र में चार जगह मुंह मार लेती हैं। इसलिए उनकी शादी 14 वर्ष की आयु में हो जानी चाहिए। इस बयान को लेकर अखिल भारतीय हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने कोर्ट में शिकायत की थी। मथुरा सीजेएम कोर्ट ने परिवाद यानी शिकायत दर्ज करते हुए मामले में सुनवाई के लिए एक जनवरी 2026 की तारीख तय की है।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने मथुरा में मीडिया से बात की। भारतीय हिंदू महासभा आगरा जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने संत अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ न्यायालय में लिखित प्रार्थना पत्र दिया था। उसमें कहा गया था कि कथा प्रवचन के दौरान अनिरुद्धाचार्य महिलाओं पर विवादित टिप्पणी करते हैं जो गलत है। संत ने एक प्रवचन के दौरान कहा था, महिलाएं 25 वर्ष की उम्र में चार जगह मुंह मार लेती हैं। इसलिए उनकी शादी 14 वर्ष की आयु में हो जानी चाहिए। विवादित बयान के

बाद जनपद न्यायालय सीजेएम कोर्ट ने मामला संज्ञान में लिया और 1 जनवरी को इस मामले में सुनवाई होगी।

वृंदावन के प्रसिद्ध संत अनिरुद्धाचार्य के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब इंस्टाग्राम फेसबुक पर लाखों फॉलोअर हैं। अनिरुद्धाचार्य की कथा सुनने के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर उनका गौरी गोपाल के नाम से आश्रम बना हुआ है। कुछ महीने पहले वृंदावन में कथा प्रवचन के दौरान शिष्यों ने पूछा लड़कियों की शादी कब हो जानी चाहिए। इस पर संत ने जवाब दिया कि लड़कियों की शादी 14 वर्ष की अवस्था में हो जानी चाहिए। क्योंकि, 25 वर्ष की आयु होते-होते लड़कियां कई जगह मुंह मार लेती हैं जो गलत है।

अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने बताया मीरा राठौर के द्वारा सीजेएम कोर्ट में एक लिखित शिकायत की गई थी, उसका कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने वाद को पंजीकृत कर लिया है। अब अगली सुनवाई एक जनवरी 2026 को होगी। इस दिन शिकायतकर्ता मीरा राठौर अपने बयान दर्ज कराएंगी। मीरा राठौर ने कहा ऐसे संतो को जेल भेज देना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ अनिरुद्धाचार्य विवादित टिप्पणी करते रहते हैं जो गलत है। मुझे नहीं लगता कि वह असली साधु संत हैं। साधु संतों की यह भाषा नहीं होती है। अगर यही बात कोई मौलाना मौलवी कहता तो उसके मकान-मस्जिद पर बुलडोजर चल जाता। अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया तो मुझे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय में जीत हुई। हम मांग करते हैं मुकदमा दर्ज करके तत्काल अनिरुद्धाचार्य को जेल भेजना चाहिए। अनिरुद्धाचार्य की भाषा बहुत गलत है।

राहुल गांधी जा रहे हैं जर्मनी यात्रा पर, बीजेपी ने बताया भारत बदनामी यात्रा

-विदेशी मंचों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जहर उगलने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की होने वाली जर्मनी यात्रा ने राजनीति में हलचल मचा दी है। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने इसे भारत बदनामी यात्रा बताया है और कांग्रेस नेता पर विदेशी मंचों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिए करने का आरोप लगाया। पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी का विदेश यात्रा का फैसला एक बार फिर उनकी स्पष्ट प्राथमिकताओं को दर्शाता है। राहुल 17 दिसंबर को बर्लिन में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वे यूरोप भर के आईओसी नेताओं से मिलेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी ने साबित कर दिया है कि विपक्ष के नेता का मतलब पर्यटन का नेता होता है। वह एक गैर-गंभीर राजनेता हैं। लोग काम के मूड में हैं, जबकि वह छुट्टी के मूड में हैं। हमेशा के लिए छुट्टी के मूड में। उन्होंने कहा कि राहुलजी अक्सर विदेश चले जाते हैं, और याद दिलाया कि बिहार चुनावों में जब दूसरे लोग चुनाव प्रचार कर रहे थे, तब वे जंगल सफारी पर थे। जर्मनी यात्रा के पीछे के इरादे के बारे में पूनावाला ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वे किसी कारण से क्यों जा रहे हैं, लेकिन हो सकता है कि वे भारत के खिलाफ जहर उगलना चाहते हों। यह भारत बदनामी ब्रिगेड और भारत बदनामी टूर है। पूनावाला ने कहा कि विदेश नायक एक बार फिर वही कर रहे हैं जो वे सबसे अच्छा करते हैं। विदेश यात्रा पर जा रहे हैं। संसद 19 दिसंबर तक है, लेकिन खबरों के मुताबिक राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी की यात्रा पर रहेंगे।

महाराष्ट्र पुलिस को बड़ी सफलता: गढ़चिरौली में 11 माओवादी कैडरों का आत्मसमर्पण

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल की है, जहाँ प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के 11 सीनियर और हार्डकोर कैडरों ने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

आत्मसमर्पण करने वालों में कुल 11 कैडर शामिल है। इसमें दो डिवीजनल कमेटी सदस्य, तीन प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य, दो एरिया कमेटी सदस्य, चार आम पार्टी सदस्य शामिल है। इन सभी पर मिलाकर 82 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इतना ही नहीं चार कैडरों ने अपनी वर्दी और हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। इस आत्मसमर्पण में सबसे बड़ा नाम रमेश उर्फ भीमा उर्फ बाजू गुड्डी लेकामी (57 वर्ष), जो भामरागढ़ एरिया का डिवीजनल कमेटी सदस्य था। छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर, कांकेर और नारायणपुर जिले में महिलाओं ने भी आत्मसमर्पण किया है। यह इस साल का सबसे बड़ा सरेंडर नहीं है, लेकिन इसका महत्व बहुत अधिक है। बात दें कि साल 2025 में अब तक गढ़चिरौली में 112 हथियारबंद माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं। अक्टूबर 2025 में पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फभूपति उर्फसोनू सहित 61 बड़े कैडर ने आत्मसमर्पण किया था। 2005 से अब तक गढ़चिरौली पुलिस के सामने कुल 783 सक्रिय माओवादी हथियार डाल चुके हैं। डीजीपी शुक्ला ने बचे हुए माओवादियों से हथियार छोड़कर सम्मान की जिंदगी जीने की अपील की। माओवादी विचारधारा खोखली साबित हो चुकी है और आम आदिवासी उसकी हिंसा से तंग आ चुके हैं। महाराष्ट्र सरकार की सरेंडर और पुनर्वास नीति उनके लिए अवसर प्रदान करती है। डीजीपी ने सी-60 कमांडो और अधिकारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अक्टूबर में लाहेरी जंगल में भूपति सहित 61 माओवादियों का सरेंडर करवाया था। गढ़चिरौली पुलिस ने प्रोजेक्ट उड़ान - विकास की एक झलक' नामक एक खास गाइडबुक जारी की। इसका उद्देश्य दूरदराज के आदिवासी इलाकों में चल रही सरकारी योजनाओं की आसान जानकारी देना है। डीजीपी ने कहा कि अब पुलिस सिर्फ सुरक्षा नहीं, विकास का माध्यम भी बनेगी।

सांसद गोगोई ने कसा तंज बोले- इंडिगो के पीछे की कहानी का पर्दाफाश होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो मामले को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ती जा रही है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्र सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल मंत्री के बयान दे देने से सरकार अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पूरे प्रकरण की असल कहानी सामने आनी चाहिए और सदन में विस्तार से चर्चा होना बेहद जरूरी है।

गौरव गोगोई ने मीडिया से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि पिछले दो दिनों में सरकार ने संसद के दोनों सदनों में दिए गए बयानों में पूरी जिम्मेदारी एक निजी कंपनी पर डाल दी है, जैसे उसकी खुद की कोई भूमिका ही न हो। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है मानो नियामक संस्थाओं की कोई जिम्मेदारी ही नहीं बची। हजारों उड़ानें रद्द हुईं, यात्रियों को एयरपोर्ट पर कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा, लेकिन सरकार अपनी जवाबदेही से दूर खड़ी दिखाई देती है।

सांसद ने यह भी कहा कि पायलटों की सुविधा के लिए लाए गए नए नियमों को सरकार ने अचानक वापस ले लिया। न पायलटों को राहत मिली, न यात्रियों को और न ही सरकार ने अपनी भूमिका स्वीकार की।

सिर्फ एक नोटिस जारी कर देने से सरकार की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि लोकसभा में मंत्री का बयान आने के बाद विपक्ष ने असहमति जताते हुए वॉकआउट किया, क्योंकि सरकार पूरे मामले पर ईमानदार चर्चा से बच रही है। उनका कहना था कि एक सप्ताह में कितनी उड़ानें रद्द हुईं, यह केवल आंकड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए। गोगोई ने एविएशन इंडस्ट्री की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार भले ही तेज़ी से बढ़ते एविएशन बाजार की बात करे, लेकिन इसका क्या लाभ जब एयरपोर्ट पर बुनियादी सुविधाएं महंगी हों, टिकटों के दाम आसमान छू रहे हों, पायलटों और ग्राउंड स्टाफ की स्थितियां खराब होती जा रही हों और पूरी इंडस्ट्री कुछ निजी कंपनियों के इशारों पर चल रही हो। इसी मुद्दे पर दूसरी सांसद फौजिया खान ने भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नोटिस भेजना जरूरी है, लेकिन क्या सारी गलती सिर्फ इंडिगो की है? क्या सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती? उन्होंने सवाल किया कि जो नियम लागू किए गए थे, वे क्या सही थे और यदि नहीं, तो अचानक पूरी व्यवस्था कैसे ठप हो गई? वापस लिए गए नियमों की सच्चाई भी सामने आनी चाहिए।

वंदे मातरम से जुड़े एक अन्य विवाद पर कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी ने कहा कि फर्जी दस्तावेजों के सहारे जो भी कहा जाए, उससे सच्चाई नहीं बदलती। उन्होंने कहा कि इतिहास स्पष्ट बताता है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान किसने क्या भूमिका निभाई और आज इस विषय पर सवाल उठाने वालों का उस दौर में कोई अस्तित्व तक नहीं था।

सोनिया गांधी को नोटिस जारी किए जाने पर कांग्रेस नेता किरण कुमार चमाला ने कहा कि बार-बार सोनिया गांधी और उनके परिवार को निशाना बनाना राजनीतिक विद्वेष का संकेत है। उन्होंने बताया कि चुनाव सुधारों पर चर्चा दो सत्रों की मांग के बाद शुरू हो सकी। उनके अनुसार कई राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया का दुरुपयोग किया जा रहा है, जबकि इसके प्रावधान सीमित हैं और इसे केवल आवश्यकता पड़ने पर ही लागू किया जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल एविएशन सेक्टर की खामियों को उजागर किया है, बल्कि राजनीतिक माहौल को भी गर्मा दिया है। सरकार की जवाबदेही और नियामक संस्थाओं की भूमिका पर उठे सवाल अभी भी जस के तस बने हुए हैं।

हुमायू का दावा: अगले साल मैं ही बनूंगा किंगमेकर, मेरे बगैर कोई सरकार नहीं बना पाएगा

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस से हाल ही में निलंबित हुए मुरशिदाबाद के प्रभावशाली नेता एवं विधायक हुमायूं कबीर ने मंगलवार को बड़ा दावा किया कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद वह किंगमेकर बनकर उभरेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्रस्तावित नई पार्टी के समर्थन के बिना राज्य में कोई भी सरकार बनाना असंभव होगा। कबीर ने संवाददाताओं से कहा, 2026 में न तो तृणमूल कांग्रेस और न ही भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल कर पाएगी। 294 सीटों वाली विधानसभा में कोई भी दल 148 का आंकड़ा नहीं छू सकेगा। चुनाव परिणाम आने के बाद मैं किंगमेकर बनूंगा। जो भी मुख्यमंत्री बनेगा, उसे मेरे विधायकों का समर्थन लेना पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि उनकी नई पार्टी कम से कम 135 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और इतनी सीटें जीतेगी कि सरकार बनाने या गिराने की स्थिति में रहेगी। नई पार्टी की औपचारिक घोषणा 22 दिसंबर को होगी। पार्टी का नाम पूछे जाने पर कबीर ने मुस्कुराते हुए कहा, '22 दिसंबर के बाद सब कुछ अपने आप पता चल जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने कबीर के दावों को सिरे से

खारिज कर दिया। पार्टी के प्रदेश महासचिव अरूप चक्रवर्ती ने कहा, 'हुमायूं कबीर दिवास्वप्न देख रहे हैं। सरकार बनाने की बात करने से पहले उन्हें अपनी जमानत बचाने की चिंता करनी चाहिए। ऐसे निराधार दावे उनकी राजनीतिक हताशा को ही दर्शाते हैं।

इस बीच, हुमायूं कबीर के करीबियों ने दावा किया कि मुरशिदाबाद में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद शैली की नई मस्जिद के लिए अब तक लगभग तीन करोड़ रुपये का चंदा इकट्ठा हो चुका है। उनके अनुसार, मस्जिद परिसर में रखी 12 दान पेटियों से 57 लाख रुपये नकद मिले हैं, जबकि क्यूआर कोड के जरिए 2.47 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है। चंदा लगातार बढ़ रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कबीर का नई पार्टी के जरिए मुर्शिदाबाद और आसपास के मुस्लिम बहुल इलाकों में मजबूत आधार बनाने की तैयारी में हैं। उनके इस दावे ने 2026 के चुनावी समीकरण को और रोचक बना दिया है।

रिटेल निवेशकों को निफ्टी50 इंडेक्स से जुड़े भारतीय शेयर बाजार में निवेश के अवसर दे रहा स्बेरबैंक

(एजेंसी)

मुंबई : रूस के सबसे बड़े बैंक स्बेरबैंक और जेएससी फर्स्ट एसेट मैनेजमेंट ने एक नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' लॉन्च किया है। यह फंड भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख इंडेक्स निफ्टी 50 पर आधारित है, जिसमें देश की टॉप 50 कंपनियों के शेयर्स शामिल होते हैं। इस फंड के जरिए रूस के रिटेल निवेशकों को भारत के शेयर बाजार में प्रत्यक्ष हिस्सेदारी का मौका मिलेगा। यह लॉन्च एनएसई में आयोजित एक कार्यक्रम में स्बेरबैंक के सीईओ और एग्जीक्यूटिव बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ द्वारा उनकी भारत यात्रा के दौरान किया गया। निफ्टी50 दुनिया भर के बाजार निवेशकों में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इक्विटी इंडेक्स में से एक है। इसमें एनएसई में सूचीबद्ध 50 बड़ी और बेहद सक्रिय कंपनियों के शेयर्स शामिल हैं, जो भारतीय

अर्थव्यवस्था के 15 अलग-अलग सेक्टर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत में निफ्टी50 को ट्रैक करने वाले 45 से ज्यादा पैसिव फंड्स मौजूद हैं, जबकि भारत के बाहर ऐसे 22 पैसिव फंड्स ही चलते हैं। निफ्टी50 इंडेक्स साल 1996 में शुरू हुआ था और 22 अप्रैल, 2026 को इसके 30 साल पूर्ण हो जाएंगे। अशीष कुमार चौहान, एमडी और सीईओ, एनएसई, ने कहा "हमें खुशी है कि हम स्बेरबैंक को निफ्टी50 से जुड़े इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन्स लॉन्च करने में सहयोग दे रहे हैं, जो पूँजी के प्रवाह को मजबूत करेंगे और रूस के निवेशकों के लिए भारत की इक्विटी ग्रोथ को एक भरोसेमंद बेंचमार्क के जरिए खोलेंगे। यह पहल भारत के बाजारों में मजबूत विश्वास को दशार्ती है और भारत एवं रूस की वित्तीय साझेदारी को और गहरा बनाती है। एनएसई स्बेरबैंक के साथ मिलकर बाजार कनेक्टिविटी बढ़ाने, नियमों और निवेशक-सुरक्षा मानकों को बनाए रखने और इन प्रोडक्ट्स के लिए लिक्विडिटी व पारदर्शिता तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि दोनों देशों के निवेशकों को नए अवसर मिल सकें।

इंडिगो एयरलाइंस के संकट से सिर्फ दिल्ली को 1000 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान

-कई सारे होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट्स और रिसोर्ट की हजारों बुकिंग रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो एयरलाइंस के संकट और फ्लाइट्स के बड़े पैमाने पर रद्द होने के कारण दिल्ली के कारोबारियों और पर्यटन क्षेत्र का बड़ा नुकसान हुआ है। इस बारे में चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल के अनुसार, इंडिगो संकट के कारण सिर्फ दिल्ली के व्यापार, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों को अब तक करीब 1000 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान हो चुका है। बीते 10 दिनों में दिल्ली में यात्रियों/ लोगों (फुटफॉल) की संख्या में 25 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। दिल्ली के कई सारे होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट्स और रिसोर्ट की हजारों बुकिंग रद्द हो चुकी हैं। वहीं प्रगति मैदान और आनंद मंडपम में लगी बड़ी प्रदर्शनियों (जैसे आटोमोबाइल, हैंडलूम, टेक्सटाइल) में अनुमान के मुताबिक फुटफॉल नहीं दिखा, क्योंकि हजारों व्यापारी और पर्यटक फ्लाइट रद्द होने के कारण दिल्ली नहीं पहुँच सके है। बात दें कि दिल्ली एयरपोर्ट से रोजाना यात्रा करने वाले लगभग 50,000 व्यापारियों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है, जिससे दिल्ली के बाजारों का व्यापार प्रभावित हुआ है।

वहीं बीते आठ दिनों से इंडिगो का संचालन पूरी तरह से ट्रैक पर नहीं आ सका है। संकट शुरू होने से अब तक 4500 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं और यह संख्या बढ़ती जा रही है। यह समय (दिसंबर-जनवरी मध्य तक) दिल्ली में पर्यटन का मुख्य मौसम होता है, लेकिन संकट से क्रिसमस और न्यू ईयर की बुकिंग पर भी असर पड़ा है। पर्यटकों के होटल, टूरिस्ट व्हीकल, टूरिस्ट गाइड, रेस्टोरेंट की बुकिंग के साथ-साथ डेस्टिनेशन वेडिंग जैसे आयोजनों को भी भारी नुकसान हुआ है, जहाँ मेहमान और कुछ मामलों में दूल्हा-दुल्हन के परिवार वाले भी नहीं पहुँच पाए। इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में लगातार गिरावट जारी है, और संकट शुरू होने से अब तक यह 12 प्रतिशत से ज्यादा टूट चुका है। कंपनी का मार्केट कैपिटल (बाजार पूंजीकरण) भी 40,000 करोड़ रुपये के आस-पास कम हो गया है।

पर्यटन और व्यापार पर असर

दिल्ली में यह संकट उस समय आया है जब टूरिज्म का मौसम (जनवरी के मध्य तक) चल रहा है। बाजार जानकार के अनुसार, इंडिगो संकट के चलते क्रिसमस और न्यू ईयर की बुकिंग पर असर पड़ा है। वहीं एक अन्य कारोबारी ने बताया कि दिल्ली के व्यापार को 1000 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। पर्यटकों के होटल, टूरिस्ट व्हीकल, टूरिस्ट गाइड, और रेस्टोरेंट की पहले से हुई बुकिंग कैंसिल हो गई है। डेस्टिनेशन वेडिंग जैसे आयोजनों को भी भारी नुकसान हुआ है, क्योंकि मेहमानों के साथ-साथ कुछ मामलों में दूल्हा-दुल्हन के परिवार वाले भी नहीं पहुंच पाए।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902